राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

उज्वल दुनिया

रांची, दिल्ली और यूपी से एक साथ प्रकाशित

वर्ष, 12 | पृष्ठ 12 | अंक 107 | रांची, सोमवार, 22 जून, 2026 | मूल्य 3 रुपये | RNI No.- JHAHIN/ 2014/59794 | ujjwalduniyapress@ gmail.com

आज का दिन

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में 22 जून 1939 का दिन एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में दर्ज है। इसी दिन महान स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस ने कांग्रेस के भीतर वैचारिक मतभेदों के बाद एक नए राजनीतिक मंच की नींव रखी, जिसे ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक के नाम से जाना गया। यह संगठन कांग्रेस पार्टी के भीतर उस समय उभरी विचारधारात्मक असहमति का परिणाम था, जिसमें नेताजी ने अधिक सक्रिय, जन-आधारित और क्रांतिकारी आंदोलन की आवश्यकता पर जोर दिया।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर रेड रोड में भव्य आयोजन, पीएम मोदी बोले - योग मानव चेतना से जुड़ने का जरिया

एजेंसी

कोलकाता। कोलकाता के रेड रोड पर 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने योगाभ्यास में भाग लिया। उनके साथ पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी, राज्यपाल आरएन रवि, राज्य सरकार के मंत्री, विधानसभा अध्यक्ष रथींद्रनाथ बसु, विधायक, छात्र-छात्राएं, खिलाड़ी, योग साधक तथा विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। प्रधानमंत्री के दौरे और योग दिवस के मुख्य आयोजन को लेकर पूरे इलाके में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार सुबह रेड रोड पहुंचे और मंच से देशवासियों को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि 21 जून वर्ष का वह दिन है, जब पृथ्वी के एक हिस्से में सबसे लंबा दिन होता है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मान्यता मिलने के बाद इस दिन का महत्व और बढ़ गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि योग सभी

को जोड़ने का माध्यम है और आज 21 जून दुनिया के सबसे बड़े पर्वों में परिवर्तित हो चुका है। प्रधानमंत्री ने कहा कि योग भारत की प्राचीन परंपरा होने के बावजूद अब पूरी दुनिया की जीवनशैली का हिस्सा बन रहा है। उन्होंने कहा कि भारत में हिमालय से हिंद महासागर तक, पूर्वोत्तर और बंगाल से लेकर पश्चिम में सौराष्ट्र तक योग की ऊर्जा दिखाई दे रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोलकाता में योग दिवस के आयोजन में शामिल होना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने पश्चिम बंगाल की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि यह श्री अरविंद, स्वामी विवेकानंद और श्री रामकृष्ण परमहंस की भूमि है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस धरती पर योग दिवस का आयोजन विशेष महत्व रखता है। उन्होंने श्री अरविंद के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि श्री अरविंद ने अपने पूरे जीवन को योग से जुड़ा बताया था और योग वास्तव में मानव चेतना से जुड़ने का मार्ग है। प्रधानमंत्री ने कोलकाता के नागरिकों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि योग दिवस के आयोजन के लिए शहरवासियों ने स्वच्छता, व्यवस्था और नागरिक कर्तव्य के निर्वहन में काफी मेहनत की है। उन्होंने कहा कि नागरिकों का यह उत्साह और सहयोग प्रशंसनीय है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि योग को केवल एक दिन के कार्यक्रम तक सीमित नहीं रखना चाहिए। इसे रोजमर्रा के जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना होगा। उन्होंने कहा कि योग स्वस्थ जीवन जीने में सहायता करता है और मानसिक स्वास्थ्य के साथ शारीरिक स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाए रखने का मार्ग दिखाता है। योग जीवनशैली में संतुलन लाता है तथा व्यक्ति को उम्र बढ़ने के बावजूद ऊर्जावान बनाए रखता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि श्रीकृष्ण ने भी गीता में योग के महत्व का उल्लेख किया है। उन्होंने कहा कि समाज स्वस्थ होगा तो देश भी स्वस्थ बनेगा। प्रधानमंत्री के संबोधन के बाद रेड रोड पर सामूहिक योगाभ्यास शुरू हुआ। इस बीच मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में योग की पुरानी परंपरा रही है। प्रधानमंत्री की उपस्थिति से राज्य में योग दिवस का आयोजन ऐतिहासिक बन गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लंबे समय तक पश्चिम बंगाल में योग दिवस को लेकर सरकारी स्तर पर कोई विशेष पहल नहीं हुई, लेकिन अब राज्य में योग के प्रति लोगों का उत्साह बढ़ा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और उनके निर्णयों के कारण आज पश्चिम बंगाल में योग दिवस का इतना बड़ा आयोजन संभव हो सका है। उन्होंने दावा किया कि रेड रोड पर आयोजित योग कार्यक्रम के लिए 2 लाख 57 हजार लोगों ने पंजीकरण कराया है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को योग दिवस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए धन्यवाद दिया। रेड रोड पर मुख्य योग कार्यक्रम सुबह करीब 6:30 बजे शुरू हुआ। कार्यक्रम में लगभग 35 हजार लोगों के प्रधानमंत्री के साथ योगाभ्यास में शामिल होने की व्यवस्था की गई थी। प्रतिभागियों को सुबह 6:15 बजे तक कार्यक्रम स्थल में प्रवेश करने के निर्देश दिए गए थे। सुबह से ही शहर के विभिन्न हिस्सों से लोग रेड रोड की ओर पहुंचते दिखाई दिए। योग दिवस के कार्यक्रम में भाग लेने वाले लोगों की सुविधा के लिए रविवार तड़के से कोलकाता मेट्रो की सेवाएं शुरू कर दी गई थीं। ब्लू लाइन, ग्रीन लाइन सहित शहर की सभी मेट्रो लाइनों पर सुबह 4 बजे के कुछ समय बाद से सेवाएं चालू कर दी गईं, ताकि दूरदराज से आने वाले प्रतिभागी समय पर रेड रोड पहुंच सकें। प्रधानमंत्री के दौरे को देखते हुए रेड रोड और आसपास के क्षेत्रों में बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों और सुरक्षा बलों को तैनात किया गया था। यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए भी विशेष प्रबंध किए गए थे। कार्यक्रम स्थल पर प्रवेश के लिए निर्धारित समय और सुरक्षा जांच की व्यवस्था की गई थी। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रेड रोड में आयोजित यह कार्यक्रम पश्चिम बंगाल के लिए विशेष महत्व का रहा।

अररिया के चंदन भदानी ने फतह किया दुर्गम श्रीखंड कैलाश, 18,572 फीट की ऊंचाई पर लहराया तिरंगा और शिव ध्वज

एजेंसी

अररिया। बिहार के अररिया जिले के फारबिसगंज निवासी चंदन भदानी ने देश के सबसे कठिन और दुर्गम पर्वतीय ट्रेकों में शामिल श्रीखंड कैलाश की सफल चढ़ाई कर एक उल्लेखनीय उपलब्धि अपने नाम की है। समुद्र तल से लगभग 18,572 फीट की ऊंचाई पर स्थित इस पवित्र शिखर तक पहुंचकर उन्होंने न केवल अपनी साहसिक क्षमता का परिचय दिया, बल्कि पूरे अररिया जिले का नाम भी गौरवान्वित किया है। कन्हैयालाल भदानी और सरस्वती भदानी के पुत्र चंदन भादानी ने पांच रात और छह दिन की कठिन यात्रा पूरी कर हिमाचल प्रदेश स्थित श्रीखंड कैलाश शिखर तक पहुंचने का लक्ष्य हासिल किया। इस दौरान उन्होंने बर्फीले ग्लेशियरों, दुर्गम पहाड़ी रास्तों, खड़ी चट्टानों और कम ऑक्सीजन जैसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना किया। त्रा देश के विभिन्न हिस्सों से आए ट्रेकर्स के समूह के साथ शुरू हुई। कोलकाता से दिल्ली और फिर हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला पहुंचने के बाद वे कुल्लू जिले के जाओ गांव पहुंचे, जहां से वास्तविक ट्रैकिंग की शुरूआत हुई। तीन दिनों में उन्होंने लगभग 34 किलोमीटर की कठिन चढ़ाई पूरी की और वापसी में भी उतनी ही दूरी तय करते हुए कुल 68 किलोमीटर का दुर्गम सफर पूरा किया। उन्होंने बताया कि श्रीखंड कैलाश यात्रा को भगवान शिव के पंच कैलाशों में सबसे कठिन और जोखिमपूर्ण यात्रा माना जाता है। भीम द्वार, पार्वती बाग, काली टॉप और नयन सरोवर से होकर श्रीखंड महादेव तक पहुंचने वाला अंतिम पांच किलोमीटर का मार्ग सबसे चुनौतीपूर्ण होता है। इस हिस्से में लगभग 90 डिग्री की सीधी चढ़ाई, बर्फ से ढके ग्लेशियर और संकरे रास्ते यात्रियों की परीक्षा लेते हैं। चंदन के अनुसार कई स्थानों पर यात्रियों को केवल रस्सियों के सहारे आगे बढ़ना पड़ता है। रास्ते में आने वाली बर्फीली और तेज बहाव वाली नदियों को भी रस्सियों की मदद से पार करना होता है। जरा सी असावधानी हजारों फीट गहरी खाई में गिरने का कारण बन सकती है। अत्यधिक ऊंचाई के कारण ऑक्सीजन का स्तर भी काफी कम हो जाता है, जिससे सांस लेने में कठिनाई होती है। हालांकि आपातकालीन स्थिति के लिए ऑक्सीजन सिलेंडर की व्यवस्था उपलब्ध रहती है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में संजय सेठ, इरफान अंसारी समेत कई मंत्री-नेताओं ने किया योग

एजेंसी

रांचीः राजधानी रांची समेत पूरे राज्य में आज 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया. स्कूल, कॉलेज, मेडिकल-नर्सिंग कॉलेज एवं सरकारी और गैर-सरकारी संस्थानों में योगाभ्यास के विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए. वहीं, झारखंड का राजकीय कार्यक्रम रांची विश्वविद्यालय के स्वर्णजयंती दीक्षांत मंडप में हुआ. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के राजकीय कार्यक्रम में रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ, स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी, पूर्व मंत्री एवं रांची के भाजपा विधायक सीपी सिंह, स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन झारखंड के निदेशक शशि प्रकाश झा, राज्य की औषधि नियंत्रक ऋतु सहाय, रांची विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ सरोज शर्मा, झारखंड कांग्रेस के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने जनसमूह के साथ योगाभ्यास किया. राज्य योग सेंटर की योग प्रशिक्षक डॉ अर्चना कुमारी ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के प्रोटोकॉल के तहत योगाभ्यास कराया.वहीं, योग कार्यक्रम स्थल पर छएऊ स्क्रीन के माध्यम से पीएम मोदी के कोलकाता में योग का सीधा प्रसारण देखा गया. 12 वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की आधिकारिक थीम ₹स्वस्थ आयु के लिए योग₹) है. यह थीम बढ़ती उम्र के साथ शारीरिक गतिशीलता, मानसिक शांति, आत्मनिर्भरता और गुणवत्तापूर्ण जीवन के लिए योग की महत्वपूर्ण भूमिका पर केंद्रित है. अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए रांची के सांसद और रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने कहा कि पीएम मोदी के प्रयास से योग को अंतरराष्ट्रीय मान्यता मिली और 21 जून 2015 से हर साल यह मनाया जाने लगा. संजय सेठ ने राज्य और देशवासियों से हर दिन योगाभ्यास करने का आग्रह करते हुए कहा कि यह सिर्फ तन मन को ही स्वस्थ नहीं रखता है बल्कि इससे समाज, राज्य और देश के साथ-साथ विश्व भी स्वस्थ होता है. उन्होंने कहा कि 27 सितंबर 2014 को जब पीएम मोदी ने संयुक्त राष्ट्र संघ के समक्ष योग की महत्ता बताते हुए इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मनाने का प्रस्ताव दिया तो दुनिया के 177 देशों के समर्थन मिला.

तमिलनाडु की सीफूड फैक्ट्री में अमोनिया गैस लीक, सात महिलाओं समेत 10 मजदूरों की मौत

एजेंसी

चेन्नई। पेरियापालयम के पास स्थित एक फैक्टरी में अमोनिया गैस रिसाव होने से सात महिलाओं समेत 10 मजदूरों की मौत हो गई है। महिलाओं की मौत पहले ही हो गई, लेकिन चेन्नई के स्टेनली अस्पताल में तीन और मजदूरों की मौत होने से अब इस हादसे में मरने वालों की संख्या 10 हो गई है। तमिलनाडु सरकार की ओर से मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की गई है। साथ ही अस्पतालों में भर्ती कर्मचारियों के इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है। तिरुवल्लूर जिले के पेरियापालयम के पास एक झींगा प्रसंस्करण (श्रिम्प प्रोसेसिंग) फैक्ट्री संचालित हो रही है। इसमें बड़ी संख्या में श्रमिक कार्यरत हैं। इसी दौरान 21 जून की सुबह जब श्रमिक काम कर रहे थे, तभी अचानक अमोनिया गैस का रिसाव हो गया। इसके कारण कई श्रमिकों को सांस लेने में तकलीफ होने लगी। अमोनिया गैस रिसाव से प्रभावित होकर 7 महिलाओं की मौत हो गई। इसके बाद अमोनिया गैस रिसाव के कारण 45 से अधिक श्रमिक बेहोश हो गए। उन्हें तत्काल बचाकर मंजंगरनै क्षेत्र के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिला कलेक्टर एस. कविता ने बताया कि 46 मरीजों को वेल्स हॉस्पिटल और 21 मरीजों को वेंकटेश्वरा हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया है। इनमें से नौ गंभीर मरीजों को बेहतर उपचार के लिए एम्बुलेंस के जरिए चेन्नई के सरकारी स्टेनली मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया है। बेहोश हुए कुछ लोगों के मुंह और नाक से खून भी बह रहा था। अस्पताल में उपचार के दौरान 2 श्रमिकों सहित कुल 3 लोगों की मौत हो गई। वर्तमान में कुछ लोग चेन्नई के स्टेनली अस्पताल में भी उपचार प्राप्त कर रहे हैं। तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि इस दुखद घटना में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति मैं अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। इस कठिन समय में उन्हें आवश्यक मानसिक शक्ति और साहस प्राप्त हो, इसके लिए मैं प्रार्थना करता हूं। साथ ही उपचाराधीन सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होकर पूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने की भी मैं कामना करता हूं।

पुंदाग में बंद घर से 12 लाख के गहने और नकदी की चोरी, सीसीटीवी में कैद हुए चोर

एजेंसी

रांची। राजधानी रांची के पुंदाग ओपी क्षेत्र में चोरी की एक बड़ी वारदात सामने आई है। अज्ञात चोरों ने एक बंद घर का ताला तोड़कर लाखों रुपये मूल्य के जेवरात और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज में चोरी की वारदात में शामिल संदिग्ध चोरों की गतिविधियां भी कैद हुई हैं। पुलिस के अनुसार, पुंदाग निवासी सोनू सोनी अपने परिवार के साथ घर में ताला बंद कर किसी पारिवारिक कार्य से पटना गए हुए थे। रविवार सुबह जब वे वापस अपने घर लौटे तो मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ मिला। घर के अंदर प्रवेश करने पर सभी कमरे अस्त-व्यस्त थे और सामान बिखरा पड़ा था। पीड़ित सोनू सोनी ने बताया कि चोर घर में रखे करीब एक लाख 55 हजार रुपये नकद और लगभग 12 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात लेकर फरार हो गए। उन्होंने बताया कि चोरों ने बेहद सुनियोजित तरीके से वारदात को अंजाम दिया। चोरी के दौरान पड़ोसियों को भनक न लगे, इसके लिए आसपास के कुछ घरों के दरवाजे भी बाहर से बंद कर दिए गए थे। पड़ोसी बबीता झा ने बताया कि उनके घर का दरवाजा भी बाहर से बंद कर दिया गया था। सुबह जब उन्होंने बाहर निकलने की कोशिश की तो काफी देर तक दरवाजा नहीं खुला। बाद में किसी तरह बाहर निकलने पर आसपास हुई चोरी की घटना की जानकारी मिली। घटना की सूचना मिलते ही पुंदाग ओपी

योग है स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की कुंजी, इसे दिनचर्या का हिस्सा बनाएं : राष्ट्रपति

एजेंसी

जबलपुर । योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि एक सदाबहार जीवन शैली है। यह उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा कर शरीर और मन को स्वस्थ रखने का अचूक माध्यम है। मानवता के लिए भारत की सबसे बड़ी विरासत योग है, जिसे हमें अपने दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए।ह्व यह बात राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मध्य प्रदेश के जबलपुर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित करते हुए कही। रविवार को सदर स्थित गैरिसन ग्राउंड में आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इस वर्ष कार्यक्रम की थीम ह्लयोगा फॉर हेल्दी एजिंग यानी स्वस्थ बुढ़ापे के लिए योगह्व रखी गई है । राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में योग को स्वस्थ, संतुलित और दीर्घायु जीवन का आधार बताते हुए कहा कि यह भारत की ऐसी अमूल्य धरोहर है, जिसने आज पूरी दुनिया को स्वास्थ्य और शांति का मार्ग दिखाया है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि मां नर्मदा की पावन नगरी जबलपुर आकर वह स्वयं को धन्य महसूस कर रही हैं। उन्होंने कहा कि योग भारतीय संस्कृति और ज्ञान परंपरा की वह धरोहर है, जिसने सीमाओं और भाषाओं से ऊपर उठकर पूरी मानवता को जोड़ने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस आज वैश्विक जन-आंदोलन का रूप ले चुका है और दुनिया के अनेक देशों में बड़े उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने लोगों से आह्वान किया कि योग को केवल 21 जून तक सीमित न रखें, बल्कि इसे अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं। उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास व्यक्ति को शारीरिक रूप से स्वस्थ, मानसिक रूप से संतुलित और भावनात्मक रूप से सशक्त बनाता है। विशेष रूप से बढ़ती उम्र में योग शरीर की कार्यक्षमता बनाए रखने और जीवन की गुणवत्ता बेहतर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में तनाव, अवसाद और विभिन्न स्वास्थ्य समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे समय में योग केवल उपचार नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन जीने की एक संपूर्ण पद्धति है। योग व्यक्ति को स्वयं से जोड़ता है और भीतर सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के स्वागत के साथ हुई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इसके बाद राष्ट्रपति, राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा तथा अन्य अतिथियों ने सामूहिक योगाभ्यास में हिस्सा लिया। गैरिसन ग्राउंड में आयोजित इस विशाल कार्यक्रम में करीब पांच हजार लोगों ने एक साथ योग किया। मैदान में युवाओं, महिलाओं, स्कूली विद्यार्थियों, अभिभावकों, वरिष्ठ नागरिकों और समाज के विभिन्न वर्गों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली। राष्ट्रपति को अपने बीच पाकर लोगों में विशेष उत्साह दिखाई दिया। योग प्रशिक्षकों के निर्देशन में सभी ने विभिन्न योगासन और प्राणायाम का अभ्यास किया तथा नियमित योग करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्कूली विद्यार्थियों ने भाग लिया। बच्चों और युवाओं ने पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ योगाभ्यास किया। सामूहिक योग सत्र के दौरान स्वस्थ, निरोग और संतुलित जीवन का संदेश दिया गया।

झारखंड के 67 केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई

एजेंसी

रांची। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित नीट यूजी-2026 की पुनर्परीक्षा रविवार को झारखंड के 67 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित वातावरण में संपन्न हो गई। परीक्षा को लेकर राज्यभर में सुरक्षा और प्रशासनिक स्तर पर व्यापक तैयारियां की गई थीं। राजधानी रांची में सबसे अधिक 21 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जहां बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। परीक्षा के सफल संचालन के लिए जिला प्रशासन की ओर से सभी परीक्षा केंद्रों पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। प्रत्येक केंद्र पर दंडाधिकारियों (मजिस्ट्रेट) की तैनाती की गई थी, जबकि महिला एवं पुरुष पुलिसकर्मियों को सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। परीक्षा केंद्रों के अंदर और बाहर लगातार निगरानी रखी गई ताकि किसी प्रकार की गड़बड़ी या अव्यवस्था की संभावना न रहे। अभ्यर्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रवेश प्रक्रिया, पहचान सत्यापन, सुरक्षा जांच और बैठने की व्यवस्था को सुव्यवस्थित रखा गया। केंद्रों पर समयबद्ध तरीके से अभ्यर्थियों का प्रवेश कराया गया और परीक्षा संचालन के दौरान सभी दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया गया। रांची के अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) कुमार रजत ने बताया कि जिले के सभी 21 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा पूरी तरह शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। उन्होंने कहा कि प्रशासन का प्राथमिक उद्देश्य अभ्यर्थियों को सुरक्षित, निष्पक्ष और तनावमुक्त वातावरण उपलब्ध कराना था। इसके लिए सभी केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में सुरक्षा बल, मजिस्ट्रेट और निगरानी टीमों की तैनाती की गई थी। उन्होंने बताया

बीआईटी मेसरा और आईआईटी खड़गपुर ने जॉइंट रिसर्च और एकेडमिक सहयोग के लिए एमओयू साईन किया

रांचीः बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मेसरा (बीआईटी मेसरा) और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, खड़गपुर (आईआईटी खड़गपुर) ने रिसर्च, एकेडमिक्स और इंस्टीट्यूशनल क्षमता-निर्माण के क्षेत्रों में आपसी सहयोग के लिए एक एमओयू साईन किया है। पांच साल का यह समझौता ज्ञापन जॉइंट पीएचडी सुपरविजन, लेबोरेटरी के साझा एक्सेस और इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी डेवलपमेंट के लिए आपसी सहमति को सुनिश्चित करेगा। बीआईटी मेसरा के वाईस चांसलर प्रो. इंद्रनील मन्ना और आईआईटी खड़गपुर के डायरेक्टर प्रो. सुमन चक्रवर्ती ने इस एमओयू पर साइन किए। बीआईटी मेसरा में रिसर्च, इनोवेशन और एंटरप्रेन्योरशिप के डीन प्रो. राजू पोद्दार; बीआईटी मेसरा में वाईस चांसलर के नॉमिनी प्रो. सुदीप दास; आईआईटी खड़गपुर में बायो साइंसेज के डीन प्रो. रामकृष्ण सेन; आईआईटी खड़गपुर में कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर प्रो. पवित्र मित्रा; और आईआईटी खड़गपुर में एरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर प्रो. अर्नब रॉय हस्ताक्षर समारोह में मौजूद रहे। संस्थान की ओर से समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले प्रोफेसर इंद्रनील मन्ना ने कहा, ह्लआईआईटी खड़गपुर के साथ यह साझेदारी बीआईटी मेसरा की अकादमिक उत्कृष्टता, प्रभावशाली रिसर्च और इनोवेशन-आधारित विकास के प्रयासों में उल्लेखनीय उपलब्धि है। इस साझेदारी के हम अपने छात्रों और फैकल्टी को नए अवसर प्रदान करना चाहते हैं, साथ ही एक साथ मिलकर रिसर्च और टेक्नोलॉजी के विकास के माध्यम से राष्ट्रीय प्राथमिकताओं में योगदान देना चाहते हैं।' यह समझौता ऐसे दो संस्थानों को एक साथ ला रहा है, जिनकी शुरूआत भारत की आजादी के ठीक बाद के दशक में हुई थी। बीआईटी मेसरा की स्थापना 1955 में हुई थी और 1986 में इसे डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा मिला। वहीं 1951 में स्थापित आईआईटी खड़गपुर देश का पहला आईआईटी है और इसे राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में मान्यता प्राप्त है। इस एमओयू में मास्टर और पीएचडी छात्रों का जॉइंट सुपरविजन, अंडरग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट रिसर्च में सहयोग, छात्र और फैकल्टी विनिमय, समर और विंटर इंटर्नशिप, और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय फंडिंग एजेंसियों को संयुक्त रूप से रिसर्च के प्रस्ताव देना शामिल है। इसके तहत रिसर्च सुविधाओं का साझा इस्तेमाल, फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम, स्टाफ एवं अधिकारियों का प्रशिक्षण, और सेमिनार, वर्कशॉप, जीआईएएन कोर्स और माइक्रो-क्रेडिट कोर्स जैसी संयुक्त एकेडमिक गतिविधियाँ भी शामिल की जाएंगी। समझौते के तहत दोनों संस्थान एक संयुक्त इंटीग्रेटेड एम.टेक-पीएचडी प्रोग्राम और डुअल-डिग्री पर भी विचार करेंगे। दोनों संस्थानों के प्रतिनिधियों से बनी एक जॉइंट एमओयू इम्प्लीमेंटेशन कमिटी, हर छह महीने में समीक्षा करके प्रगति पर निगरानी रखेगी। यह समझौता खासतौर पर बीआईटी मेसरा के छात्रों को आईआईटी खड़गपुर के रिसर्च इंफ्रास्ट्रक्चर और फैकल्टी का एक्सेस देगा। छात्रों को आईआईटी खड़गपुर की लैबोरेटरी विजिट करने, जॉइंट रिसर्च प्रोजेक्ट्स करने के अवसर मिलेंगे। पोस्टग्रेजुएट छात्र विशेष एकेडमिक और

एक नजर

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर CRPF प्रशिक्षण महाविद्यालय, रांची में भव्य योग शिविर का आयोजन

रांचीः अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) के केंद्रीय प्रशिक्षण महाविद्यालय (दूरसंचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी), रांची में एक भव्य एवं प्रेरणादायक योग शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अधिकारियों, प्रशिक्षकों और प्रशिक्षुओं सहित 500 से अधिक लोगों ने एक साथ योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन का संदेश दिया। इस अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक (आईपीएस) साकेत कुमार सिंह, पुलिस उप महानिरीक्षक अजय मिश्रा, संस्थान के प्राचार्य राजेश कुमार सहाय, उप प्राचार्य महेश कुमार तथा अनुराग राणा सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। सभी ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए नियमित योग को स्वस्थ और संतुलित जीवन का आधार बताया। कार्यक्रम का शुभारंभ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम ₹स्वस्थ आयु के लिए योग₹ तथा प्रधानमंत्री के प्रेरणादायक संदेश के साथ हुआ। प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास किया। वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि नियमित योगाभ्यास न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है, बल्कि तनाव प्रबंधन, कार्यक्षमता में वृद्धि और सकारात्मक जीवन दृष्टिकोण विकसित करने का भी प्रभावी माध्यम है।

लोकहित अधिकार पार्टी, झारखंड प्रदेश कोर कमेटी की बैठक संपन्न हुई

कांकेः भामाशाह नगर रिंग रोड स्थित प्रदेश अध्यक्ष के आवासीय कार्यालय में लोकहित अधिकार पार्टी प्रदेश कोर कमेटी का बैठक रखा गया। बैठक में मुख्य रूप से संगठन विस्तार के निमित्त सदस्यता अभियान के तहत 01 जुलाई से 15 जुलाई 2026 तक प्रदेश अध्यक्ष हरिनाथ साहू के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल राज्यव्यापी दौरा और प्रवास कार्यक्रम पर सहमति बना। साथ ही राज्य में कई ज्वलंत मुद्दे जैसे छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ होता पेपर लिक का मामला, प्रखंड और अंचल कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार, विस्थापन और विस्थापितों को न्याय दिलाना सभी स्तर का शिक्षा और चिकित्सा निःशुल्क लागू कराना,सहारा पल्स जैसी सैंकड़ों चिट फंड कंपनियों में फंसे करोड़ों निवेशकों का पैसा ब्याज सहित दिलाना, ओबीसी आरक्षण एवं जाति जनगणना में ओबीसी कालम को हटाने के विषय को लेकर विशेष जन जागरूकता अभियान और आंदोलन का रूपरेखा तैयार किया गया। कोर कमेटी की बैठक में मुख्य रूप से पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हरिनाथ साहू , प्रदेश वरीय उपाध्यक्ष रामविलास साव, प्रदेश महासचिव सह सदस्यता प्रभारी प्रमोद प्रसाद गुप्ता, प्रदीप ठाकुर, पलामू प्रमंडल प्रभारी कपिल साहू, कांके विधानसभा प्रभारी मुकुल नायक,प्रदेश प्रवक्ता डॉ. दानेश्वर साहू, रांची जिला अध्यक्ष प्रेमचंद साहू ,मोहम्मद जुल्फान अंसारी, बिंदेश्वर साहू, अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार गौतम उपस्थित हुए।

रांची में सफलतापूर्वक आयोजित हुआ RICS IP Summit 2026, देश के अग्रणी पल्मोनोलॉजिस्ट हुए शामिल

रांची, 21 जून 2026ः ऑर्किड मेडिकल सेंटर के पल्मोनरी मेडिसिन विभाग द्वारा RICS IP Summit 2026 – Exploring New Frontiers in Interventional Pulmonology का सफल आयोजन रैडिसन ब्लू, रांची में झारखंड चेस्ट फिजिशियन एसोसिएशन एवं लुपिन डायग्नोस्टिक्स के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ऑर्किड मेडिकल सेंटर के चेयरमैन एवं कंसल्टेंट इंटरनल मेडिसिन डॉ. एस. सी. जैन ने की। कार्यक्रम के ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी कंसल्टेंट पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ. निशीथ कुमार एवं को-सेक्रेटरी कंसल्टेंट पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ. योगेश कुमार जैन रहे। सम्मेलन में डॉ. विश्वेश्वरन बालासुब्रमणियन, डॉ. मानसी गुप्ता, डॉ. लवलीन मंगला, डॉ. मोइज लालानी, डॉ. अर्जुन एस. कश्यप एवं डॉ. राकेश चौधरी सहित देशभर के विशेषज्ञों ने भाग लिया। लगभग 50 पल्मोनोलॉजिस्ट एवं श्वसन रोग विशेषज्ञ कार्यक्रम में शामिल हुए। सम्मेलन में इंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजी की नई तकनीकों, फेफड़ों की बीमारियों के उन्नत निदान एवं उपचार पर चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने ऑर्किड मेडिकल सेंटर में उपलब्ध अग्रिम थोराकोस्कोपी, ब्रोंकोस्कोपी एवं एइवर जैसी आधुनिक सुविधाओं की सराहना की, जिनसे अब मरीजों को बड़े शहरों में जाए बिना रांची में ही उन्नत एवं किफायती उपचार उपलब्ध हो रहा है। ऑर्किड मेडिकल सेंटर उन्नत तकनीकों और विशेषज्ञ सेवाओं के माध्यम से झारखंड के मरीजों को विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। कार्यक्रम के अंत में ऑर्किड मेडिकल सेंटर प्रबंधन ने सभी विशेषज्ञों एवं सहयोगी संस्थाओं का आभार व्यक्त किया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय मानवधिकार एसोसिएशन रांची जिला कार्यालय का उद्घाटन

आज दिनांक 21/06/26 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय मानवधिकार एसोसिएशन रांची जिला कार्यालय का उद्घाटन कोकर रांची में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अरविंद कुमार सिंह जी करकमलों द्वारा फीता एवं नारियल फोड़ कर किया गया मौके पर प्रदेश महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती ललिता देवी के नेतृत्व में योग कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया जिसमें प्रदेश एवं रांची जिला के पदाधिकारी मौजूद थे इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अरविंद सिंह ने नए पदाधिकारी को मनोनीत किया जिसमें जगदीश दास को (प्रदेश संगठन महामंत्री) हरि जयसवाल को (दक्षिणी छोटा नागपुर प्रमंडल अध्यक्ष) उपेंद्र रजक को (रांची जिला अध्यक्ष)सीमा मिश्रा को (महिला मोर्चा प्रमंडल सचिव) प्रदीप सिंह को (मीडिया प्रभारी) कल्पना देवी को (रांची जिला कार्यालय प्रभारी) मनोनीत करते हुए मानव अधिकार संरक्षित के लिए कार्य करने का सभी ने संकल्प लिया मौके पर उपस्थित थे -राजेश गुप्ता, नाजिया परवीन, सुनील पाजापती, शिशुपाल महतो, सोनी चौरसिया, नीतू देवी, सुनील गुप्ता, गोबिंद मुंडा, संजू देवी, ललिता महतो, मनोज प्रजापति, कैलाश रविदास सहित दर्जनों उपस्थित थे.

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची में 12 वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

रांचीः 21 जून को डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची में प्रातः 7 बजे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन विश्वविद्यालय के योगिक साइंस विभाग द्वारा किया गया। मौके पर कुलपति डॉ राजीव मनोहर ने विश्वविद्यालय परिवार के साथ योगाभ्यास किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 के थीम, स्वस्थ आयु के लिए योग, काफी महत्वपूर्ण है। हमें स्वस्थ जीवन के लिए योग को अपनी दिनचर्या का अभिन्न अंग बनाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि योग एक पूर्ण विज्ञान है, जिसका उद्देश्य है शरीर, मन और आत्मा का एक साथ सामंजस्यपूर्ण विकास। कुलपति डॉ राजीव मनोहर ने मौके पर विश्वविद्यालय के सहकर्मियों से नियमित तौर पर योग को अपने जीवन में आत्मसात करने की बात कही। उन्होंने कहा कि जल्द ही विश्वविद्यालय के योगिक साइंस विभाग को और अधिक विस्तारित करने की योजना है ताकि अगले वर्ष योग दिवस को और अधिक व्यापक रूप से विश्वविद्यालय में आयोजित किया जा सके। इसके पूर्व द्वीप प्रज्ज्वलन के द्वारा कुलपति डॉ राजीव मनोहर ने कार्यक्रम का विधिवत प्रारंभ किया। इसके उपरांत वहां उपस्थित विश्वविद्यालय के शिक्षकों, कर्मियों और विद्यार्थियों को योगिक विज्ञान विभाग की शिक्षिका मिनी सहाय के द्वारा योगाभ्यास कराया गया। इस अवसर पर यौगिक साइंस विभाग की समन्वयक डॉ अपर्णा सिन्हा ने भी योग की प्रासंगिकता पर अपने विचारों को साझा किया। मौके पर डॉ ईश्वरी प्रसाद गुप्ता, डॉ अनुपम कुमार, डॉ जीसी बास्के सहित अन्य शिक्षक, कर्मियों और विद्यार्थियों ने सामूहिक तौर पर इस योग कार्यकम में अपनी भागीदारी दी। यह जानकारी पीआरओ डॉ राजेश कुमार सिंह ने दी।

1 जुलाई को डॉ. वीपी केशरी की जयंती और विचार-गोष्ठी का आयोजन

रांचीः रांची के कांके स्थित हीरानाथ साहु के आवासीय कार्यालय में झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा, केंद्रीय समिति के प्रमुख पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गयी. 1 जुलाई को रांची के आलोका सभागार में आयोजित होने वाले डॉ. वी.पी. केशरी की जयंती सह विचार गोष्ठी की तैयारी को लेकर यह बैठक रखी गयी थी. इस बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु ने किया, जबकि संचालन केंद्रीय महासचिव आदित्य नारायण प्रसाद ने किया. बैठक में चर्चा करते हुए कहा गया कि झारखंड आंदोलन को बौद्धिक दिशा प्रदान करते हुए डॉ. वी.पी. केशरी ने मुकाम तक पहुँचाने का काम किया, लेकिन अलग राज्य बनने के बाद उनको पूरी तरह भूला दिया गया है. यह काफी दुख की बात है. 1 जुलाई को रांची में आयोजित जयंती और विचार गोष्ठी के माध्यम से डॉ. केशरी के योगदान को याद किया जायेगा और उसके बाद सरकार को उचित एवं सकारात्मक पहल के लिए ज्ञापन के रूप में सौंपा जायेगा. इस कार्यक्रम में वैश्य समाज के बुद्धिजीवियों और झारखंड आंदोलनकारियों को भी आमंत्रित करने का निर्णय लिया गया. बैठक में निर्णय लिया गया कि इस अवसर पर दस बुद्धिजीवियों, साहित्यकारों एवं झारखंड आंदोलनकारियों को 'डॉ. वीपी केशरी वैश्य सम्मान' से सम्मानित किया जायेगा. इस बैठक में कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमती रेखा मंडल (धनबाद), हीरानाथ साहु (कांके), केंद्रीय महासचिव आदित्य नारायण प्रसाद (बलकुदरा) , चतुर साहु (ओरमांझी), मदन प्रजापति (मांडर), संगठन महासचिव अनिल वैश्य (पंडरा), कृष्णा साहु (कांके), मुख्य प्रवक्ता रोहित कुमार साहु, केंद्रीय सचिव राजेंद्र साहु, केंद्रीय सदस्य डॉ. अरविंद कुमार, युवा मोर्चा अध्यक्ष हलधर साहु, बाचल गुप्ता, शिव प्रसाद गुप्ता आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे. जबकि प्रधान महासचिव बीरेन्द्र कुमार (गोला), उप प्रधान महासचिव अशोक कुमार गुप्ता (ओरमांझी) एवं जगदीश साहु (लोहरदगा) वर्चुअल रूप से शामिल हुए.

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर जिंदल स्टील पतरातू में भव्य आयोजन

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिंदल स्टील पतरातू परिसर में भव्य रूप से योग दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कंपनी के अधिकारी, कर्मचारी एवं कॉलोनी निवासी बड़ी संख्या में उपस्थित हुए और सामूहिक योगाभ्यास में भाग लिया। कार्यक्रम का नेतृत्व प्लांट प्रमुख के. बी. सिंह ने किया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों के साथ विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास किया तथा योग के महत्व और उससे होने वाले शारीरिक एवं मानसिक लाभों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास से व्यक्ति स्वस्थ, ऊजार्वान और तनावमुक्त जीवन जी सकता है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा योग को अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करने के लिए प्रेरित किया गया। सभी प्रतिभागियों ने योग को जीवन का अभिन्न अंग बनाने का संकल्प लिया। गौरतलब है कि हम सभी जानते हैं कि नवीन जिंदल जो कंपनी के चेयरमैन एवं कुरुक्षेत्र के सांसद हैं, योग एवं स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रेरित करते रहे हैं। उनके मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से कंपनी द्वारा समय-समय पर स्वास्थ्य जागरूकता से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। योग दिवस के इस सफल आयोजन ने सभी प्रतिभागियों में स्वास्थ्य, अनुशासन एवं सकारात्मक ऊर्जा का संचार किया। कार्यक्रम में योग गुरु मनिकांत झा के द्वारा योगाभ्यास कराया गया। इसके साथ ही ओ पी जिंदल स्कूल एवं ओ पी जे सी सी में भी योग दिवस मनाया गया।इस अवसर पर महाप्रबंधक संतोष कुमार, एच आर प्रमुख मीनू सिंह, आर डी शर्मा, प्रवीण कुमार, सुभाष शरन,अभय सिंह, रुपेश कुमार बिनोद सिंह, देवब्रत पांडेय,संबित साहू सहित सभी अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे.

घुटना और कूल्हा प्रत्यारोपण मरीजों ने रिकवरी की प्रेरणादायक कहानियां साझा की

रांचीः पारस एचईसी हॉस्पिटल, रांची के तत्वावधान में रविवार को होटल रमाडा में आयोजित 'स्ट्राइड ऑफ चैंपियंस' कार्यक्रम में घुटना प्रत्यारोपण (टोटल नी रिप्लेसमेंट) और कूल्हा प्रत्यारोपण (टोटल हिप रिप्लेसमेंट) सर्जरी करा चुके मरीजों ने रैंप वॉक कर अपने आत्मविश्वास और नई जिंदगी का परिचय दिया। इस विशेष आयोजन में पारस हेल्थ के ऑथोर्पेडिक सर्जन डॉ. विवेक डेविड एवं उनकी टीम की देखरेख में सफल सर्जरी करा चुके मरीजों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने बताया कि आधुनिक चिकित्सा तकनीक, विशेषज्ञ उपचार और नियमित पुनर्वास की मदद से सर्जरी के बाद भी सामान्य, सक्रिय और आत्मनिर्भर जीवन जिया जा सकता है। रैंप वॉक के दौरान मरीजों ने पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और रिकवरी की प्रेरणादायक कहानियां साझा कीं। इस अवसर पर डॉ. विवेक डेविड ने कहा कि घुटना और कूल्हा प्रत्यारोपण केवल एक सर्जरी नहीं, बल्कि मरीजों को नई जिंदगी देने की प्रक्रिया है। मंच पर मरीजों को आत्मविश्वास के साथ चलते देखना चिकित्सकों के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम उन लोगों के लिए प्रेरणा है, जो अब भी सर्जरी को लेकर संशय में हैं। हॉस्पिटल के फैसिलिटी डायरेक्टर डॉ नीतेश कुमार ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य घुटना और कूल्हा प्रत्यारोपण सर्जरी को लेकर लोगों के मन में व्याप्त भय, संकोच और भ्रांतियों को दूर करना है। उन्होंने कहा कि आज के प्रतिभागियों ने यह साबित कर दिया है कि उचित इलाज और देखभाल से मरीज न केवल सामान्य जीवन में लौट सकते हैं, बल्कि पहले की तरह सक्रिय और आत्मनिर्भर भी बन सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान मरीजों और उनके परिजनों ने चिकित्सकों के प्रति आभार व्यक्त किया। आयोजन में उपस्थित लोगों ने रैंप वॉक में शामिल प्रतिभागियों के उत्साह, आत्मविश्वास और जज्बे की सराहना की।

हजारों अभिभावक और बच्चे ऑनलाइन जुड़े, डीएवी कपिल देव स्कूल में योग दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया

रांची। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर डीएवी कपिल देव स्कूल, रांची में विशेष योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा अभिभावकों के साथ योगाभ्यास कर योग के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर आलोक कुमार दूबे ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ शरीर, शांत मन और संतुलित जीवन का आधार है। वर्तमान समय की भागदौड़ भरी जीवनशैली में योग तनाव को कम करने, मानसिक एकाग्रता बढ़ाने तथा सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास से न केवल व्यक्ति स्वस्थ रहता है, बल्कि एक स्वस्थ, जागरूक और सशक्त समाज के निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। आलोक कुमार दूबे ने विद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस.के. शर्मा एवं समस्त विद्यालय परिवार को इस सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि विद्यालय शिक्षा के साथ-साथ स्वास्थ्य, संस्कार और व्यक्तित्व विकास के क्षेत्र में भी उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने बताया कि यूट्यूब के माध्यम से हजारों अभिभावक और बच्चे ऑनलाइन कार्यक्रम से जुड़े तथा योगाभ्यास में भाग लिया। कार्यक्रम में योग प्रशिक्षक डॉ. निधि शर्मा के मार्गदर्शन में विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया गया। उपस्थित विद्यार्थियों ने योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। योग स्वस्थ शरीर, शांत मन और सशक्त राष्ट्र का आधार है, के संदेश के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

सीएमपीडीआई ने मनाया 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026

रांची, 21 जूनः सीएमपीडीआई (CMPDI) ने अपने मुख्यालय, रांची और सभी क्षेत्रीय संस्थानों में पूरे उत्साह के साथ "Yoga for Healthy Ageing" विषय के तहत 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 मनाया। सीएमपीडीआई (मुख्यालय), में, सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, श्री चौधरी शिवराज सिंह ने दीप प्रज्वलित कर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह का उद्घाटन किया। इसके पश्चात उन्होंने श्री नृपेंद्र नाथ, निदेशक (टी/सीआरडी); श्री आनंद मोहन, निदेशक (आरडी एंड टी, बीडी); कोल इंडिया के कार्यपालक निदेशक (गवेषण) श्री आर. के. सिंह; महाप्रबंधकों/विभागाध्यक्षों; वरिष्ठ अधिकारियों; कस्तूरी महिला सभा (केएमएस) की अध्यक्षा श्रीमती स्मिता सिंह एवं केएमएस की अन्य सदस्याओं; गोंडवाना प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के साथ योग सत्र में हिस्सा लिया। इस अवसर पर बोलते हुए, श्री सिंह ने कहा कि योग एक अनमोल उपहार है जो समग्र कल्याण के लिए एक आधारशिला के रूप में कार्य करता है, और विशेष रूप से इस वर्ष के विषय "Yoga for Healthy Ageing" के पूरी तरह अनुरूप है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हमारी दिनचर्या में प्रतिदिन योग को शामिल करने से शारीरिक ऊर्जा बनाए रखने, मानसिक स्पष्टता को तेज करने और बढ़ती उम्र के साथ भावनात्मक मजबूती विकसित करने में मदद मिलती है। योग के लाभ मुख्य कार्यक्रम के बाद भी लोगों को मिलते रहें, यह सुनिश्चित करने के लिए, सीएमपीडीआई अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के उपलक्ष्य में 18 से 26 जून, 2026 तक सीएमपीडीआई (मुख्यालय), रांची में एक सप्ताह के 'योग बूट कैंप' का आयोजन कर रहा है। इस शिविर में प्रमाणित योग विशेषज्ञों द्वारा निर्देशित सत्र शामिल हैं, जो सभी आयु वर्गों के लिए तनाव प्रबंधन, शरीर में लचीलापन और बढ़ती उम्र के प्रभाव को कम करने वाली विशेष तकनीकों पर केंद्रित हैं।

रांची विश्वविद्यालय में सामूहिक योगाभ्यास, स्वास्थ्य मंत्री ने योग को बताया स्वस्थ जीवन का आधार

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार सुबह रांची विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती दीक्षांत मंडप में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सुबह छह बजे शुरू हुए इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवकों, योग प्रशिक्षकों, योग साधकों तथा विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरे परिसर में योग के प्रति जागरूकता, उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा का वातावरण देखने को मिला। इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम ‘स्वस्थ आयु के लिए योग’ रखी गई है। इसी थीम को केंद्र में रखते हुए कार्यक्रम के दौरान लोगों को नियमित योगाभ्यास के माध्यम से स्वस्थ, सक्रिय और संतुलित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से योग कर स्वास्थ्य और मानसिक शांति का संदेश दिया। योगाभ्यास शुरू होने से पूर्व राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि योग भारतीय संस्कृति और जीवन पद्धति की अमूल्य धरोहर है। सदियों से योग मानव जीवन को शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाने का कार्य करता रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते तनाव, भागदौड़ और मानसिक दबाव के बीच योग लोगों को मानसिक संतुलन बनाए रखने तथा सकारात्मक जीवन दृष्टिकोण विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री ने सभी प्रतिभागियों को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नियमित योगाभ्यास से शरीर स्वस्थ रहता है, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और मन को शांति मिलती है। उन्होंने लोगों से योग को केवल एक दिवस तक सीमित न रखकर अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने की अपील की। कार्यक्रम में उपस्थित अन्य गणमान्य अतिथियों ने भी योग के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में बढ़ता स्क्रीन टाइम और बदलती जीवनशैली लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही है। ऐसे समय में योग शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने का सबसे प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। योग न केवल शरीर को लचीला और स्वस्थ बनाता है, बल्कि व्यक्ति को अनुशासित जीवन जीने की प्रेरणा देता है तथा आत्मविश्वास बढ़ाने में भी सहायक होता है। इस अवसर पर योगासन के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। अतिथियों ने उन्हें प्रशस्ति-पत्र और स्मृति चिह्न प्रदान कर उनकी उपलब्धियों की सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि इन खिलाड़ियों की सफलता युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है और इससे अधिक से अधिक युवाओं को योग एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होने की प्रेरणा मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान सामूहिक योगाभ्यास का भी आयोजन किया गया। प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासन और प्राणायाम का अभ्यास किया। योग सत्र में शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन, अनुशासन और सकारात्मक जीवनशैली के महत्व पर विशेष जोर दिया गया। प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह और एकाग्रता के साथ योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, रांची के विधायक सी.पी. सिंह, स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार, रांची विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सरोज शर्मा सहित कई गणमान्य अतिथि, प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षाविद् और समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

एक नजर

झारखंड के 10 जिलों में बारिश, वज्रपात और तेज हवा की चेतावनी, 26 जून तक येलो अलर्ट जारी

रांची। झारखंड में मानसूनी गतिविधियों के प्रभाव से मौसम का मिजाज बदलने वाला है। मौसम विभाग ने सोमवार को राज्य के 10 जिलों में गर्जन के साथ बारिश, आकाशीय बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की संभावना जताई है। इन क्षेत्रों में 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। संभावित खराब मौसम को देखते हुए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार रांची, खूंटी, रामगढ़, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, बोकारो, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां जिलों में गर्जन के साथ वर्षा होने की संभावना है। इन जिलों में कहीं-कहीं आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका व्यक्त की गई है। विभाग ने बताया कि राज्यभर में 26 जून तक बारिश और वज्रपात की संभावना को देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान कई जिलों में मौसम में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। विशेष रूप से खुले स्थानों पर रहने वाले लोगों, किसानों तथा बाहरी गतिविधियों में शामिल लोगों को मौसम संबंधी चेतावनियों का पालन करने की सलाह दी गई है। पिछले 24 घंटों के मौसम का विवरण जारी करते हुए विभाग ने बताया कि राज्य में सबसे अधिक तापमान सरायकेला में 39 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं सबसे कम तापमान राजधानी रांची के नामकुम क्षेत्र में 21.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। राजधानी रांची और आसपास के इलाकों में रविवार को सुबह से ही आंशिक रूप से बादल छाए रहे। दिनभर उमस भरा मौसम बना रहा, जबकि दोपहर बाद कुछ क्षेत्रों में हल्की बारिश दर्ज की गई, जिससे लोगों को गर्मी से आंशिक राहत मिली। रविवार को रांची का अधिकतम तापमान 35.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 22.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम तापमान 38.4 डिग्री तथा न्यूनतम 25.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इसी प्रकार डाल्टनगंज में अधिकतम तापमान 38.6 डिग्री और न्यूनतम 28.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बोकारो में अधिकतम तापमान 37.1 डिग्री और न्यूनतम 27.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि चाईबासा में अधिकतम तापमान 37.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, आगामी दिनों में राज्य के विभिन्न हिस्सों में बादल छाए रहने, रुक-रुक कर बारिश होने और तापमान में मामूली गिरावट आने की संभावना है। वर्षा की गतिविधियों में बढ़ोतरी से लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है, वहीं कृषि कार्यों के लिए भी यह मौसम अनुकूल माना जा रहा है। हालांकि वज्रपात और तेज हवाओं को देखते हुए लोगों को सतर्कता बरतने की आवश्यकता है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर मुरहू में योगाभ्यास कार्यक्रम, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का दिया गया संदेश

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

खूंटी। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को लक्ष्मी नारायण उच्च विद्यालय, मुरहू तथा एकल अभियान कोड़ाकेल, मुरहू के संयुक्त तत्वावधान में भव्य योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं ग्रामीणों के बीच योग के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा उन्हें स्वस्थ और अनुशासित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय परिसर में सामूहिक प्रार्थना के साथ हुई। आयोजन की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रमोद सिंह एवं एकल अभियान मुरहू के योग प्रशिक्षक डॉ. डी.एन. तिवारी ने संयुक्त रूप से की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एकल अभियान खूंटी के उपाध्यक्ष मनोज कुमार, महेश चौधरी सहित विद्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। योग दिवस कार्यक्रम में विद्यालय के 400 से अधिक विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों तथा एकल विद्यालय के आचार्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता ने योग के प्रति बढ़ती जागरूकता और रुचि को दर्शाया। पूरे परिसर में सकारात्मक ऊर्जा और उत्साह का वातावरण देखने को मिला। योग सत्र के दौरान प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया गया। योग प्रशिक्षक डॉ. डी.एन. तिवारी के मार्गदर्शन में सूक्ष्म व्यायाम से शुरूआत करते हुए ताड़ासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन, वज्रासन और भुजंगासन जैसे महत्वपूर्ण योगासनों का अभ्यास कराया गया। इसके साथ ही अनुलोम-विलोम, कपालभाति और भ्रामरी जैसे प्राणायाम भी कराए गए, जिनसे शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को होने वाले लाभों की जानकारी दी गई। डॉ. तिवारी ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नियमित योगाभ्यास से शरीर स्वस्थ और ऊर्जावान बना रहता है। योग मानसिक तनाव को कम करने, एकाग्रता बढ़ाने तथा जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में योग को दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाना समय की आवश्यकता है। विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रमोद सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि योग भारत की प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर है, जिसने पूरे विश्व में अपनी विशेष पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवन के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ उनमें अनुशासन, आत्मविश्वास और अच्छे संस्कार विकसित करने में भी सहायक होते हैं। मुख्य अतिथि मनोज कुमार ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ भारतीय योग परंपरा का प्रचार-प्रसार गांव-गांव तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ, संतुलित और सकारात्मक जीवन जीने की एक संपूर्ण पद्धति है। यदि समाज का प्रत्येक व्यक्ति नियमित योगाभ्यास को अपनाए, तो एक स्वस्थ, जागरूक और सशक्त समाज का निर्माण संभव है। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने नियमित रूप से योग करने और अपने परिवार तथा समाज के अन्य लोगों को भी योग के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया। आयोजन के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली, शारीरिक फिटनेस और मानसिक संतुलन का संदेश प्रभावी ढंग से लोगों तक पहुंचाया गया।

योग को जीवन शैली का हिस्सा बनाएं : उपायुक्त

खूंटी। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को जिला आयुष समिति, खूंटी के तत्वावधान में एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम, खूंटी में जिला स्तरीय योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त मो जावेद हुसैन, पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग, उप विकास आयुक्त प्रवीण कुमार प्रकाश, वन प्रमंडल पदाधिकारी दिलीप कुमार यादव, अनुमंडल पदाधिकारी श्रीमती दीपेश कुमारी, सिविल सर्जन डॉ. ललित रंजन पाठक, प्रभारी पदाधिकारी गोपनीय शाखा प्रमोद राम सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों, कर्मियों, पुलिस जवानों, स्कूली बच्चों, प्रशिक्षकों, खिलाड़ियों एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त मो० जावेद हुसैन एवं पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। जिला आयुष पदाधिकारी डॉ चंद्र शेखर प्रसाद द्वारा अतिथियों पौधा देकर स्वागत किया गया। इसके बाद योग गुरु उपेंद्र नारायण सिंह के मार्गदर्शन में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने सामूहिक योगाभ्यास किया। योग सत्र के दौरान ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन, त्रिकोणासन, वज्रासन, शवासन सहित विभिन्न योगासनों एवं अनुलोम-विलोम, कपालभाति तथा भ्रामरी प्राणायाम का अभ्यास कराया गया। साथ ही नियमित योगाभ्यास के लाभों एवं स्वस्थ जीवनशैली में इसकी भूमिका की जानकारी भी दी गई। इस अवसर पर उपायुक्त मो जावेद हुसैन ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि योग भारत की प्राचीन एवं अमूल्य विरासत है, जो स्वस्थ शरीर, शांत मन एवं संतुलित जीवन का आधार है। उन्होंने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाना अत्यंत आवश्यक है। नियमित योगाभ्यास से मधुमेह, जोड़ों के दर्द, हृदय रोग सहित अनेक जीवनशैली जनित बीमारियों से बचाव में सहायता मिलती है। योग शरीर को स्वस्थ, मन को एकाग्र एवं जीवन को सकारात्मक बनाता है। उन्होंने कहा कि योग सभी आयु वर्ग के लोगों में ऊर्जा, उत्साह एवं आत्मविश्वास का संचार करता है। उपायुक्त ने जिलेवासियों से नियमित योगाभ्यास करने तथा अपने परिवार एवं समाज को भी योग के प्रति प्रेरित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वस्थ व्यक्ति, स्वस्थ परिवार और स्वस्थ समाज के निर्माण में योग की महत्वपूर्ण भूमिका है। ? कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त की ओर से राज्य सरकार के नशा मुक्त झारखंड अभियान के तहत निषिद्ध मादक पदार्थों के सेवन, तस्करी एवं इनके दुष्प्रभावों के प्रति जनसामान्य को जागरूक किया गया। साथ ही उपस्थित सभी लोगों को नशा मुक्त समाज के निर्माण एवं नशे के विरुद्ध जनजागरूकता फैलाने की शपथ दिलाई गई।

बिरसा कॉलेज में मनाया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

खूंटी। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एनएसएस के तत्वावधान में रविवार को बिरसा कॉलेज खूंटी में योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने सामूहिक रूप से योगाभ्यास किया तथा योग के महत्व और इसके शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभावों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सी. के. भगत ने योग को स्वस्थ एवं संतुलित जीवन का आधार बताते हुए सभी को नियमित रूप से योग करने के लिए प्रेरित किया। एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. जया कच्छप ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए कहा कि योग न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है बल्कि मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा भी प्रदान करता है। इस अवसर पर राजकुमार गुप्ता, डॉ. अभिषेक कुमार, डॉ. काली मुंडू, डॉ. सुशील रंजन, डॉ. रेशमा रेनी टोपनो, डॉ. शीला गुप्ता, डॉ. सिजरेन सुरिन, डॉ. प्रियंका कुमारी, डॉ. सुनीता टोप्पो, श्री कृष्णा ठाकुर, विजय प्रधान, प्रकाश प्रमाणिक एवं नागेंद्र राम सहित महाविद्यालय के शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। अंत में सभी ने योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया।

कुख्यात उग्रवादी श्रवण गिरफ्तार, फरार होने की कोशिश में पुलिस की गोली से घायल

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

खूंटी। झारखंड के खूंटी जिले में उग्रवाद विरोधी अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) के एरिया कमांडर श्रवण दास को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके पास से अवैध हथियार, कारतूस, संगठन से जुड़े दस्तावेज, प्रचार सामग्री और अन्य आपत्तिजनक सामान बरामद किए गए हैं।

पुलिस के अनुसार, हथियारों की बरामदगी के लिए ले जाने के दौरान उसने भागने का प्रयास किया और पुलिस दल पर फायरिंग कर दी, जिसके बाद हुई जवाबी कार्रवाई में वह घायल हो गया। वर्तमान में उसका इलाज रांची के रिम्स अस्पताल में चल रहा है।

खूंटी के पुलिस अधीक्षक (एसपी) ऋषभ गर्ग ने रविवार को जरियागढ़ थाना क्षेत्र के इंदवन में आयोजित प्रेस वार्ता में पूरी कार्रवाई की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि पीएलएफआई का सक्रिय सदस्य श्रवण दास अपने कुछ सहयोगियों के साथ क्षेत्र में किसी बड़ी उग्रवादी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने विशेष छापेमारी दल का गठन किया और संभावित ठिकानों पर निगरानी बढ़ा दी।

एसपी ने बताया कि तकनीकी और मानवीय सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से घेराबंदी कर श्रवण दास और उसके साथियों को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से हथियार और कारतूस बरामद किए गए। प्रारंभिक पूछताछ में श्रवण दास ने स्वीकार किया कि उसने संगठन के उपयोग के लिए कुछ अतिरिक्त हथियार और गोला-बारूद विभिन्न स्थानों पर छिपाकर रखे हैं।

इसके बाद पुलिस टीम उसे उसकी निशानदेही पर हथियारों की बरामदगी के लिए जरियागढ़ थाना क्षेत्र के इंदवन जंगल लेकर गई। वहां से छिपाकर रखे गए हथियारों और अन्य सामग्री को बरामद किया गया। इसी दौरान श्रवण दास ने मौके का फायदा उठाकर पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश की। पुलिस के अनुसार भागने के क्रम में उसने एक सब-इंस्पेक्टर की सरकारी पिस्तौल छीन ली और पुलिस दल पर गोली चला दी।

अचानक हुई इस घटना से वहां तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई। पुलिस ने पहले उसे आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, लेकिन उसके नहीं मानने और लगातार खतरा पैदा करने पर आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी। इस दौरान श्रवण दास के पैर में गोली लगी, जिससे वह घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। पुलिस टीम ने तत्काल उसे अपने कब्जे में लेकर प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया और बाद में बेहतर चिकित्सा सुविधा के लिए रांची स्थित राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) भेज दिया।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस अभियान के दौरान कुल चार छोटे हथियार और 29 कारतूस बरामद किए गए हैं। बरामद कारतूसों में पिस्तौल और देसी कट्टे में इस्तेमाल होने वाली गोलियां शामिल हैं। इसके अतिरिक्त पीएलएफआई संगठन से जुड़े पर्चे, प्रचार सामग्री और एक महत्वपूर्ण डायरी भी जब्त की गई है। पुलिस का मानना है कि बरामद दस्तावेज संगठन के नेटवर्क, वित्तीय गतिविधियों, लेवी वसूली तंत्र और सक्रिय सदस्यों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध करा सकते हैं।

एसपी ऋषभ गर्ग ने कहा कि श्रवण दास लंबे समय से खूंटी और आसपास के जिलों में सक्रिय था तथा संगठन की गतिविधियों को संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा था। उसके खिलाफ विभिन्न थानों में कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह लेवी वसूली, ठेकेदारों को धमकाने, विकास कार्यों में बाधा उत्पन्न करने और क्षेत्र में दहशत फैलाने जैसी गतिविधियों में शामिल रहा है।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, हाल के दिनों में उसने कर्रा थाना क्षेत्र में रेलवे निर्माण कार्य से जुड़े एक परियोजना स्थल पर फायरिंग की थी और वहां खड़ी कई मशीनों एवं वाहनों में आग लगा दी थी। इसके अलावा तोरपा क्षेत्र में एक गैस गोदाम पर गोलीबारी तथा सुंदारी क्षेत्र में निमार्णाधीन पुल परियोजना से जुड़े ठेकेदारों से लेवी मांगने की घटनाओं में भी उसकी संलिप्तता सामने आई है। इन घटनाओं के कारण विकास कार्य प्रभावित हुए थे और स्थानीय लोगों में भय का माहौल उत्पन्न हुआ था।

एसपी ने कहा कि श्रवण दास की गिरफ्तारी पीएलएफआई के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे संगठन की गतिविधियों को बड़ा झटका लगेगा और क्षेत्र में शांति एवं विकास कार्यों को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि झारखंड पुलिस उग्रवाद के खिलाफ लगातार अभियान चला रही है और किसी भी उग्रवादी संगठन को कानून-व्यवस्था के लिए चुनौती बनने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि पुलिस संगठन से जुड़े अन्य सक्रिय सदस्यों और सहयोगियों की पहचान करने में जुटी है। बरामद दस्तावेजों और डायरी के आधार पर कई महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आने की उम्मीद है, जिसके बाद आगे भी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने उग्रवादी गतिविधियों में शामिल युवाओं और अन्य लोगों से हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में लौटने की अपील की।

मंझला चुम्बा में श्री रामचरित मानस महायज्ञ के दूसरे दिन, वेदी पूजन, अन्नाधिवास एवं कथा प्रवचन रहा आकर्षण का केंद्र

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

गिद्दी। मंझला चुम्बा में आयोजित पंच दिवसीय श्री श्री 1008 श्री रामचरित मानस महायज्ञ सह हनुमंत प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ के दूसरे दिन रविवार को श्रद्धा, भक्ति एवं वैदिक अनुष्ठानों के बीच संपन्न हुआ। 20 जून से 24 जून तक आयोजित इस भव्य धार्मिक आयोजन में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेकर धर्म लाभ अर्जित कर रहे हैं। यज्ञ पूजा समिति के तत्वावधान में आयोजित महायज्ञ में प्रतिष्ठित संतों एवं विद्वान आचार्यों के सान्निध्य में वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान, हवन-पूजन एवं कथा प्रवचन का आयोजन किया जा रहा है। महायज्ञ के प्रथम दिवस शनिवार की रात्रि में श्रीधाम वृंदावन के पूज्य पंडित कुंज बिहारी शुक्ल महाराज द्वारा श्रीराम कथा का वाचन एवं प्रवचन किया गया। अपने ओजस्वी प्रवचन में उन्होंने भगवान श्रीराम के आदर्श चरित्र, धर्म, मयार्दा एवं भक्ति के महत्व पर प्रकाश डालते हुए श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक संदेश दिया। कथा श्रवण के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु देर रात तक उपस्थित रहे। रविवार को आयोजित कार्यक्रमों के तहत वेदी पूजन, अन्नाधिवास, फलाधिवास तथा महाआरती संपन्न होगी। वहीं रात्रि में श्रद्धालुओं के लिए पुनः भव्य कथा प्रवचन का आयोजन किया जाएगा। समिति ने क्षेत्र के श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर यज्ञ, कथा एवं धार्मिक अनुष्ठानों का लाभ उठाने की अपील की है। महायज्ञ में आचार्य पंकज मिश्रा महाराज, आचार्य मुकेश भारद्वाज महाराज, आचार्य अश्विनी शुक्ला महाराज, आचार्य सुमित दुबे, आचार्य अमन पाठक, प्रदीप, मनोज, कन्हैया, रवि मिश्रा, शास्त्री सुधांशु त्रिवेदी, आचार्य चौबे, रामलखन, कृष्णा तिवारी तथा आचार्य दीपक पाठक सहित अनेक विद्वान आचार्य वैदिक मंत्रोच्चार एवं धार्मिक अनुष्ठानों का संचालन कर रहे हैं। महायज्ञ के सफल संचालन में यज्ञ समिति के अध्यक्ष तोकेश सिंह, सचिव देव पूजन सिंह, कोषाध्यक्ष राजेश प्रजापति, संरक्षक कुणाल सिंह, उपाध्यक्ष विकास प्रजापति, धनराज सिंह एवं सूचित चौरसिया, सहसचिव सत्यम कुमार साव, उपकोषाध्यक्ष नागेंद्र सिंह, महासचिव बबलू साव सहित समिति के सभी सदस्यों की सक्रिय एवं सराहनीय भूमिका रही है। समिति द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थाओं का सुचारु संचालन किया जा रहा है।

श्योर सक्सेस कोचिंग सेंटर में मनाया गया फादर्स डे

खूंटी। श्योर सक्सेस कोचिंग सेंटर, मुरहू में रविवार को फादर्स डे धूमधाम से केक काटकर मनाया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने पेंटिंग, कविता, निबंध एवं ग्रीटिंग्स के माध्यम से ईश्वर की अनमोल कृतियों में एक पिता के महत्व को बताया। संस्थान के निदेशक सकलदीप भगत ने छात्र-छात्राओं को अपने संबोधन में पिता के तौर पर अपने निजी अनुभव से पिता के त्याग और उनके तकलीफों से अवगत कराया। पिता परिवार की मजबूत नींव होते हैं, जिनका प्यार, त्याग और मार्गदर्शन बच्चों के जीवन को आकार देता है । वे हर परिस्थिति में ढाल बनकर खड़े रहते है वे हमें न सिर्फ शिक्षा, नैतिक मूल्यों और संस्कृति की महत्ता समझाते हैं, बल्कि हमें अपने सपनों की पूर्ति के लिए प्रेरित भी करते हैं। पिता परिवार की रीढ़ होते हैं। पिता, दुनिया में सबसे महत्वपूर्ण होते हैं। उन्होंने छात्र छात्राओं से कहा अपने माता-पिता का सम्मान एवं उनका ख्याल रखना हमारा नैतिक कर्तव्य है इसका निर्वहन निष्ठा पूर्वक करें। कार्यक्रम में रचना, श्रेया, अंजलि,विनीता,अभय एवं आलेख ने बेहतर ग्रीटिंग के माध्यम से पिता का महत्व बताया।

योग दिवस पर सिविल कोर्ट सहित चार स्थानों पर हुआ योगाभ्यास

खूंटी। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को सिविल कोर्ट, खूंटी में योग सत्र का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रसिकेश कुमार के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में न्यायालय परिसर में आयोजित किया गया, जिसमें सिविल कोर्ट के सभी न्यायिक पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा), रांची के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डीएलएसए), खूंटी के तत्वावधान में योग दिवस का आयोजन एक साथ चार स्थानों पर किया गया। सिविल कोर्ट परिसर के अलावा उप-कारा, सहयोग ग्राम (बाल देखरेख संस्थान) हुटार तथा वृद्धाश्रम पिपराटोली में भी योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित हुआ। उप-कारा के बंदियों, सहयोग ग्राम में निवासरत बालकों तथा वृद्धाश्रम के वरिष्ठ नागरिकों ने भी योग सत्र में हिस्सा लिया। तीनों स्थलों को झालसा की ओर से उपलब्ध कराए गए लिंक के माध्यम से वर्चुअल रूप से जोड़ा गया था। इस सत्र का सीधा प्रसारण किया गया।

हजारीबाग के चौपारण में जीटी रोड पर पुलिस की बड़ी सर्जिकल स्ट्राइक, 1.550 किलो अफीम और 7 लाख कैश के साथ तीन अंतर्राज्यीय तस्कर गिरफ्तार

राजस्थान के जोधपुर और बालोतरा से जुड़े हैं अफीम तस्करी के तार, चतरा मोड़ के पास घेराबंदी कर पुलिस ने दबोचा, मुख्य सरगना अरविंद फरार

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। जिला पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस अधीक्षक को मिली बेहद सटीक और गुप्त सूचना के आधार पर चौपारण थाना क्षेत्र में जीटी रोड पर एनडीपीएस एक्ट के तहत एक बड़ी और योजनाबद्ध कार्रवाई को अंजाम दिया गया। इस हाई-प्रोफाइल छापेमारी में पुलिस ने मौके से करीब 1.550 किलोग्राम अवैध अफीम, 7 लाख रुपये नगद, एक सफेद रंग की बोलेरो गाड़ी और एक अपाची मोटरसाइकिल बरामद की है। मामले में पुलिस ने तीन शातिर तस्करों को रंगे हाथ गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है, जबकि पुलिस को चकमा देकर भागा एक मुख्य आरोपी अब भी कानून की रडार पर है।

गुप्त इनपुट पर एक्टिव हुई पुलिस, चतरा मोड़ के पास बिछाया गया जाल

इस पूरी बड़ी कार्रवाई की पटकथा 20 जून 2026 की शाम को लिखी गई, जब हजारीबाग के पुलिस अधीक्षक को एक विश्वसनीय सूत्र से पुख्ता जानकारी मिली कि बरही की तरफ से कुछ बड़े अफीम तस्कर चौपारण इलाके में अफीम की एक बड़ी खेप की खरीद-बिक्री करने के उद्देश्य से आने वाले हैं। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए एसपी ने बिना वक्त गंवाए त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद पुलिस उपाधीक्षक (सीसीआर) अरमानुल हक के नेतृत्व में एक विशेष और जांबाज छापेमारी टीम का गठन किया गया। इस स्पेशल टीम ने तुरंत एक्शन मोड में आते हुए चौपारण थाना क्षेत्र के चतरा मोड़ से आगे लोहावर स्थान के पास नाकेबंदी कर सघन वाहन चेकिंग अभियान शुरू कर दिया।

भागने की नाकाम कोशिश और बोलेरो की सीट से बरामद हुआ भारी कैश

चेकिंग के दौरान करीब शाम 6 बजकर 35 मिनट पर बरही की ओर से तेज रफ्तार में आ रही एक सफेद रंग की बोलेरो गाड़ी पुलिस टीम को दिखाई दी। संदेहास्पद स्थिति को देखते हुए जब पुलिस बल ने उसे रुकने का इशारा किया, तो बोलेरो के चालक ने चालाकी दिखाते हुए गाड़ी को मौके से घुमाकर भागने का पुरजोर प्रयास किया। हालांकि, पहले से ही मुस्तैद और चारों तरफ फैली पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए गाड़ी को चारों तरफ से घेर लिया और उसमें बैठे दो संदिग्धों को दबोच लिया। पकड़े गए तस्करों की पहचान राजस्थान के जोधपुर जिले के आगोलाई थाना अंतर्गत तोलेसर निवासी पुना राम (40 वर्ष) और बालोतरा जिले के बालोतरा थाना अंतर्गत डोली निवासी रामलाल (45 वर्ष) के रूप में की गई। जब पुलिस टीम ने बोलेरो की सघन तलाशी ली, तो बीच वाली सीट के नीचे से प्लास्टिक में लपेटकर रखे गए 5-5 सौ रुपये के कुल 14 बंडल, यानी पूरे 7 लाख रुपये नगद बरामद किए गए।

कड़ाई से पूछताछ में खुला राज, अहरी गांव में आधी रात को हुई छापेमारी

पुलिस की गिरफ्त में आने के बाद जब दोनों तस्करों से इतनी बड़ी नगद राशि के संबंध में कड़ाई से पूछताछ की गई, तो उन्होंने अफीम के इस काले कारोबार के पूरे नेटवर्क का खुलासा कर दिया। तस्करों ने स्वीकार किया कि वे राजस्थान से यह 7 लाख रुपये की भारी रकम लेकर चौपारण के अहरी गांव निवासी अरविन्द कुमार से अफीम की खेप खरीदने के लिए आए थे। इस चौंकाने वाले खुलासे के बाद डीएसपी सीसीआर के नेतृत्व में टीम ने बिना कोई देर किए रात में ही अहरी गांव में चिन्हित ठिकाने पर धावा बोल दिया। पुलिस ने वहाँ राहुल कुमार खरवार (पिता रामचंद्र सिंह) के घर पर छापेमारी की, जहाँ से काले रंग के अलग-अलग प्लास्टिक में छिपाकर रखी गई कुल 1.550 किलोग्राम अवैध अफीम बरामद की गई।

मुख्य सरगना अरविंद फरार, पुलिस महकमे की टीम को मिल रही वाहवाही

इस पूरी छापेमारी के दौरान राहुल कुमार खरवार को तो मौके से गिरफ्तार कर लिया गया, लेकिन इस रैकेट का मुख्य सूत्रधार और सरगना अरविन्द कुमार अंधेरे और पुलिस की भनक पाकर अपने घर से भागने में सफल रहा। हालांकि, पुलिस ने मौके से उसकी अपाची मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया है। इस पूरे मामले को लेकर चौपारण थाना में कांड संख्या-157/26 दर्ज किया गया है, जिसमें एनडीपीएस एक्ट की विभिन्न सुसंगत धाराओं के तहत आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस शानदार और सफल ऑपरेशन को अंजाम देने वाली टीम में चौपारण थाना प्रभारी पंकज कुमार, सब-इंस्पेक्टर सुबेन्द्र राम, श्रवण कुमार पासवान, असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर बादल कुमार महतो सहित चौपारण थाने का सशस्त्र बल शामिल था, जिनकी इस बड़ी कामयाबी के लिए जिला स्तर पर सराहना हो रही है।

एक नजर

तलसवार विद्यालय में उत्साह के साथ मनाया गया 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

बड़कागांव। बड़कागांव प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय, तलसवार में 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी मुकेश गोस्वामी ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को विभिन्न योगासनों का अभ्यास कराया। कार्यक्रम के दौरान वज्रासन, सूर्य नमस्कार, अर्ध सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, भुजंगासन, कपालभाति, अनुलोम-विलोम एवं ध्यान (मेडिटेशन) का अभ्यास कराया गया।मुकेश गोस्वामी ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ योग करना भी आवश्यक है। योग से शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य मजबूत होता है तथा स्वस्थ जीवनशैली बनाए रखने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है।योगाभ्यास कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर शिक्षक मनोज राम, तुलेश्वर कुमार, बिरेंद्र कुमार,भोला नाथ कुशवाहा, आलोमणि एक्का, विमल प्रसाद, उषा राणा तथा विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष जितेंद्र कुमार साव समेत कई लोग उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर बड़कागांव थाना परिसर में सामूहिक योगाभ्यास, स्वस्थ जीवन का दिया संदेश

बड़कागांव। बड़कागांव अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को बड़कागांव थाना परिसर में भव्य योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस पदाधिकारियों, जवानों, पत्रकार बंधुओं एवं अन्य उपस्थित लोगों ने सामूहिक रूप से योगाभ्यास कर स्वस्थ एवं निरोग जीवन का संदेश दिया। कार्यक्रम की शुरूआत योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में विभिन्न योगासनों एवं प्राणायाम के अभ्यास से हुई। उपस्थित लोगों ने उत्साहपूर्वक योग कर शरीर एवं मन को स्वस्थ रखने का संकल्प लिया। इस दौरान नियमित योग के महत्व पर भी विस्तार से चर्चा की गई। थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान भागदौड़ भरी जीवनशैली में योग को दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाना समय की आवश्यकता है। योग तनावमुक्त जीवन के साथ-साथ सकारात्मक ऊर्जा का भी संचार करता है। कार्यक्रम में शामिल पत्रकार बंधुओं एवं उपस्थित लोगों ने भी योग के महत्व को समझते हुए नियमित रूप से योग करने का संकल्प लिया। थाना परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से समाज को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने तथा योग को अपनाने का संदेश दिया गया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम ने स्वास्थ्य, अनुशासन एवं सामाजिक जागरूकता का संदेश देते हुए लोगों को योग के प्रति प्रेरित किया।

सीएचपी प्रणाली से प्रवाहित हुआ कोयला, एनएमएल केरेडारी ने हासिल की महत्वपूर्ण उपलब्धि

केरेडारी। एनएमएल केरेडारी कोयला खनन परियोजना ने कोयला हैंडलिंग अवसंरचना के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए अपने कोल हैंडलिंग प्लांट (सीएचपी) एवं कैंटिलीवर कन्वेयर प्रणाली का सफल लोड ट्रायल संपन्न किया। यह ट्रायल परियोजना प्रमुख अरुण कुमार सक्सेना के दूरदर्शी नेतृत्व में संपन्न हुआ, जो परियोजना के एकीकृत कोयला हैंडलिंग तंत्र के पूर्ण संचालन की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। ट्रायल के दौरान डंप हॉपर से सर्ज हॉपर तक नवस्थापित कन्वेयर नेटवर्क के माध्यम से कोयले का सफल प्रवाह स्थापित किया गया। साथ ही सिम्प्लिसिटी कैंटिलीवर कोल डिस्चार्ज सिस्टम को भी सफलतापूर्वक संचालित किया गया। विशेष उपलब्धि यह रही कि पहली बार एकीकृत सीएचपी प्रणाली के माध्यम से कोयले की फीडिंग एवं क्रशिंग सफलतापूर्वक की गई। यह सफलता परियोजना, संचालन तथा अनुरक्षण टीमों के समन्वित प्रयासों का परिणाम है, जिससे परियोजना अब पूर्ण कमीशनिंग और बढ़ी हुई उत्पादन क्षमता की ओर अग्रसर हो गई है।

एनएमएल केरेडारी में उत्साहपूर्वक मनाया गया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

केरेडारी। एनएमएल केरेडारी कोयला खनन परियोजना में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 उत्साह व उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन परियोजना प्रमुख अरुण कुमार सक्सेना के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर संस्कृति महिला समिति की उपाध्यक्ष मीनाक्षी सक्सेना भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। योग सत्र का संचालन महिला पतंजलि योग समिति की राज्य कार्यकारिणी सदस्य शीला सिंह ने किया। उन्होंने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया तथा नियमित योग के लाभों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि योग तनाव को कम करने, शारीरिक लचीलापन बढ़ाने, मानसिक एकाग्रता विकसित करने और संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का प्रभावी माध्यम है।

एनएमएल बादम कोयला खनन परियोजना में उत्साहपूर्वक मनाया गया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

बड़कागांव। बड़कागांव एनएमएल बादम कोयला खनन परियोजना में शनिवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 बड़े उत्साह, उमंग एवं कर्मचारियों की सक्रिय सहभागिता के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन परियोजना परिसर में किया गया, जिसमें अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विभागाध्यक्षों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।कार्यक्रम का नेतृत्व परियोजना प्रमुख (बादम) श्री के. चंद्रशेखर ने किया। इस अवसर पर एजीएम (माइनिंग) श्री सीताराम माझी, एचओडी (एचआर) श्री वाई. देवाशीष सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे। योग सत्र का संचालन अनुभवी योग प्रशिक्षक सुश्री मुस्कान राणा द्वारा किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासनों, स्ट्रेचिंग अभ्यासों एवं प्राणायाम की विधियों का अभ्यास कराया। योग प्रशिक्षक ने बताया कि नियमित योगाभ्यास से न केवल शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होता है, बल्कि मानसिक तनाव भी कम होता है तथा कार्यक्षमता में वृद्धि होती है। कार्यक्रम के दौरान कर्मचारियों ने पूरे उत्साह एवं अनुशासन के साथ योग सत्र में भाग लिया। विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान अभ्यास के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर सेन्ट्रल जेल सहित कई स्थानों पर 'दि आर्ट ऑफ लिविंग' ने कराया योगाभ्यास

कैदियों, वृद्धों और बच्चों ने सीखे सेहत के गुर; काराधीक्षक चंद्रशेखर प्रसाद सुमन समेत कई अधिकारियों और वॉलंटियर्स का रहा सराहनीय सहयोग

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के गौरवमयी अवसर पर 21 जून को हजारीबाग के विभिन्न महत्वपूर्ण संस्थानों में बड़े पैमाने पर योग शिविरों का आयोजन किया गया। कारा निरीक्षणालय, जिला विधिक सेवा प्राधिकार हजारीबाग और 'दि आर्ट ऑफ लिविंग' के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम के तहत सामान्य योगा प्रोटोकॉल का विधिवत अभ्यास कराया गया। इस अभियान के तहत समाज के मुख्य हिस्से के साथ-साथ जेल के बंदियों, सुधार गृह के बच्चों और वृद्धाश्रम के बुजुर्गों तक योग के माध्यम से सकारात्मक ऊर्जा और अच्छी सेहत का संदेश पहुँचाया गया।

सेन्ट्रल जेल से लेकर वृद्धाश्रम तक गूंजा योग का मंत्र

इस महाअभियान के दौरान लोकनायक जय प्रकाश नारायण केन्द्रीय कारागार (सेन्ट्रल जेल), बाल सम्प्रेक्षण गृह, आत्मसमर्पित नक्सली बंदी कारा (ओपन जेल), स्थानीय वृद्धाश्रम और शहर के ऐतिहासिक कर्जन ग्राउंड जैसे प्रमुख स्थानों पर दि आर्ट ऑफ लिविंग संस्था के अनुभवी प्रशिक्षकों ने अपनी निःशुल्क सेवाएं प्रदान कीं। शिविरों में उपस्थित लोगों को विभिन्न प्रकार के प्राणायाम, ध्यान और योगासनों का अभ्यास कराया गया, जो तनाव को दूर करने, मानसिक शांति प्राप्त करने और शारीरिक व्याधियों से मुक्ति पाने में बेहद कारगर साबित होते हैं। सेन्ट्रल जेल के बंदियों ने भी इस 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस सत्र में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया।

सफल आयोजन में जेल प्रशासन और अधिकारियों ने झोंकी ताकत

इस व्यापक आयोजन को पूरी तरह सफल और अनुशासित बनाने में जय प्रकाश नारायण केन्द्रीय कारागार के काराधीक्षक चंद्रशेखर प्रसाद सुमन, कारापाल अंजय कुमार श्रीवास्तव, सुबोध कुमार, मनोज कुमार, प्रेम जी और सुनील कुमार ने प्रशासनिक स्तर पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं, ओपन जेल के प्रभारी कारापाल लुपेश्वर तिवारी, बड़ा बाबू रवि कुमार, कक्षपाल शशिभूषण प्रसाद, गृह रक्षक अजय यादव, शहनवाज अहमद और महिला गृह रक्षक कौशल्या कुमारी का भी सराहनीय योगदान रहा। इसके साथ ही सम्प्रेक्षण गृह के प्रभारी जय प्रकाश यादव, पारा चिकित्साकर्मी सोनी कुमारी गुप्ता, शिक्षक मनोज कुमार और हाउस कीपर विशाल कुमार ने भी व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने में पूरा सहयोग दिया।

दि आर्ट ऑफ लिविंग के प्रशिक्षकों और वॉलंटियर्स ने संभाली कमान

योगाभ्यास को धरातल पर उतारने और लोगों को सही तकनीक सिखाने में दि आर्ट ऑफ लिविंग के वरिष्ठ प्रशिक्षक प्रमोद कुमार सिन्हा, पूनम जायसवाल, पूनम कुमारी (बेबी दीदी), दिवीता चौरसिया, अर्पणा कुमारी और तारकेश्वर सोनी ने मुख्य भूमिका निभाई। इन प्रशिक्षकों के साथ कदम से कदम मिलाकर संस्था के समर्पित वॉलंटियर्स निशांत सोनी, मोहम्मद सद्दाम हुसैन, आकाश अग्रवाल, सृष्टि, गीता अग्रवाल, रेखा, तन्मय सोनी, कृष्णा अग्रवाल और कल्पना गोयल ने सभी केंद्रों पर व्यवस्था संभाली और सामूहिक प्रयासों से हजारीबाग में योग दिवस के इस आयोजन को बेहद भव्य और ऐतिहासिक बनाया।

मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने को लेकर बरही थाना में शांति समिति की बैठक संपन्न

बरही। आगामी मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं विधि-व्यवस्था के अनुरूप संपन्न कराने को लेकर रविवार को बरही थाना परिसर में शांति समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अंचल अधिकारी चंद्रशेखर कुणाल ने की, जबकि संचालन थाना प्रभारी बिनोद कुमार ने किया। बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकताओं, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों के साथ मोहर्रम पर्व के दौरान सुरक्षा, यातायात व्यवस्था, जुलूस मार्ग, साफ-सफाई, बिजली एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रशासनिक अधिकारियों ने सभी लोगों से पर्व को आपसी भाईचारे, शांति और सौहार्द के वातावरण में मनाने की अपील की। सीओ चंद्रशेखर कुणाल ने कहा कि मोहर्रम का पर्व सामाजिक एकता और अनुशासन का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और पर्व के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल प्रशासन को देने का आग्रह किया। थाना प्रभारी बिनोद कुमार ने कहा कि मोहर्रम जुलूस के दौरान निर्धारित मार्गों एवं प्रशासनिक दिशा-निर्देशों का पालन करना अनिवार्य होगा। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर भ्रामक या आपत्तिजनक पोस्ट साझा करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही सभी अखाड़ा समितियों एवं आयोजकों से प्रशासन का सहयोग करने की अपील की गई। बैठक में मौजूद जनप्रतिनिधियों एवं समाजसेवियों ने भी पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में प्रशासन को हरसंभव सहयोग देने का भरोसा दिलाया। सभी ने सांप्रदायिक सौहार्द और सामाजिक समरसता बनाए रखने पर जोर दिया। बैठक में जिला परिषद उपाध्यक्ष किशुन यादव, विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, 20 सूत्री अध्यक्ष इकबाल रजा, पूर्व जिला परिषद प्रतिनिधि मो. कयूम, भाजपा नेता सुरेंद्र रजक, राष्ट्रपति पुरस्कृत शिक्षक इशो सिंह, महासचिव महेंद्र दुबे, कृष्णा गुप्ता, अर्जुन साव, समाजसेवी पप्पू खान, मो. तस्लीम, कांग्रेस नेता मो. तौकीर रजा, पूर्व मुखिया मो. बेलाल, टेकलाल यादव, सुनील साहू, पंचायत समिति प्रतिनिधि मो. सागीर, तौहीद अली, तोखन रविदास, मो. इम्तियाज सहित विभिन्न अखाड़ा समितियों के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

वार्ड नंबर दो में बिजली व्यवस्था बदहाल, बांस के खंभों के सहारे बिजली उपयोग को मजबूर है लोग

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग नगर निगम क्षेत्र के वार्ड नंबर 02 अंतर्गत अलफलाह कॉलोनी, हनीफ कॉलोनी, अमन कॉलोनी, मिल्लत कॉलोनी एवं मंडईकला के कुछ इलाकों में बिजली की स्थिति बद से बदतर हो गई है। क्षेत्र के लोगों को लो-वोल्टेज, जर्जर तार, बिजली के खंभों की कमी और ओवरलोड ट्रांसफॉर्मर जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार अमन कॉलोनी और मंडईकला क्षेत्र में कई परिवार बांस का खंभा गाड़कर बिजली का उपयोग करने को मजबूर हैं। वहीं अहद कॉलोनी एवं रियाज गली मंडईकला कर्बला के सामने में 200 केवीए क्षमता वाले ट्रांसफॉर्मर पर करीब 300 से अधिक उपभोक्ताओं का भार होने से लगातार लो-वोल्टेज और आये दिन जर्जर तार गिरने की समस्या बनी रहती है। कम वोल्टेज के कारण लोगों के घरों में मोटर नहीं चल पाती है, जिससे पेयजल की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। कई परिवारों को दूर-दराज से साइकिल, मोटरसाइकिल और टोटो के माध्यम से पानी लाना पड़ता है, जबकि कुछ लोगों को पानी खरीदकर उपयोग करना पड़ रहा है। बताया गया कि कई घरों तक अब तक बिजली के पोल नहीं पहुंचे हैं।

मधु कुमारी बीपीएससी में कामयाब, पूरे किए परिवार के ख्वाब

राजस्व सेवा के लिए हुई चयनित, पत्रकार मिथिलेश मिश्र की बेटी बनेंगी सीओ

परिश्रम और समर्पण को बताया सफलता का मूलमंत्र

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग के हीराबाग की रहनेवाली बिहार के बक्सर स्थित सोनवर्षा गांव की मूल निवासी मधु कुमारी ने 70वीं बिहार लोक सेवा आयोग में कामयाब होकर परिवार का ख्वाब पूरा किया है। उन्होंने आत्मविश्वास, एकाग्रता, जज्बा, परिश्रम और समर्पण को सफलता का मूलमंत्र बताया। वह राजस्व सेवा में सीओ के पद पर चयनित हुई हैं। वह हिन्दुस्तान के पत्रकार सह प्रेस क्लब हजारीबाग के सचिव मिथिलेश मिश्र की सुपुत्री हैं। उनकी प्रारंभिक शिक्षा कार्मल स्कूल हजारीबाग से हुई। मधु कुमारी ने आईसीएसई बोर्ड से मैट्रिक की परीक्षा में एक्सेलेंट रिजल्ट देने के बाद संत जेवियर्स स्कूल हजारीबाग से 12वीं की परीक्षा में शानदार प्रदर्शन किया। फिर दिल्ली यूनिवर्सिटी से अर्थशास्त्र में फर्स्ट क्लास स्नातक की डिग्री हासिल करने के पश्चात सिविल सर्विसेज की तैयारी में लग गईं। प्रतिदिन पूरे मनोयोग से छह से सात घंटे पढ़ाई ने बीपीएससी क्रैक करने में सहयोग किया। बिना किसी कोचिंग के निरंतर तैयारियों में जुटी रहीं। पिता मिथिलेश मिश्र, माता मीरा देवी, बड़े पापा कमलेश्वर मिश्र, बड़ी मां रूबी देवी, भाई अमित मिश्रा, अनुज मिश्रा, आकाश अभिनव, बहन माधुरी, भाभी कृष्णा और परिवार के सभी सदस्यों ने सदैव मनोबल बढ़ाया। परिवार ने कभी बेटा-बेटी में अंतर नहीं समझा। साक्षात्कार में करेंट इवेंट इजरायल, ईरान, अमेरिका युद्ध पर अधिक सवाल फोकस किए गए। मधु कहतीं हैं कि उनका कॉन्सेप्ट हर विषय और टॉपिक पर क्लेयर था। कहीं से कोई परेशानी नहीं हुई। पीटी, मेंस और साक्षात्कार के नतीजे उनके पक्ष में होंगे, वह पहले से ही आश्वस्त थीं। अब उनका अगला लक्ष्य यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन में सफलता पाने की है। बेटी की कामयाबी पर चहुंओर खुशियां छाई हुई हैं।

हजारीबाग में कड़ी सुरक्षा के बीच शुरू हुई नीट परीक्षा, पूरे देश की निगाहें टिकीं

पेपर लीक के 'दाग' को धोने की बड़ी चुनौती; चप्पे-चप्पे पर पहरा, गहन चेकिंग के बाद ही सेंटरों में मिला परीक्षार्थियों को प्रवेश

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) का आयोजन रविवार को हजारीबाग के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और अभूतपूर्व चौकसी के बीच शुरू हो गया। सुबह की पहली किरण के साथ ही परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों और उनके अभिभावकों की भारी भीड़ जुटने लगी थी। इस बार परीक्षा को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए सुरक्षा के ऐसे पुख्ता इंतजाम किए गए हैं कि परिंदा भी पर न मार सके। केंद्रों के मुख्य द्वार पर ही परीक्षार्थियों की सघन जांच (मेटल डिटेक्टर और बायोमेट्रिक सत्यापन) की जा रही है, जिसके बाद ही उन्हें अंदर जाने की अनुमति मिल रही है।

हजारीबाग पर क्यों टिकी है पूरे देश की नजर? जानिए इसके पीछे की बड़ी वजह

इस बार नीट की इस री-एग्जाम परीक्षा को लेकर न सिर्फ झारखंड, बल्कि पूरे देश की निगाहें हजारीबाग पर टिकी हुई हैं। इसके पीछे की वजह दो साल पुराना वो काला इतिहास है, जिसने पूरे देश को हिलाकर रख दिया था। दरअसल, दो वर्ष पहले आयोजित नीट परीक्षा के दौरान देशव्यापी प्रश्नपत्र लीक मामले में हजारीबाग का नाम मुख्य केंद्र के रूप में सामने आया था। उस वक्त शहर के एक निजी स्कूल और उसके प्राचार्य (प्रिंसिपल) पर पेपर लीक कराने का गंभीर आरोप लगा था, जिसके बाद केंद्रीय जांच एजेंसियों की एंट्री हुई थी और हजारीबाग से दो लोगों की गिरफ्तारी भी की गई थी। इस बड़ी बदनामी के बाद हजारीबाग राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में आ गया था।

अतीत के 'दाग' से सबक: प्रशासन और परीक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर

उसी पुराने दाग और कड़वे अनुभव को देखते हुए इस बार जिला प्रशासन, पुलिस महकमा और परीक्षा एजेंसियां कोई रिस्क नहीं लेना चाहतीं। परीक्षा केंद्रों को पूरी तरह से छावनी में तब्दील कर दिया गया है। चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल की तैनाती है, सीसीटीवी कैमरों से लाइव निगरानी की जा रही है और जैमर व बायोमेट्रिक अटेंडेंस जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का सहारा लिया जा रहा है। खास बात यह है कि इस बार परीक्षा के सफल संचालन और व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने में स्थानीय युवाओं की टोली भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है, जो शहर की छवि को सुधारने की एक अच्छी पहल है।

व्यक्तिगत हमलों के खिलाफ एकजुट हुए पत्रकार, कहा गरिमा से समझौता नहीं

सर्वसम्मति से राजनीतिक दल के बहिष्कार का निर्णय

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

विष्णुगढ़। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ माने जाने वाले पत्रकारों के सम्मान और गरिमा पर कथित हमले के विरोध में विष्णुगढ़ के पत्रकारों ने एकजुटता का परिचय देते हुए एक राजनीतिक दल और उसके नेता के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। पत्रकारों के अनुसार, लंबे समय से मीडिया कर्मियों के प्रति अभद्र और अपमानजनक टिप्पणियां की जा रही थीं, लेकिन हाल ही में एक वरिष्ठ पत्रकार के दिवंगत पुत्र को लेकर सोशल मीडिया पर की गई कथित अमानवीय टिप्पणी ने पूरे पत्रकार समुदाय को झकझोर कर रख दिया। इस घटना के विरोध में आयोजित आपात बैठक में पत्रकारों ने सर्वसम्मति से संबंधित नेता एवं उनकी पार्टी का पूर्ण बहिष्कार करने का निर्णय लिया।

क्या है पूरा मामला?

कुछ दिन पूर्व एक राजनीतिक दल के नेता के विवादित ह्वाएनडीए फेंड़ियेह्व संबंधी बयान को लेकर विभिन्न समाचार माध्यमों में खबर प्रकाशित हुई थी। पत्रकारों का कहना है कि उक्त समाचार प्रकाशित होने के बाद संबंधित नेता बौखला गए और उन्होंने सोशल मीडिया मंच पर समाचार को टैग करते हुए खबर लिखने वाले पत्रकार पर व्यक्तिगत टिप्पणी करना शुरू कर दिया। आरोप है कि नेता ने अपनी प्रतिक्रिया में पत्रकार के निजी जीवन को निशाना बनाते हुए करीब डेढ़ वर्ष पूर्व सड़क दुर्घटना में हुई उनके पुत्र की असामयिक मृत्यु का उल्लेख किया। इतना ही नहीं, पोस्ट में ऐसी बातें लिखी गईं जिन्हें पत्रकार समुदाय ने न केवल असंवेदनशील बल्कि मानवीय मूल्यों के खिलाफ बताया। सोशल मीडिया पर की गई इस टिप्पणी के सामने आने के बाद पत्रकारों के बीच व्यापक आक्रोश फैल गया और मामले को लेकर गंभीर चर्चा शुरू हो गई।

पत्रकारों की आपात बैठक में व्यक्त हुआ आक्रोश

घटना के विरोध में विष्णुगढ़ प्रखंड के पत्रकारों की एक आपात बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपस्थित पत्रकारों ने कहा कि समाचारों की आलोचना करना, तथ्यों पर सवाल उठाना अथवा वैचारिक मतभेद रखना लोकतांत्रिक व्यवस्था का हिस्सा है, लेकिन किसी पत्रकार के परिवार, उसकी निजी पीड़ा या दिवंगत संतान को राजनीतिक प्रतिशोध का माध्यम बनाना किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं हो सकता। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि पत्रकार समाज का दर्पण होता है और जनहित से जुड़े मुद्दों को सामने लाना उसका दायित्व है। यदि किसी समाचार से असहमति है तो उसका जवाब तथ्यों और तर्कों से दिया जाना चाहिए, न कि व्यक्तिगत हमलों और अमर्यादित भाषा के माध्यम से।

निंदा प्रस्ताव पारित, बहिष्कार का लिया गया निर्णय

बैठक के दौरान सर्वसम्मति से एक निंदा प्रस्ताव पारित किया गया, जिसमें संबंधित नेता की टिप्पणी को अमानवीय, असंवेदनशील और लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध बताया गया। पत्रकारों ने कहा कि यह केवल एक व्यक्ति विशेष का अपमान नहीं, बल्कि संपूर्ण पत्रकारिता जगत की गरिमा पर हमला है। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि संबंधित नेता और उनकी पार्टी की गतिविधियों, प्रेस विज्ञप्तियों तथा कार्यक्रमों का पत्रकार समुदाय सामूहिक रूप से बहिष्कार करेगा। पत्रकारों का कहना था कि समय-समय पर मीडिया कर्मियों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां करने की प्रवृत्ति को अब और सहन नहीं किया जाएगा। बैठक में उपस्थित पत्रकारों ने उस दिवंगत बालक की स्मृति को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

एक नजर

डीलर संघ चुनाव संपन्न, सत्येंद्र गुप्ता लगातार दूसरी बार प्रखंड अध्यक्ष निर्वाचित

बड़कागांव। बड़कागांव स्थित गुरुदयाल महतो सभागार भवन में रविवार को जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) दुकानदार डीलर संघ के प्रखंड कमेटी का चुनाव शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक माहौल में संपन्न हुआ। चुनाव को लेकर सुबह से ही डीलरों में काफी उत्साह देखने को मिला। प्रखंड क्षेत्र के कुल 119 मतदाताओं ने मतदान में भाग लेते हुए अपने मताधिकार का प्रयोग किया। अध्यक्ष पद के लिए सत्येंद्र गुप्ता एवं वीरेंद्र प्रसाद के बीच सीधा मुकाबला हुआ। मतगणना के बाद सत्येंद्र गुप्ता को 81 मत प्राप्त हुए, जबकि वीरेंद्र प्रसाद को 36 मत मिले। इस प्रकार सत्येंद्र गुप्ता ने 45 मतों के भारी अंतर से जीत दर्ज करते हुए लगातार दूसरी बार प्रखंड अध्यक्ष पद पर कब्जा जमाया। वहीं उपाध्यक्ष पद के लिए हुए चुनाव में एतवा तुरी को 82 मत प्राप्त हुए, जबकि नरेश बेदिया को 36 मत मिले। कोषाध्यक्ष पद के लिए चरण राम को 89 मत प्राप्त हुए तथा उनके प्रतिद्वंद्वी जयप्रकाश राम को 30 मतों से संतोष करना पड़ा। सचिव पद के लिए बालेश्वर कुमार एकमात्र उम्मीदवार होने के कारण लगातार चौथी बार निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद समर्थकों ने विजयी प्रत्याशियों को फूल-माला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। जिला अध्यक्ष नंदू प्रसाद तथा उपस्थित पदाधिकारियों द्वारा सभी निर्वाचित पदाधिकारियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष सत्येंद्र गुप्ता ने कहा कि डीलरों ने जिस विश्वास और उम्मीद के साथ उन्हें पुनः अध्यक्ष चुना है, वे उस विश्वास पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि जन वितरण प्रणाली दुकानदारों की समस्याओं को सरकार एवं संबंधित विभाग तक पहुंचाकर उनके समाधान के लिए निरंतर संघर्ष किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान बैजनाथ महतो, पवन सिंह, सुनील सिन्हा, शहादत हुसैन, संजय हुसैन, गंगाधर साहू, कूदन राम, संजय प्रसाद, फूलचंद, योगेश्वर राम, रवि कुमार, जीवन कुमार, काजिम अंसारी, उर्मिला देवी, राजेंद्र साहू, फुलेश्वर साव, सोनू कुमार गुप्ता, सुरेंद्र रजवार, जितेंद्र कुमार, सुरेंद्र राम सहित बड़ी संख्या में डीलर एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे। चुनाव की पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न होने पर उपस्थित डीलरों ने संतोष व्यक्त किया तथा नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी।

बरकट्ठा में ब्राउन शुगर के साथ युवक गिरफ्तार, 11,400 नकद व मोबाइल बरामद

बरही। पुलिस अधीक्षक हजारीबाग अमन कुमार के निर्देश पर बरकट्ठा पुलिस ने नशीले पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक युवक को ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया है। इस संबंध में पुलिस उपाधीक्षक सीसीआर हजारीबाग सह प्रभारी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बरही मो. अरमानुल हक ने रविवार को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कार्यालय बरही में आयोजित प्रेसवार्ता में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस अधीक्षक को सूचना प्राप्त हुई थी कि बरकट्ठा बाजार से बरवा जाने वाली मुख्य ग्रामीण सड़क पर स्थित बुढ़िया माता मंदिर के समीप एक व्यक्ति द्वारा नशीले पदार्थों की बिक्री की जा रही है। सूचना के सत्यापन एवं त्वरित कार्रवाई के लिए मो. अरमानुल हक के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने बुढ़िया माता मंदिर के पास छापेमारी की।छापेमारी के दौरान पुलिस ने कुंदन कुमार पंडित पिता बालेश्वर पंडित बरकट्ठा बाजार थाना-बरकट्ठा निवासी को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के क्रम में उसके पास से 05 ग्राम ब्राउन शुगर, 11,400 रुपये नकद तथा मोटोरोला कंपनी का एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। पुलिस उपाधीक्षक ने बरामद सामग्री को जब्त कर लिया है तथा आरोपी के खिलाफ बरकट्ठा थाना कांड संख्या 96/26, दिनांक 20 जून 2026 के तहत धारा 21(बी)/29 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है।छापेमारी दल में मो. अरमानुल हक, पुलिस उपाधीक्षक सीसीआर, हजारीबाग सह प्रभारी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बरही आशीष कुमार भगत, पुलिस अवर निरीक्षक सह थाना प्रभारी बरकट्ठा, कन्हैया प्रसाद पुलिस अवर निरीक्षक, बरकट्ठा थाना, बरकट्ठा थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। पुलिस उपाधीक्षक ने कहा कि जिले में नशीले पदार्थों की तस्करी एवं बिक्री के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा तथा ऐसे मामलों में संलिप्त लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मुहर्रम पर्व को लेकर बरही पुलिस ने किया मॉक ड्रिल

बरही। आगामी मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर बरही पुलिस पूरी तरह सक्रिय है। पुलिस अधीक्षक अमन कुमार के निर्देश पर रविवार को बरही थाना क्षेत्र के रांची-पटना राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित बरही चौक पर पुलिस द्वारा मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। मॉक ड्रिल में पुलिस उपाधीक्षक (सीसीआर) हजारीबाग अरमानुल हक व बरही थाना प्रभारी बिनोद कुमार की उपस्थिति में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। इस दौरान पुलिस बल ने विभिन्न परिस्थितियों से निपटने के लिए अपनी तैयारियों का प्रदर्शन किया और आम जनता को कानून-व्यवस्था बनाए रखने के प्रति जागरूक किया। मौके पर उपस्थित पुलिस उपाधीक्षक अरमानुल हक ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि मुहर्रम पर्व को आपसी भाईचारे, शांति और सौहार्द के साथ मनाएं तथा किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। पुलिस प्रशासन द्वारा पर्व के दौरान सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। मॉक ड्रिल के दौरान लोगों को सोशल मीडिया के प्रति भी जागरूक किया गया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर यदि किसी प्रकार का भ्रामक, आपत्तिजनक या अफवाह फैलाने वाला संदेश प्राप्त होता है तो लोग उसके बहकावे में न आएं और इसकी सूचना तत्काल अपने नजदीकी थाना को दें। उन्होंने बताया कि प्राप्त सूचना का सत्यापन कर दोषियों के विरुद्ध तत्काल कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं बरही थाना प्रभारी बिनोद कुमार ने आम नागरिकों से पुलिस प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि, अफवाह या अप्रिय स्थिति की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। समाज के सभी वर्गों के सहयोग से ही मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण और सफल बनाया जा सकता है। मॉक ड्रिल के दौरान पुलिस पदाधिकारी, जवान एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

सखिया पंचायत में टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत स्वास्थ्य शिविर आयोजित

हजारीबाग। हजारीबाग जिला अंतर्गत सदर प्रखंड स्थित सखिया पंचायत भवन में रविवार को टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत टीबी 100 डे कैंप सह स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर स्वास्थ्य जांच कराई तथा टीबी से बचाव एवं उपचार संबंधी जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल शामिल हुए। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों को टीबी उन्मूलन अभियान से जुड़ने तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रोत्साहित किया। सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि टीबी जैसी बीमारी को जड़ से समाप्त करने के लिए जनभागीदारी और समय पर जांच अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने ग्रामीणों से स्वास्थ्य संबंधी किसी भी समस्या को नजरअंदाज नहीं करने और आवश्यक जांच कराने की अपील की। शिविर के दौरान सांसद ने ग्रामीणों से संवाद कर उन्हें एक्स-रे एवं अन्य स्वास्थ्य जांच कराने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर उनका चिकित्सीय टीम द्वारा स्वागत तुलसी का पौधा भेंट कर किया गया।कार्यक्रम में टीबी एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से विभिन्न जांच सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आईसेक्ट विश्वविद्यालय में योग शिविर, स्वस्थ जीवन का दिया संदेश

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को आईसेक्ट विश्वविद्यालय, हजारीबाग में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के बैनर तले तथा आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) के तत्वावधान में विशेष योग शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्राध्यापक-प्राध्यापिकाओं, अधिकारियों एवं कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए योगाभ्यास किया। योग शिक्षक मनीष कुमार ने वज्रासन, पवनमुक्तासन, शवासन, मयुरासन सहित अनुलोम-विलोम, कपालभाति और भ्रामरी प्राणायाम का अभ्यास कराया। उन्होंने नियमित योग को शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी बताते हुए इसे दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की। योगाभ्यास में एमए योग द्वितीय सेमेस्टर के छात्रा अनुप्रिया कुमारी व मनीषा कुमारी ने सहयोग किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ गौरव शुक्ला ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो व्यक्ति को स्वस्थ शरीर के साथ सकारात्मक सोच और संतुलित जीवन जीने की प्रेरणा देता है।

कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद ने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक समग्र पद्धति है। नियमित योग से तनाव कम होता है और कार्यक्षमता में वृद्धि होती है। समकुलपति डॉ एसआर रथ ने कहा कि आधुनिक जीवनशैली में बढ़ती स्वास्थ्य चुनौतियों के बीच योग शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक संतुलन का प्रभावी माध्यम है। एनएसएस अधिकारी डॉ प्रीति व्यास व डॉ राजकुमार ने स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए योग को जन-जन तक पहुंचाना आवश्यक बताया। साथ ही कहा कि आईसेक्ट विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों एवं कर्मियों के समग्र विकास और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम के अंत में सभी ने नियमित योगाभ्यास करने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया।

हजारीबाग : बड़कागांव की अवैध कोयला खदान में बड़ा हादसा, चाल धंसने से एक की मौत, दो घायल

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। जिले के बड़कागांव थाना क्षेत्र स्थित बादाम कोल खनन परियोजना के आसपास अवैध कोयला उत्खनन के दौरान बड़ा हादसा होने की सूचना मिल रही है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार राउतपाड़ा क्षेत्र में संचालित एक कथित अवैध कोयला खदान में चाल धंसने या कोयले का मलबा गिरने से एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य मजदूर घायल बताए जा रहे हैं। घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि समाचार लिखे जाने तक प्रशासन की ओर से इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई थी।

मृतक की पहचान सचिन साव के रूप में, घटना छिपाने की कोशिश

सूत्रों की माने तो मृतक की पहचान सचिन साव के रूप में हुई है। बताया जाता है कि हादसे के तुरंत बाद मृतक के शव को घटनास्थल से हटाकर दूसरे स्थान पर ले जाया गया। मामला सार्वजनिक न हो, इसके लिए घटना को दबाने की पूरी कोशिश की जा रही है। कोयलांचल क्षेत्रों में पूर्व में भी ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां अवैध खनन में मौत के बाद कानूनी कार्रवाई और प्रशासनिक जांच के डर से शवों का जल्दबाजी में अंतिम संस्कार कर दिया गया। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

बादम के आसपास दर्जनों अवैध मुहानों से खनन का दावा, तस्करी के नेटवर्क पर उठे सवाल

जानकार सूत्र बताते हैं कि बादाम कोल परियोजना के आसपास पिछले कई महीनों से दर्जनों अवैध मुहानों के जरिए कोयला निकाला जा रहा है। स्थानीय स्तर पर कोयले की तस्करी का नेटवर्क भी सक्रिय होने की चर्चा है। कुछ ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में लंबे समय से अवैध उत्खनन चल रहा था, लेकिन प्रभावी कार्रवाई नहीं होने के कारण यह कारोबार फलता-फूलता रहा। हादसे के बाद एक बार फिर अवैध खनन और कोयला तस्करी पर प्रशासनिक निगरानी को लेकर सवाल उठने लगे हैं। पुलिस और खनन विभाग की ओर से आधिकारिक बयान आने के बाद ही पूरे मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

क्या कहते हैं थाना प्रभारी

इस संबंध में पूछे जाने पर बड़कागांव थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने कहा कि इस संबंध में उन्हें भी अपुष्ट सूचना मिली थी। लेकिन सचिन साव के परिजनों से इस संबंध में पूछे जाने पर उसके भाई ने कहा कि मेरे भाई की मृत्यु बीमारी से हुई है। साथ ही कहा कि कोयला से हमलोगों का कोई संबंध नहीं है। थाना प्रभारी ने यह भी कहा कि इस मामले की अभी तक आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं हुई है। इस खबर को उन्होंने भ्रामक करार दिया।

अमेरिका निवासी अविनाश कुमार ने दलित परिवारों को दी 20 हजार रुपये की सहायता

उज्जवल दुनियां संबाददाता

दारू । सामाजिक रिश्ता संस्था के माध्यम से अमेरिका में कार्यरत दारू खैरका निवासी अविनाश कुमार ने दो जरूरतमंद दलित परिवारों को 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। संस्था कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में अर्जुन भुइयां और रामस्वरूप भुइयां के परिवार को 10-10 हजार रुपये की नगद राशि दी गई। संस्था के सचिव राजन सिन्हा ने बताया कि अविनाश कुमार के आग्रह पर यह सहयोग राशि उपलब्ध कराई गई। दोनों परिवार लंबे समय से आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। हाल ही में प्रशासन की पहल पर उन्हें विद्यालय से उनके जर्जर घर में स्थानांतरित किया गया था। सहायता राशि का उपयोग मकान की मरम्मत और शीट लगाने में किया जाएगा। मदद मिलने पर परिवार के सदस्यों ने अविनाश कुमार, सामाजिक रिश्ता संस्था तथा सहयोग करने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष राजकुमार दास, सचिव राजन सिन्हा, कोषाध्यक्ष सचिन गुप्ता समेत कई लोग उपस्थित थे।

12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का भव्य आयोजन, कर्जन ग्राउंड में उमड़ा जनसैलाब

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयुष विभाग हजारीबाग द्वारा कर्जन ग्राउंड में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में योग प्रेमियों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, सामाजिक कार्यकताओं, शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों ने भाग लेकर योग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नगर आयुक्त (कअर) ओमप्रकाश गुप्ता द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने नियमित योग को स्वस्थ जीवन का आधार बताते हुए सभी लोगों से योग को अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार भी उपस्थित रहे। उन्होंने योग के शारीरिक एवं मानसिक लाभों पर प्रकाश डालते हुए आयुष विभाग को इतने बड़े एवं सफल आयोजन के लिए बधाई दी। आयुष विभाग हजारीबाग के नोडल पदाधिकारी डॉ. आनंद शाही ने विभाग द्वारा संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिर आयुष केंद्रों की गतिविधियों की विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि केंद्रों पर चिकित्सकों द्वारा आयुष दवाओं का वितरण, योग शिक्षकों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित योग प्रशिक्षण, औषधीय एवं हर्बल गार्डन, बायो मित्र कैंप, करुण्य कैंप तथा मस्क्यूलोस्केलेटल कैंप जैसे कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम का मंच संचालन झारखंड सेवा मंडल के सचिव सुबोध ओझा ने किया। उन्होंने योग के महत्व एवं उसके वैज्ञानिक लाभों पर विस्तार से जानकारी दी। योग शिक्षक संजीव कुमार, अमर कुमार, रेणु कुमारी एवं अर्चना सिंह ने सामूहिक योगाभ्यास कराया तथा विभिन्न बीमारियों में लाभकारी योगासनों की जानकारी दी। इस अवसर पर आयुष विभाग में कार्यरत आयुष सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारियों एवं योग शिक्षकों को उत्कृष्ट कार्यों के लिए नगर आयुक्त श्री ओमप्रकाश गुप्ता के हाथों प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में डॉ. आनंद शाही, डॉ. शैलेंद्र कुमार रॉय (इचाक देवकुली), आयुष डीपीएम जमाल रिजवी, डॉ. विजय तिवारी, योग शिक्षक संजीव सिंह एवं योग शिक्षिका कांति कुमारी शामिल रहे।कार्यक्रम में कोचिंग संस्थान संघ के अध्यक्ष जेपी जैन सहित हजारीबाग के विभिन्न कोचिंग संस्थानों के निदेशकों एवं विद्यार्थियों ने भी भाग लिया। चरही के गुरुकुल कोचिंग के छात्र-छात्राओं की सहभागिता विशेष आकर्षण रही। इसके अलावा डॉ. नीरज उपाध्याय, डॉ. जोशी कुमार, डॉ. रंजना कुमारी, राजनंदनी, हरिनंदन यादव, संतोष मेहता, रामबली चौधरी, मुटूक हांसदा सहित सैकड़ों लोगों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक बना दिया। करें योग, रहें निरोग के संदेश के साथ कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर हजारीबाग डेंटल कॉलेज में सामुहिक योगाभ्यास कर दिया स्वस्थ जीवन का संदेश

हजारीबाग। हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेस एंड होस्पिटल में रविवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सामुहिक योगाभ्यास किया गया। योग स्वस्थ जीवन के प्रति समाज में जागरूकता का अभूतपूर्व संदेश दिया गया एवं प्रतिदिन सबों ने योगाभ्यास करने का संकल्प लिया। शरीरिक स्वास्थ्य, मानसिक सुख व आध्यात्मिक प्रगति के लिए योग करने का निर्णय लिया। योग प्रशिक्षक डॉ रघु ने योगासन, अनुलोम विलोम व सूर्य नमस्कार सहित कई प्रकार के योग कराया। हजारीबाग डेंटल कॉलेज के सचिव डॉ प्रवीण श्रीनिवास ने कहा कि समूचा विश्व अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मना रहा है। योग आज मानव जीवन का अभिन्न अंग बन गया है। बेहतर स्वास्थ्य और मस्तिष्क को तीव्र रखने के लिए योग करना अनिवार्य हो गया है। उन्होंने कहा कि योग करने से अच्छी नींद आती है तथा हमारा शरीर स्वस्थ और तंदुरूस्त रहता है। योग से शांति तथा आनंद प्राप्त होता है। योग से हमारा मस्तिष्क एकाग्रचित होकर काम करता है तथा हमारे मन में अच्छे विचारों का निवास होता है। योग हमारे शरीर को स्वस्थ, लचीला तथा शक्तिशाली भी बनाए रखता है। मौके पर कॉलेज के बीडीएस और एमडीएस के शिक्षक, छात्रों एवं कर्मचारियों ने योगाभ्यास कर सदैव स्वस्थ स्वस्थ रहने का संदेश दिया।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर दी आर्ट ऑफ लिविंग ने जेलों और न्यायिक संस्थानों में कराया योगाभ्यास

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

धनबाद। आज 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दी आर्ट ऑफ लिविंग के सहयोग से एक ऐतिहासिक कार्यक्रम का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (ऊअछरअ) एवं झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (खलअछरअ) द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। यह कार्यक्रम ऑफलाइन तथा ऑनलाइन दोनों माध्यमों से आयोजित हुआ, जिसमें झारखंड के सभी जिलों के साथ-साथ सभी जेलों, रिमांड होम्स एवं वृद्धाश्रमों को प्रातः 7:30 बजे ऑनलाइन जोड़ा गया। इस भव्य कार्यक्रम का संचालन श्री पी. एन. सिंह जी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में कुल 25,000 (पच्चीस हजार) प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिससे यह आयोजन अत्यंत सफल एवं प्रेरणादायक बन गया।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर झारखंड के विभिन्न जिलों में दी आर्ट ऑफ लिविंग संस्था के सहयोग से योग कार्यक्रम उत्साह एवं उल्लास के साथ आयोजित किए गए। धनबाद मंडल कारा, बाल सुधार गृह एवं बालिका सुधार गृह में पिछले तीन दिनों से दी आर्ट ऑफ लिविंग, धनबाद की टीम द्वारा कैदियों एवं बच्चों को योगासन, प्राणायाम तथा ध्यान का अभ्यास कराया गया। इस अभियान में आर्ट ऑफ लिविंग के वरिष्ठ प्रशिक्षक मयंक सिंह, प्रशिक्षिका सोनाली सिंह, मनी शंकर, धनबाद जेल समन्वयक संदीप कौशल तथा स्वयंसेवक विक्रम सिंह एवं डॉ. अमृता ने अपना बहुमूल्य समय एवं अनुभव प्रदान किया।

इसके अतिरिक्त, 10वीं वाहिनी रेल सुरक्षा विशेष बल तथा जिला व्यवहार न्यायालय, धनबाद में भी योग दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर जेलर श्री दिनेश वर्मा, डीएलएसए के सचिव श्री मयंक तुषार टोपनो, जिला व्यवहार न्यायालय, धनबाद के श्री निकेश कुमार सिन्हा, लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के डॉ. कुमार बिमलेन्दु, अजय कुमार, स्वाति कुमारी, कन्हैया लाल ठाकुर, 10वीं वाहिनी के प्रभारी सहायक श्री जेम्स पॉल किंडो, निरीक्षक विश्वजीत मंडल, अरुण दुबे, मणि तिवारी सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। इस गौरवपूर्ण अवसर पर दी आर्ट ऑफ लिविंग के प्रतिनिधियों में से एक के रूप में उपस्थित रहना मेरे लिए अत्यंत सम्मान और सौभाग्य की बात रही। योग, ध्यान एवं प्राणायाम के माध्यम से स्वस्थ, तनावमुक्त एवं जागरूक समाज के निर्माण का संदेश देते हुए यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। योग, स्वास्थ्य और मानव कल्याण के इस महाअभियान का हिस्सा बनना वास्तव में एक अविस्मरणीय अनुभव रहा।

एक नजर

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सीआईएसएफ यूनिट डीवीसी मैथन द्वारा सामूहिक योगाभ्यास

एग्यारकुंड। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सीआईएसएफ यूनिट डीवीसी मैथन द्वारा शनिवार को छठ घाट परिसर में भव्य सामूहिक योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सीआईएसएफ के अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों, जवानों एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर योगाभ्यास किया तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया।योग कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास किया। इस अवसर पर योग के महत्व, उसके शारीरिक एवं मानसिक लाभों तथा तनावमुक्त जीवन में उसकी भूमिका पर विस्तार से जानकारी दी गई। वक्ताओं ने कहा कि नियमित योग न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मानसिक एकाग्रता एवं सकारात्मक ऊर्जा का भी संचार करता है।कार्यक्रम में सहायक कमांडेंट मिथिलेश कुमार राय, सब इंस्पेक्टर रामेश्वर चौधरी एवं कृष्णेंदु घोष, सहायक उप निरीक्षक साहिल कुमार एवं बी.के. सिंह, प्रधान आरक्षक दिनेश कुमार, विकास कुमार एवं लाल चंद सहित बड़ी संख्या में अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने तथा स्वस्थ एवं निरोग समाज के निर्माण में योगदान देने का संकल्प लिया। स्वस्थ जीवन एवं जनकल्याण की कामना के साथ कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

आरएसपी कॉलेज झरिया में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया

झरिया/धनबाद। आरएसपी कॉलेज, झरिया (बेलगढ़िया), धनबाद में रविवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के प्राचार्य डॉ. नीलेश कुमार सिंह के नेतृत्व में शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने योगाभ्यास किया तथा योग के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. नीलेश कुमार सिंह ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। नियमित योगाभ्यास से शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य बेहतर होता है। उन्होंने सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों से स्वस्थ एवं संतुलित जीवन के लिए योग को अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया गया। उपस्थित लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए योग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम का उद्देश्य योग के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करना था। इस अवसर पर डॉ. शुभा आजमानी, जय दत्ता, जयनाथ साव, रूपलाल साव, राजीव, राजू एवं संतोष सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर द्रोणाचार्य स्पोर्ट्स एक्टिविटी सेंटर टुंडी में योगाभ्यास का आयोजन

टुंडी। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर द्रोणाचार्य स्पोर्ट्स एक्टिविटी सेंटर, टुंडी के तत्वावधान में रामकृष्ण स्वामी विवेकानंद आश्रम के दीनदयाल सभागार में योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में टुंडी क्षेत्र के प्रबुद्ध ग्रामीण, खेल प्रेमी, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर द्रोणाचार्य सेंटर के राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों द्वारा योगासन का शानदार प्रदर्शन किया गया, जिसका उपस्थित लोगों ने भरपूर आनंद लिया। खिलाड़ियों के प्रदर्शन ने सभी को नियमित योग के प्रति प्रेरित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सेंटर के मुख्य कोच मनोज कुशवाहा (पतंजलि से प्रशिक्षित एवं धनबाद जिला योगासन स्पोर्ट के सदस्य) ने कहा कि नियमित योगाभ्यास करने से व्यक्ति का शारीरिक एवं मानसिक संतुलन बेहतर बना रहता है। बच्चों के लिए योग विशेष रूप से लाभकारी है, इससे उनका शारीरिक और मानसिक विकास बेहतर होता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने दैनिक जीवन में योग को शामिल करना चाहिए। सभी लोग प्रतिदिन कम से कम एक घंटे का समय योग के लिए निकालें और स्वस्थ जीवन की ओर कदम बढ़ाएं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व जिला भाजपा महामंत्री दिनेश सिंह, पूर्व टुंडी मंडल अध्यक्ष अवध किशोर चौधरी, पूर्व टुंडी मंडल अध्यक्ष तिलक मंडल, भाजपा मंडल कोषाध्यक्ष नितिन राम, विकास राम, सुनील साव, नकुल सिंह, नागेश्वर पंडित (महामंत्री टुंडी पश्चिम), प्रदीप रवानी, संदीप पांडेय सहित कई कार्यकर्ता एवं खेल प्रेमी उपस्थित थे। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को योग के महत्व के प्रति जागरूक करना और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था।

करमाटांड़ जामा मस्जिद की छत ढलाई संपन्न, श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर किया सहयोग

टुंडी। टुंडी प्रखंड के दक्षिणी टुंडी के राजाभिठा पंचायत अंतर्गत करमाटांड़ गांव स्थित जामा मस्जिद की छत ढलाई का कार्य धार्मिक उत्साह और आपसी सहयोग के साथ संपन्न हुआ। ढलाई कार्यक्रम की शुरूआत महाराजगंज मदरसा के सदर मुफ्ती अब्दुल हई ने स्वागत संबोधन एवं सामूहिक दुआ के बाद की। छत ढलाई की शुरूआत के लिए पहली कढ़ाई की बोली लगाई गई, जिसमें करमाटांड़ गांव के बाबा मनीर मस्तान एवं डॉ. अनवर अंसारी ने संयुक्त रूप से एक लाख दस हजार रुपये की नगद राशि दान कर यह सौभाग्य प्राप्त किया। बताया गया कि बरवाअड्डा के समीप करमाटांड़ गांव के बीचों-बीच स्थित यह जामा मस्जिद नमाजियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए विस्तारित किया जा रहा है, ताकि लोगों को इबादत करने में अधिक सुविधा मिल सके। इस अवसर पर अब्दुल रसीद अंसारी, ऐनुल अंसारी, उमर अंसारी, ताजुद्दीन अंसारी, जाहिद अंसारी, बबलू अंसारी, छुटू अंसारी, शहजाद अंसारी सहित जिले भर से पहुंचे कई नामचीन मुफ्ती, हाफिज एवं मौलाना मौजूद रहे। कार्यक्रम में हजारों की संख्या में महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं ने भाग लिया और आर्थिक व श्रमदान कर मस्जिद की छत ढलाई को सफल बनाया। मस्जिद कमेटी के सदस्यों एवं गांव के नवयुवकों का इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान रहा।

12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

बोकारो। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को बोकारो इस्पात संयंत्र द्वारा बोकारो क्लब में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बीएसएल के निदेशक प्रभारी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों तथा कर्मियों ने भाग लिया तथा योग गुरु की अगुवाई में योगाभ्यास किया। इस दौरान स्वस्थ जीवन के लिए योग की अहमियत पर भी चर्चा की गई और सभी को इसे अपनी जीवनशैली का नियमित हिस्सा बनाने का आह्वान किया गया।

विश्व योग दिवस पर युवाओं ने लिया नियमित योग का संकल्प

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

टुंडी (धनबाद)। विश्व योग दिवस 2026 के अवसर पर +2 उच्च विद्यालय टुंडी एवं कल्याण गुरुकुल में विशेष योग सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास किया। योग प्रशिक्षकों ने प्रतिभागियों को योग के शारीरिक एवं मानसिक लाभों की जानकारी देते हुए स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास से शरीर स्वस्थ रहने के साथ-साथ मन को भी शांति और सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों ने प्रतिदिन योग करने एवं इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर मेरा भारत धनबाद के प्रोग्राम एग्जीक्यूटिव सुबीश शाह ने सफल आयोजन के लिए दोनों संस्थानों के प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों एवं सभी सहयोगियों का धन्यवाद व्यक्त किया। उन्होंने युवाओं से योग को अपनाकर स्वस्थ समाज निर्माण में योगदान देने की अपील की।

गांधीनगर में सीआईएसएफ की बड़ी कार्रवाई, 5 टन अवैध कोयला जब्त

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

बोकारो। गांधीनगर थाना क्षेत्र में रविवार को सीआईएसएफ यूनिट सीसीएल करगली ने अवैध कोयला कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब पांच टन अवैध कोयला बरामद किया। बीएंडके एरिया के खासमहल स्थित केएमपी स्टोर से प्रदीप होटल और परियोजना कार्यालय क्षेत्र में चलाए गए संयुक्त अभियान के दौरान झाड़ियों में छिपाकर रखा गया कोयला जब्त किया गया। बरामद कोयला सीसीएल प्रबंधन को सुपुर्द कर दिया गया है। सीआईएसएफ को गुप्त सूचना मिली थी कि क्षेत्र में कोयला चोरों द्वारा अवैध रूप से कोयला एकत्र कर विभिन्न स्थानों पर छिपाकर रखा गया है। सूचना के आधार पर सीआईएसएफ यूनिट सीसीएल करगली की टीम ने छापेमारी अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान खासमहल इलाके के अलग-अलग स्थानों से करीब पांच टन कोयला बरामद किया गया। सीआईएसएफ अधिकारियों ने बताया कि अवैध कोयला खनन, परिवहन और भंडारण पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। कोयला संपदा की सुरक्षा और अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए इस तरह के अभियान आगे भी नियमित रूप से चलाए जाएंगे। अधिकारियों ने आम लोगों से राष्ट्रीय संपदा की सुरक्षा में सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि की जानकारी तत्काल संबंधित अधिकारियों को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। सीआईएसएफ की इस कार्रवाई से क्षेत्र में सक्रिय कोयला माफियाओं में हड़कंप मच गया है।

योग के प्रति दिखी युवाओं में रुचि, किए कई कठिन योगासन

योग करने से रहेगा माइंड और बॉडी फिट : सूरज शर्मा

बोकारो। भारत समेत पूरे विश्व में 21 जून, रविवार को विश्व योग दिवस मनाया गया। सभी लोगों ने अपनी सुविधा के अनुसार तड़के सुबह उठकर योग किया और खुद को स्वस्थ रखने के लिए प्रतिज्ञा ली। चिन्मय विद्यालय बोकारो में भी विश्व योग दिवस के अवसर पर खास योगा सेशन का आयोजन किया गया। रविवार की सुबह विद्यालय के ऑडिटोरियम में विशाल संख्या में विद्यार्थी एकत्रित हुए और सभी ने एक साथ मिलकर योग किया। इस दौरान विद्यालय के सचिव श्री महेश त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष श्री आरएन मलिक, प्राचार्य श्री सूरज शर्मा, वरीय उप प्राचार्य श्री नरमेंद्र कुमार और उप प्राचार्य डॉ. रोशन शर्मा भी मौजूद। साथ ही, कई शिक्षकों ने भी साथ मिलकर योग किया। विद्यालय के खेल विभाग के शिक्षकों और विद्यालय प्रबंधन ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया और कई योगासन साथ मिलकर किए। खेल शिक्षक श्री प्रांजल साकिया ने एक - एक कर योगासन के बारे में समझाया और चरण-दर-चरण योगासन करवाया। इसमें मुख्य रूप से भुजंगासन, ताड़ासन, प्राणायाम, शीतली प्राणायाम, शीतकारी प्राणायाम, वज्रासन, आदि शामिल थे। विद्यार्थियों ने इस दौरान योगासनों के बारे में कई नई जानकारी प्राप्त की। साथ ही, योग के प्रति जागरूकता को बढ़ाने की प्रतिज्ञा भी ली। बता दें कि विद्यालय एनसीसी (नेवल डिवीजन) के विद्यार्थियों ने भी इस योग कार्यक्रम में अपनी भागीदारी दर्ज की। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य सूरज शर्मा ने विद्यार्थियों और शिक्षकों का योग के प्रति जागरूक रहने के लिए धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ जीवन के लिए योग बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि योग केवल शरीर ही नहीं, बल्कि मन को भी तंदुरुस्त रखता है। श्री शर्मा ने कहा कि योगासनों का महत्व विद्यार्थी जीवन में अधिक प्रासंगिक है, क्योंकि इससे एकाग्रता बढ़ाने में भी मदद मिलती है और मन शांत होता है, जिससे पठन - पाठन के कार्य में मदद मिलती है। अंत में उन्होंने खेल विभाग के संजीव कुमार, प्रांजल साकिया, रणविजय ओझा, नीतेश पांडे, प्रवीण कुमार, आदर्श आचार्या, विशाल कुमार मौर्या, पल्लवी को इस आयोजन को सफल बनाने के लिए बधाई दी।

शराब के नशे में आम के पेड़ पर चढ़ा युवक, घंटों मशक्कत के बाद पुलिस ने सुरक्षित उतारा

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

गोमिया। रविवार को आइईएल थाना क्षेत्र के अंतर्गत बैंक मोड़ के समीप उस समय अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जब एक युवक शराब के नशे में आम के एक ऊंचे पेड़ पर चढ़ गया। युवक काफी ऊंचाई पर पहुंचकर अनाप-शनाप बातें करने लगा, जिसे देखकर आसपास के ग्रामीणों और राहगीरों की भीड़ जुट गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवक पेड़ की सबसे ऊपरी डालियों तक चढ़ गया था, जिससे उसके गिरने की आशंका बनी हुई थी। मामले की सूचना तत्काल आइईएल थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस दल मौके पर पहुंचा और काफी मशक्कत के बाद युवक को सुरक्षित नीचे उतारने की कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने एक व्यक्ति को पेड़ पर चढ़ाकर रस्सी की मदद से युवक को सुरक्षित बांधा और सावधानीपूर्वक नीचे उतारा। स्थानीय लोगों के अनुसार युवक शराब के नशे में धुत था। बताया जाता है कि पेड़ पर लगे आम तोड़ने के उद्देश्य से वह एक थैला लेकर ऊपर चढ़ा था, लेकिन नशे की हालत में संतुलन खो बैठा और काफी ऊंचाई पर फंस गया। करीब चार से पांच घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद युवक को सुरक्षित नीचे उतारा गया। उसकी पहचान लोधी पंचायत के वनचतरा क्षेत्र के छहगांवा निवासी छोटन मांझी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार छोटन मांझी दैनिक मजदूरी का कार्य करता है और रविवार को बाजार आया था।

नावाडीह में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस उत्साह के साथ मनाया गया

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

नावाडीह। नावाडीह प्रखंड सह अंचल कार्यालय, भूषण प्लस टू उच्च विद्यालय नावाडीह, मुख्यमंत्री उत्कृष्ट बालिका विद्यालय , कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, देवी महतो स्मारक इंटर महाविद्यालय, निर्मल ज्ञान विद्यालय, गांधी मेमोरियल पब्लिक स्कूल सहित एकल विद्यालय में 12वीं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस उत्साह के साथ मनाया गया।इस दौरान योग से विभिन्न प्रकार की बीमारी ठीक होने की जानकारी दी गई। प्रखंड सह अंचल कार्यालय में खरपिटो मुखिया नंदलाल नायक,भूषण प्लस टू उच्च विद्यालय में शारीरिक शिक्षक कमलेश सिंह तथा मुख्यमंत्री उत्कृष्ट बालिका विद्यालय में चंद्रभूषण श्रीवास्तव ने योग कराए। इस मौके पर सीओ अभिषेक कुमार ने कहा कि योग प्रतिदिन करना चाहिए।उन्होंने बताया कि नियमित योगाभ्यास से लोग शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत होते हैं। इससे बीमारियों से बचाव होता है और स्वास्थ्य अच्छा रहता है। योग एक प्राचीन भारतीय विज्ञान है। बीडीओ प्रशांत कुमार हेंब्रम ने सभी विद्यार्थियों को योग को दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया।उन्होंने कहा कि नियमित योग से जीवन स्वस्थ और सुखी बनता है। इसके अलावा प्रखंड के अनेक विद्यालयों, पंचायत सचिवालयों में भी योग शिविर लगाये गये।

मौके पर प्राचार्य राजीव रंजन तिवारी,सुनील कु सुमन,प्रवीण कुमार रजवार, आनंद महतो, उपेन्द्र कुमार, प्रमोद शुक्ला, प्रवीण कुमार, संगीता कुमारी, श्वेता सानवी, अंजलि सिंह, पूनम कुमारी, भूषण कुमार, ललन कुमार, लक्ष्मण ठाकुर, विकास कुमार, राजा बाबु, संदीप वर्मा, ईमरान अंसारी, दीपक कौशल, रूपेश कुमार, सुकुमार दत्त, कमलेश सिंह, अरविंद कुमार, राजेश यादव, काली महतो, सुमन कुमार,अशरफ अंसारी,नंदकिशोर महतो, हेमंती देवी, सावित्री देवी सहित अनेक छात्र - छात्राए उपस्थित रहे।

स्वामी वी. आई. इंटरप्राइजेज के लिए प्रकाशक मानवेन्द्र कुमार सिंह एवं मुद्रक एस. एच. प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, कांटीटांड, नियर टेंडर बगीचा, रातू, रांची -835222 द्वारा झारखंड से मुद्रित एवं एसटी-663/664, न्यू एसटी चौक, धुर्वा, रांची से प्रकाशित, संपादकः मानवेन्द्र कुमार सिंह (खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी) : फोन नं. 8709022665, PRGI N0. - JHAHIN/2014/59794

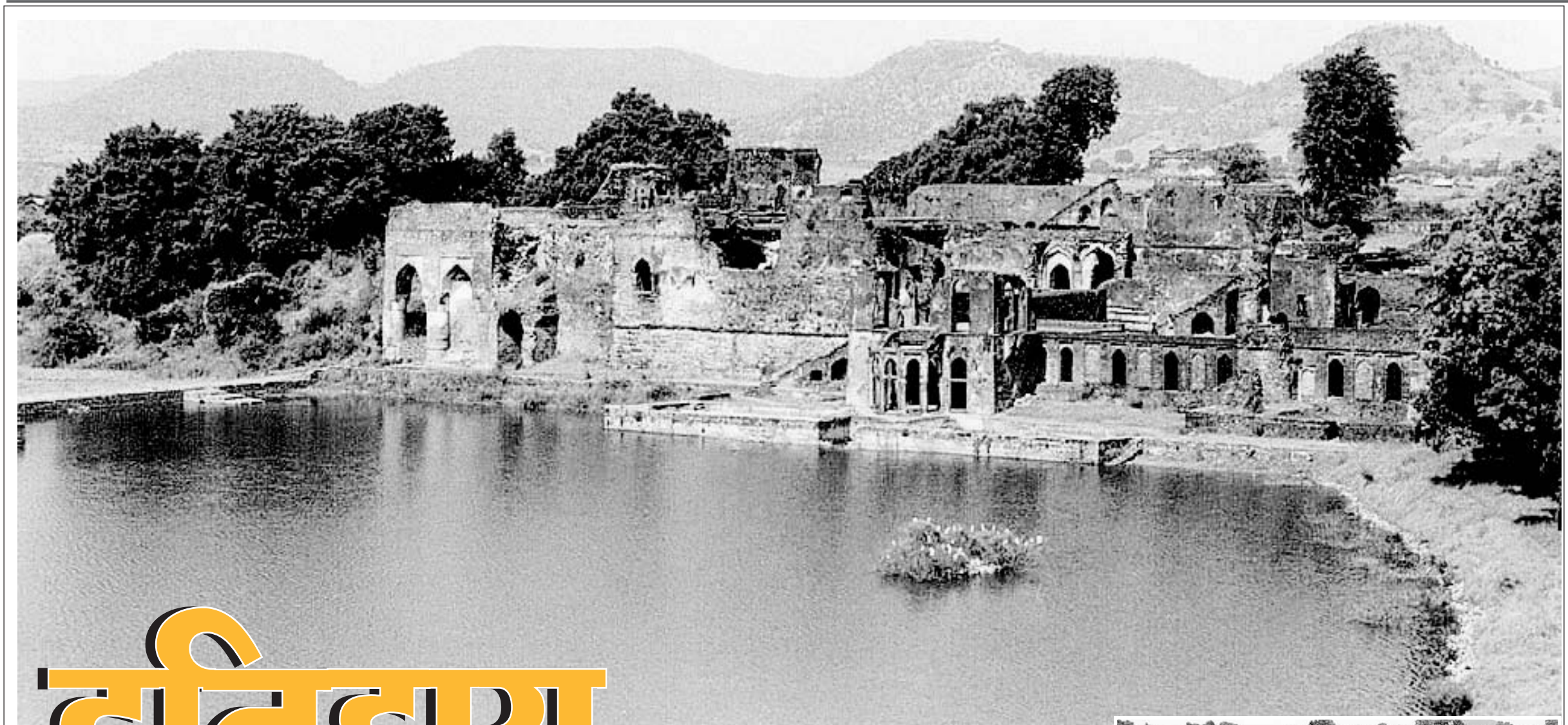

इतिहास और प्रेम का शहर माण्डू

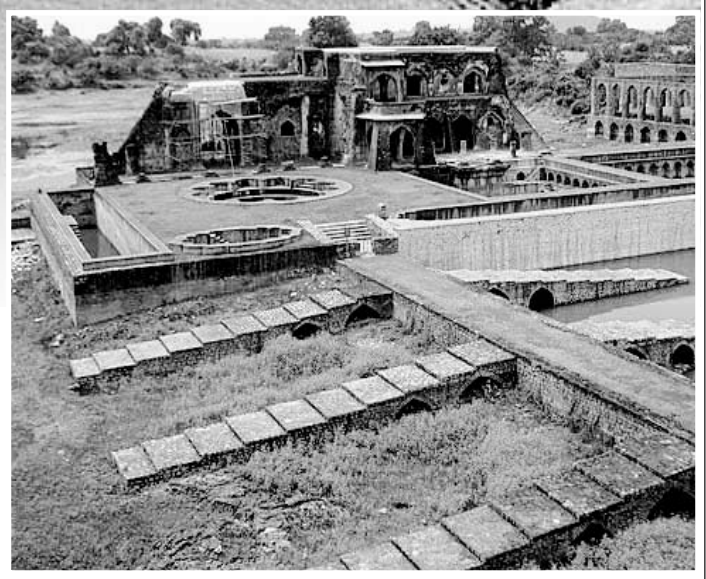

माण्डू को रचने-बसाने का प्रथम श्रेय परमार राजाओं को है। हर्ष, मुंज, सिंधु और राजा भोज इस वंश के महत्वपूर्ण शासक रहें हैं। किंतु इनका ध्यान माण्डू की अपेक्षा धार पर ज्यादा था, जो माण्डू से महज 30 किलोमीटर है। परमार वंश के अंतिम महत्वपूर्ण नरेश राजा भोज का ध्यान वास्तु की अपेक्षा साहित्य पर अधिक था और उनके समय संस्कृत के महत्वपूर्ण ग्रंथ लिखे गए। मांडू प्राचीन शहर है और इसका जिक्र 555 ईसवीं के संस्कृत अभिलेखों में भी है। इन अभिलेखों से पता चलता है कि मांडू छठी शताब्दी का खूबसूरत शहर हुआ करता था। दसवीं और ग्यारहवीं शताब्दी में परमार वंश के शासकों ने इस पर अधिकार किया और इसका नाम मांडवगढ़ रखा। 13वीं शताब्दी में परमारों ने अपनी राजधानी धार से मांडू स्थानांतरित कर दी और इस शहर का महत्व बढ़ गया। 1305 में खिलजी वंश से पराजित होने के बाद परमारों का मांडू से आधिपत्य समाप्त हो गया। मध्य प्रदेश के 21 वर्ग किलोमीटर तक फैले पठार पर बना मांडू, प्रेम के शहर के रूप में भी याद किया जाता है. यह मध्य प्रदेश के विंध्य पर्वतमाला और दक्षिणी इंदौर के पश्चिम में बसा हुआ है।

मुगलों के साम्राज्य के पतन के बाद मालवा के अफगान गवर्नर दिलावर खान ने मांडू को स्वतंत्र राज्य के रूप में स्थापित किया। उन्होंने मांडू का नाम बदलकर सादियाबाद यानी खुशियों का नगर रखा। दिलावर खान गौरी के पुत्र हरशंग शाह ने मांडू का विकास किया और इसे संपन्न बनाया। यह युग मांडू का स्वर्णकाल कहा जाता है। इसके बाद कई मुगल शासकों ने मांडू पर राज किया फिर 1732 में मराठों ने इस पर अधिकार कर लिया।

अद्वितीय वास्तुशिल्प

सुल्तानों के काल में यहां महत्वपूर्ण निर्माण हुए। दिलावर खां गोरी ने इसका नाम बदलकर शादियाबाद (आनंद नगरी) रखा। होशंगशाह इस वंश का महत्वपूर्ण शासक था। मुहम्मद खिलजी ने मेवाड़ के राणा कुम्भा पर विजय के उपलक्ष्य में अशर्फी महल से जोड़कर सात मंजिला विजय स्तंभ का निर्माण कराया (अब इसकी केवल एक ही मंजिल सलामत है)। हालांकि यह तथ्य विवादित है क्योंकि राणा कुम्भा ने भी मुहम्मद खिलजी पर विजय की स्मृति में चित्तौड़ के विश्व प्रसिद्ध विजय स्तंभ का निर्माण कराया था। आमतौर पर इतिहासकार मानते हैं कि राणा ने खिलजी को बंदी बनाया था और माफी पर उसे छोड़ा था। फिर भी फरिश्ता जैसे इतिहासकार मुहम्मद खिलजी की वीरता की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हैं। वह लिखता है कि खिलजी हमेशा युद्ध में रहता है। अशर्फी महल का निर्माण मदरसे के तौर पर हुआ था और उसके कई कमरे आज भी काफी अच्छी अवस्था में हैं।

बाज बहादुर और रानी रूपमती की प्रेम कहानी

बाज बहादुर और रानी रूपमती की प्रेम कहानी की वजह से भी मांडू की अलग पहचान है। बाज बहादुर संगीतज्ञ थे जबकि रानी रूपमती गायिका थीं। वह रूपमती से गायिकी सीखना चाहते थे। कहा जाता है जब उन्होंने रानी रूपमती को जंगल में स्नान करते देखा तो उन पर फिदा हो गये। उन्होंने रूपमती को मांडू आने का न्यौता दिया लेकिन रूपमती नर्मदा नदी के दर्शन करके ही गाना गाती थीं। इसलिए बाज बहादुर ने उनका आश्रय ऐसे स्थान पर बनाया जहां से नर्मदा नदी को आसानी से देखा जा सके। दसवीं और ग्यारहवीं शताब्दी में इसका नाम मांडवगढ़ था लेकिन बाद में इस शहर को सादियाबाद के नाम से भी जाना गया। समुद्र तल से 2000 फीट की ऊंचाई पर बसा मांडू इतिहास और प्राकृतिक खूबसूरती के कारण प्रकृति प्रेमियों का स्वर्ग कहा जाता है।रूपमती के सौन्दर्य की चर्चा दूर-दूर तक फैल चुकी थी और इसी चर्चा से प्रभावित होकर अकबर ने मांडू पर आक्रमण कर दिया। इसकी भनक लगते ही रूपमती ने जहर खाकर अपनी जान दे दी। बाद में बाज बहादुर अकबर के दरबार में संगीतज्ञ बन गये।

आल्हा-ऊदल के वीरता की कहानी

आल्हा-ऊदल के बिना माण्डू का वर्णन अधूरा माना जाता है। आल्हाखण्ड में महाकवि जगनिक ने 52 लड़ाइयों का जिक्र किया है। उसमें पहली लड़ाई माड़ौगढ़ की मानी जाती है, जिसका साम्य इसी माण्डू से किया जाता है। इसलिए आल्हा गायकों के लिए माण्डू एक तीर्थस्थल सरीखा है। बुंदेलखंड के लोग यहां इस लड़ाई के अवशेष देखने आते हैं। राजा जम्बे का सिंहासन, आल्हा की सांग, सोनगढ़ का किला, जहां आल्हा के पिता और चाचा की खोपड़ियां टांगी गई थी और वह कोल्हू जिसमें दक्षराज-वक्षराज को करिंगा ने पीस दिया था। ये सब आज भी आल्हा के मुरीदों को आकर्षित करते हैं।

'माण्डू सिटी ऑफ जॉय' के लेखक गुलाम यजदानी के अनुसार माण्डू के भवन रोमन, ग्रीक ईरानी, यूनानी, गैथिक, अफगान और हिंदू शैली से बने हैं। हिंदू शैली में बने भवन मुख्य हैं- हिण्डोला भवन, जामी मस्जिद, होशंगशाह का मकबरा आदि। पत्तियां, कमल के फूल, त्रिशूल, कलश, बंदनवार आदि इसके गवाह हैं। अफगान शैली में बने भवन हैं- रूपमती मण्डप, बाजबहादुर महल दरिया खां का मकबरा, जहाज महल आदि।

क्या देखें

सोलहवीं शताब्दी में बाज बहादुर द्वारा बनाया गया महल यहां के प्रमुख दर्शनीय स्थलों में शामिल है। इस महल की विशेषत यह है कि यहां से चारों तरफ का बेहतरीन नजारा नजर आता है। महल मुगल और राजस्थानी शैली का मिश्रित रूप है. इसके अलावा, यहां रूपमती मंडप भी स्थित है, जिसे सेना द्वारा निगरानी रखने के लिए बनवाया गया था। मंडप किले के बिल्कुल किनारे पर बना है। यहां की खासियत यह है कि यहां से नर्मदा नदी और उसके मैदानों का सुंदर नजारा दिखाई पड़ता है. यहीं मंडप रानी रूपमती का आश्रय स्थल था। मांडू की सबसे प्रसिद्ध और आकर्षक इमारत जहाज महल है। यह बिल्कुल पानी के जहाज के आकार का बना है. इसकी लंबाई 120 मीटर और चौड़ाई 15 मीटर है। इस महल के पश्चिम और पूर्व में दो झीलें भी हैं। मुंज तालाब और कपूर तालाब नामक इन झीलों से घिरा यह महल ऐसा लगता है जैसे कोई जहाज बंदरगाह पर खड़ा हो। इस महल का निर्माण गयासुद्दीन खिलजी ने करवाया था। यहां पहाड़ी की खड़ी ढाल पर नीलकंठ मंदिर स्थित है और आज भी श्रद्धालु वहां पूजा-अर्चना करते हैं। इसके अलावा, यहां हाथी महल, दरियाखान मकबरा, मांडू के 12 प्रवेश द्वार, हिंडोला महल, रीवा कुंड, चम्पा बावली, अशरफी महल, जैन मंदिर आदि ऐतिहासिक और दर्शनीय स्थल हैं, जिसे देखकर पर्यटक मंत्रमुग्ध हो जाते हैं।

कब जाएं

मांडू घूमने के लिए मानसून से बेहतर मौसम और कोई हो ही नहीं सकता. जुलाई से अगस्त तक मांडू घूमने के लिए उपयुक्त समय है। इस दौरान यहां की हरियाली और पानी से भरे हुए जलाशय पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। बारिश से धुल कर यहां की ऐतिहासिक इमारतें और भी साफ नजर आने लगती हैं।

कैसे पहुंचें

वायुमार्ग: मांडू जाने के लिए इंदौर नजदीकी एयरपोर्ट है. यह प्रमुख एयरलाइन्स द्वारा भोपाल, ग्वालियर, मुंबई, दिल्ली और जयपुर से जुड़ा है। इंदौर से मांडू की दूरी 99 किमी है. सड़क मार्ग से यहां तक पहुंचने में लगभग दो घंटे लगते हैं।

रेलमार्ग: यहां का नजदीकी रेलवे स्टेशन रतलाम और इंदौर हैं. यह इंदौर से 99 किमी. और रतलाम से 124 किमी. दूर है। इंदौर से मांडू बस या टैक्सी से भी पहुंच सकते हैं।

सड़क मार्ग : इंदौर मांडू मार्ग नियमित रूप से बस से जुड़ा हुआ है. भोपाल से भी मांडू के लिए बसें चलती हैं।

जहाज महल

जहाज महल माण्डू का सर्वाधिक चर्चित स्मारक है। चारों तरफ पानी से घिरे होने के कारण यह जहाज का दृश्य उपस्थित करता है। इसकी आकृति टी के आकार की है। इसका निर्माण परमार राजा मुंज के समय हुआ किंतु इसके सुदृढ़ीकरण का श्रेय गयासुद्दीन खिलजी को है। माण्डू की सबसे बड़ी विशेषता इसकी अंत- भूगर्भीय संरचना है। माण्डू का फैलाव जितना ऊपर है उतना ही नीचे है। शत्रु के आक्रमण के समय यह भूगर्भीय रचना सुरक्षा का एक साधन भी थी। यह संरचना अपने निर्माण से आज भी विस्मृत करती है। धार व माण्डू के बीच बने 35 भवन एक अन्य आश्चर्यजनक निर्माण हैं। येभवन इको प्वाइंट का काम करते थे। सुल्तान जब माण्डू से धार के लिए निकलता था तो इन्हीं भवनों से उसके आने की खबर दी जाती थी। माण्डू से कुछ दूरी पर बूढ़ी माण्डू स्थित है। इसे ऋषि माण्डव्य या माण्डवी के नाम पर सिद्धक्षेत्र कहा गया है।

संपादकीय

योग: आनंद का सागर

योग अस्तित्व से शक्ति अर्जित करने का विज्ञान है। इसके बीज सूत्र ऋग्वेद में है। उपनिषदों में है। गीता में विस्तृत हैं। बुद्ध पंथ में तमाम यौगिक क्रियाओं का उल्लेख है। मार्शल ने हड़प्पा सभ्यता पर ह्यमोहनजोदड़ो एंड दि इंडस सिविलाइजेशनह्य पुस्तक लिखी थी। इस ग्रंथ में शिव को आर्य देवताओं से भिन्न देवता बताया है। किताब में योग के बारे में लिखा है, ह्यह्यशैव मत के समान योग का उद्भव भी आर्यों से पहले की आबादी में हुआ था। काव्यों के युग के पहले उसकी कोई महत्वपूर्ण भूमिका आर्यों के धर्म में नहीं थी।ह्यह्य मार्शल का विवेचन सही नहीं है। वे सिंधु सभ्यता को वैदिक सभ्यता से प्राचीन मानते थे। उनकी मानें तो योग सिंधु सभ्यता के समय विकसित हुआ। वैदिक पूर्वजों ने इसे बहुत बाद में जाना। यह तथ्य संगत नहीं है। वैदिक पूर्वज योग से परिचित थे। योग चित्त चंचलता की समाप्ति का विज्ञान है। योग के द्वारा बुद्धि का जागरण वैदिक काल में भी था। यह जागरण सामान्य नहीं है। ऋग्वेद (5.44.14) में कहते हैं, ह्यह्यजो जागे हुए हैं। ऋचाएं उनकी कामना करती हैं।ह्यह्य मन की चंचलता मनुष्य का स्वभाव है। स्थिरप्रज्ञता योग की उपलब्धि है। ऋग्वेद में इन्द्र से कहते हैं, ह्यह्यआपका मन हमारी ओर हो। (8.45.6) वैदिक देव इन्द्र योग के विज्ञ थे। इन्द्र की प्रशंसा में कहते हैं, ह्यह्यआपने जन्म लेते ही अपना मन स्थिर किया।ह्यह्य सृजन का आनंद भी योग से मिलता है। ऋग्वेद (9.68.5) में कहते हैं, ह्यह्यआनंद प्रशिक्षित मन से आता है।ह्यह्य मार्शल की आधी बात ठीक है कि हड़प्पावासी योग से परिचित थे। मार्शल की यह बात गलत है कि ऋग्वैदिक काल में योग साधना नहीं थी। मार्शल की यह बात भी गलत थी कि आर्य जन योग से अपरिचित थे। ऋग्वेद में हिरण्यगर्भ का उल्लेख है। वे योग के प्रथम प्रवक्ता माने जाते हैं। योग को व्यवस्थित रूप में विज्ञान बनाने का काम ईसा की दूसरी सदी पूर्व पतंजलि ने किया था। माना जाता है कि वे पुष्यमित्र शुंग के परामर्शदाता थे। पतंजलि ने पाणिनि के व्याकरण पर महाभाष्य लिखा था। उन्होंने ही 'योगसूत्र' नामक महान ग्रंथ लिखा है।

आज का राशिफल

मेष - किसी से कहासुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी।

वृष - अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजनो के सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे।

मिथुन - परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा।

कर्क -स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे।

सिंह - लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है।

कन्या -स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा।

तुला -प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे।

वृश्चिक - स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। आगे बढ़े के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी।

धनु - शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा।

मकर - लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे।

कुंभ - माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे।

मीन – प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी।

दैनिक पंचांग

22 जून 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	07.05 बजे से
चंद्र	कन्या में	सिंह	09.21 बजे से
मंगल	वृष में	कन्या	11.33 बजे से
बुध	मिथुन में	तुला	13.44 बजे से
गुरु	कर्क में	वृश्चिक	15.59 ब.से
शुक्र	कर्क में	धनु	18.15 बजे से
शनि	मीन में	मकर	20.20 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	22.06 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	23.39 बजे से
		मेष	01.09 बजे से
		वृष	02.50 बजे से
		मिथुन	04.48 बजे से

राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक

सोमवार 2026 वर्ष का 173 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल
तिथि अष्टमी 15.41 बजे को समाप्त।
नक्षत्र उत्तराफाल्गुनी 10.23 बजे को समाप्त। **योग** व्यतीपात 10.31 बजे को समाप्त। **करण** बव 15.41 बजे तदनन्तर बालव 04.06 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 6.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 26'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872748
जूलियन दिन 2461213.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना मोहर्रम **तारीख** 06
विशेष मासिक दुर्गाष्टमी, धूमावती जयंती।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक		चर	05.43 से	07.14 बजे तक	
काल	07.22 से	08.50 बजे तक		रोग	07.14 से	08.45 बजे तक	
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक		काल	08.45 से	10.17 बजे तक	
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक		लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक	
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक		उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक	
चर	01.17 से	02.45 बजे तक		शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक	
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक		अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक	
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक		चर	04.22 से	05.53 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस: शांति, स्वास्थ्य और एकता का वैश्विक महामंत्र

-ओ.पी. पाल

दुनिया भर में मानव सभ्यता ने 21वीं सदी में जहां तकनीकी और वैज्ञानिक मोर्चे पर अभूतपूर्व प्रगति की है, वहीं मानसिक तनाव, जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां और आंतरिक अशांति जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना भी किया है। भौतिकता की अंधी दौड़ में हांफती हुई मानवता को जब एक ऐसे संबल की तलाश थी जो बिना किसी कृत्रिम साधन के शरीर, मन और आत्मा को एकाकार कर सके, तब भारत ने दुनिया को 'योग' का शाश्वत उपहार दिया।

प्रत्येक वर्ष 21 जून को मनाया जाने वाला अंतरराष्ट्रीय योग दिवस केवल कैलेंडर आयोजन नहीं बल्कि यह समूची मानवता को आरोग्य, शांति और एकात्मता के सूत्र में पिरोने का एक वैश्विक महाअभियान है। संयुक्त राष्ट्र संघ (यूएन) के इतिहास में सबसे तेजी से स्वीकृत होने वाले इस प्रस्ताव की पृष्ठभूमि, इसके पीछे का दर्शन, वैज्ञानिक आधार और वैश्विक यात्रा बेहद गौरवमयी रही है। 21 जून का दिन हमें याद दिलाता है कि भले ही हमारी भाषाएं, पहनावे, देश और संस्कृतियां अलग हों लेकिन हमारी सांसें और आंतरिक चेतना एक ही हैं। योग की यह वैश्विक लहर पूरी मानवता को विनाश से विकास की ओर, अवसाद से आनंद की ओर और अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने का सशक्त राजमार्ग बन चुकी है। यह आधुनिक युग का सबसे बड़ा जन-आंदोलन है, जो आने वाली पीढ़ियों को अधिक संवेदनशील, स्वस्थ और जागरूक बनाएगा।

संयुक्त राष्ट्र में भारत की कूटनीतिक विजय

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को वैश्विक मान्यता दिलाने का पूरा श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन और भारत की मजबूत सांस्कृतिक कूटनीति को जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 69वें सत्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहली बार दुनिया के सामने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने वैश्विक नेताओं के सामने योग की महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा था कि योग भारत की प्राचीन परंपरा का एक अमूल्य उपहार है। यह मन और शरीर, विचार और कर्म, संयम और पूर्ति की एकात्मकता का प्रतीक है। यह मनुष्य और प्रकृति के बीच सामंजस्य स्थापित करने वाला है। यह केवल व्यायाम नहीं है बल्कि अपने आप में, दुनिया और प्रकृति के साथ एकात्मता की भावना को खोजने का माध्यम है। जलवायु परिवर्तन से निपटने में भी यह हमारी जीवनशैली को बदल कर चेतना जागृत कर सकता है।

भारत द्वारा रखे गए इससे संबंधित प्रस्ताव का दुनिया के देशों ने अभूतपूर्व स्वागत किया। संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत के तत्कालीन स्थायी प्रतिनिधि ने प्रस्ताव संख्या 69/131 पेश की। इस प्रस्ताव को रिकॉर्ड 175 देशों का सह-प्रायोजन प्राप्त हुआ। संयुक्त राष्ट्र के इतिहास में आज तक किसी भी सामान्य सभा के प्रस्ताव को इतने बड़े पैमाने पर देशों का समर्थन नहीं मिला था। बिना किसी मतदान के, सर्वसिद्ध रूप से इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया गया और घोषणा की गई कि हर साल 21 जून 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। इस पूरी प्रक्रिया में महज 75 दिनों का समय लगा, जो संयुक्त राष्ट्र में अपने आप में एक रिकॉर्ड है। इसी वजह से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस लगातार 12वें साल में प्रवेश कर चुका है।

आदिगुरु से आधुनिक युग तक

योग का इतिहास हजारों वर्ष पुराना है। भारतीय सनातन परंपरा में भगवान शिव को 'आदिगुरु' या 'आदियोगी' माना गया है। उन्होंने ही सबसे पहले हिमालय पर कांति सरोवर के तट पर अपने सात शिष्यों (सप्तऋषियों) को योग का गूढ़ ज्ञान दिया था। यही ज्ञान बाद में दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में फैला। वेदों (विशेषकर ऋग्वेद) और उपनिषदों में योग का स्पष्ट उल्लेख मिलता है। श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान कृष्ण ने योग को परिभाषित करते हुए कहा है कि कर्मों में कुशलता ही योग है। योग शब्द की उत्पत्ति संस्कृत की 'युज' धातु से हुई है, जिसका अर्थ है- जुड़ना, एकत्र होना या मिलना। आध्यात्मिक स्तर पर इसका अर्थ जीवात्मा का परमात्मा से मिलन है, जबकि व्यावहारिक स्तर पर यह शरीर, मन और चेतना के बीच पूर्ण सामंजस्य स्थापित करने की कला है। यानी शरीर, मन और चेतना का पूर्ण संतुलन योग के माध्यम से ही है।\

तिथि चयन के पीछे वैज्ञानिक और भौगोलिक कारण

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए 21 जून की तारीख का चयन कोई संयोग नहीं बल्कि इसके पीछे गहरा भौगोलिक और आध्यात्मिक महत्व है। ग्रीष्म संक्रांति जून उत्तरी गोलार्ध का सबसे लंबा दिन होता है। इस दिन सूर्य की किरणें पृथ्वी पर सबसे लंबे समय तक रहती हैं। इसे 'ग्रीष्म संक्रांति' कहा जाता है। भारतीय खगोल विज्ञान और अध्यात्म के अनुसार, 21 जून के बाद सूर्य दक्षिणायन की ओर बढ़ने लगता है। दक्षिणायन के समय को आध्यात्मिक साधनाओं और आत्म-निरीक्षण के लिए बेहद अनुकूल माना जाता है। इसकी पृष्ठभूमि में यह भी मान्यता है कि ग्रीष्म संक्रांति के बाद आने वाले पहले चक्र (पूर्णिमा) पर ही आदिगुरु शिव ने सप्तऋषियों को योग की दीक्षा दी थी, जिसे 'गुरु पूर्णिमा' के रूप में भी मनाया जाता है। वहीं, जिस प्रकार 21 जून का दिन साल का सबसे लंबा दिन होता है और सूर्य की ऊर्जा चरम पर होती है, उसी प्रकार योग भी मनुष्य को दीर्घायु और असीमित ऊर्जा प्रदान करता है।

वैश्विक और कूटनीतिक प्रभाव

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस ने वैश्विक स्तर पर भारत की छवि को एक 'विश्व गुरु' और 'वैश्विक कल्याणकर्ता' के रूप में स्थापित किया है। योग ने भौगोलिक सीमाओं, धर्मों, जातियों और राजनीतिक विचारधाराओं की दीवारों को तोड़ दिया है। आज अमेरिकी राष्ट्रपति के व्हाइट हाउस से लेकर एफिल टॉवर (पेरिस) और चीन की महान दीवार तक, हर जगह योग दिवस पर योगाभ्यास की तस्वीरें देखी जाती है। वैश्विक स्तर पर योग के प्रसार से भारत में वैलनेस टूरिज्म का तेजी से विकास हुआ है। ऋषिकेश, मैसूर और केरल जैसे क्षेत्र वैश्विक योग हब बन चुके हैं। योग मैट, परिधानों और ऑर्गेनिक उत्पादों का वैश्विक बाजार अरबों डॉलर का हो चुका है।

चुनौतियां और भविष्य की राह

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस ने योग को जन-आंदोलन बना दिया है लेकिन अभी भी कुछ चुनौतियां हैं। वैश्विक स्तर पर योग के कई विकृत रूप जैसे 'हॉट योग', 'बीयर योग' आदि सामने आए हैं। योग के मूल आध्यात्मिक और वैज्ञानिक स्वरूप को बचाए रखना बड़ी चुनौती है। कई लोग योग को केवल 21 जून के एक दिन का उत्सव मान लेते हैं। आवश्यकता इस बात की है कि इसे 'कैलेंडर इवेंट' से निकाल कर दिनचर्या में शामिल किया जाए। भविष्य में योग को स्कूली शिक्षा के पाठ्यक्रम, कॉर्पोरेट कार्य संस्कृति और सार्वजनिक स्वास्थ्य नीतियों का अभिन्न अंग बनाया जाना चाहिए ताकि एक स्वस्थ और शांतिपूर्ण विश्व का निर्माण हो सके।

(लेखक के निजी विचार)

मनुष्य के चित्त का भटकाव रोकता है योग

अरुण कुमार दीक्षित

योग का अर्थ जोड़ होता है। योग व्यक्ति के अन्तस का रसायन शास्त्र परिवर्तित कर देता है। योग से व्यक्ति के अंदर प्रेम रस के स्रोत आने लगते हैं। नई चेतना आने लगती है। ऊर्जा से मनुष्य भर जाता है। व्यक्ति अप्रेम से प्रेम की ओर उन्मुख हो जाता है। व्यक्ति द्वैत से अद्वैत की यात्रा में आ जाता है। ऐसा योगी जन कहते आए हैं। हमारे जैसों ने हमने योग किया। अमुक ने योग किया। कुछ घटित नहीं हुआ। फलित नहीं हुआ। हम तत्काल निष्कर्ष पर जाते हैं। हमें वह नहीं हो रहा जो शास्त्रों में बताया गया है। श्रीकृष्ण कहते हैं कर्म तुम्हें करना है। तुम फल क्या आएगा इस निष्कर्ष में न पड़ो। श्रीकृष्ण कहते हैं ₹कर्मण्येवाधिकारस्ते मां फलेषु कदाचनः₹ तुम्हारा अधिकार कर्म करने का ही है। परिणाम पर तुम्हारा अधिकार नहीं है। परिणाम में तुमसे संबंध नहीं है। तुम फल से असंबद्ध ही रहो। वे आगे कहते हैं ₹मा कर्मफलहेतुर्भ₹ तुम स्वयं को अपने कर्मों फलों का कारण मत जानो। वह निष्काम कर्म की बात कर रहे हैं। वे कह रहे हैं फल की ओर ध्यान न देकर पूरी शक्ति कर्म पर लगा दो। यहां यह भी लगता है कि जब पूरी शक्ति किसी कर्म में लगेगी तो बहुत संम्भव है परिणाम अच्छा आएगा। गीता में योग के विषय में कहा गया है कि जीव का परमात्मा के साथ जो सम्बंध है वह योग है। वस्तु व्यक्ति क्रिया, पदार्थ, घटनाओं वस्तुओं आदि के सम्बंध भोग है। योग नित्य और भोग अनित्य है। पतंजलि श्रीकृष्ण के बाद हुए। पतंजलि योगाश्चितवृत्ति निरोध की देशना में है। पतंजलि कहते हैं योग से मनुष्य के चित की वृत्तियों का निरोध हो जाता है। चित्त का भटकाव रुक जाता है। चित्त का व्यापार रुक सकता है। मगर पतंजलि का यह वक्तव्य बड़ा कठिन मालूम पड़ता है। योग में कैसे उतरा जाए। कोई योग का विद्यार्थी पहली सीढ़ी में क्या करे। यहाँ ध्यान रहे की बात चित्त वृत्ति के निरोध की हो रही है। रोकने की हो रही है। और हम जीवन व्यापार में लगातार उठते बैठते लगे रहते हैं। हम आँख बंद कर योग के लिए बैठते हैं हमको सब दृश्य लाभ-हानि के दिखाई देने लगते हैं। तभी संपत्ति भी दिखाई देने लगती है। यहाँ फिर वही बात है कि माया पीछा करती है। बड़ी कठिनाई है? योग से यह कठिनाई चली जाती है। और योग में उतरने के पहले ही यह कठिनाइयां योग में जाने नहीं देती हैं। जीवन के अनेक नए पुराने दृश्य दिखाई देने लगते हैं। जैसे ही आँख बंद कर बैठे वैसे जगत सामने नृत्य करता है। ज्ञानी जनो ने इसे माया कहा। कबीर ने कहा कि माया महाठगिनी हम जानी। लोग गुरुओं के पास जाते हैं वह व्यायाम को योग बताने लगते हैं। यह और झंझट है। योग में व्यायाम आ गया। व्यायाम और कसरत योग से भिन्न है। हाँ व्यायाम से शरीर हष्ट-पुष्ट बलिष्ठ बनता है। व्यायाम और आहार की शुद्धता आलस्य नही आने देते हैं। आहार ठीक नहीं तो शरीर खराब होगा। आहार उत्तेजक है या अधिक है तो शरीर मन दोनों उत्तेजना में रहेंगे। इसलिए शुद्ध आहार से शुद्ध विचार आते हैं। मगर चेतना का स्तर ऊर्ध्व नहीं होता है। योग बिलकुल अलग बात है। पतंजलि योग की पहली सीढ़ी में कहते हैं। यम। यम के पांच अर्थ बताए गए हैं। पहला है अहिंसा। मन और वचन शब्दों से किसी को कष्ट न होने पाए। कोई आपसे दुखी न होने पाए। दूसरा है सत्य। अब यह और कठिन है। सत्य का व्यवहार करना है। दिन-रात झूठ के व्यवहार हैं। व्यापार भी हैं। राजनीति में दिनभर असत्य बोलने की कार्यवाही है। ईशावास्योपनिषद की एक ऋचा में कहा गया है, कि परम सत्य का मुँह हिरण्यमय स्वर्ण पात्र से ढंका है। उपनिषदों में सत्य (ब्रह्म) को निराकार अजन्मा कहा गया है। उपनिषद दार्शनिक और खोज पर जोर देते हैं। गीता में ज्ञान के साथ कर्म कर्तव्य पर जोर है। सत्य को ही बोला जाए सत्य को पहले ही जान लिया जाए। यहाँ फिर तब योग की आवश्यकता पर प्रश्न है। तीसरा है अस्तेय। चोरी न करना। किसी वस्तु की चोरी न करना। यहां चोरी न करना सनातन में निंदित रहा है। भारतीय संस्कृति में बुद्ध, महावीर, श्री अरविंद भी चोरी नहीं करने और अहिंसा पर जोर देते हैं। गांधी ने भी अहिंसा पर जोर दिया। यहाँ पतंजलि चोरी न करने की बात को भी योग से जोड़ते हैं। चित्त से जोड़ते हैं। चोरी न करना योग में उतरने में सहायक बता रहे हैं। अहिंसा को सत्य को चित्त की वृत्ति से जोड़कर योग में जाने का मार्ग वे प्रशस्त करते दिखाई देते हैं। फिर कहते हैं ब्रह्मचर्य। अपनी इंद्रियों को संयम में रखना। अपनी ऊर्जा को बचाकर रखना। इसके बाद है अपरिग्रह। अर्थात वस्तुओं को एकत्रित न करना। संग्रह न करना। यहाँ निर्मल चित्त योग की नदी पार करने की यात्रा में सहायक होगा। गीता में ही कृष्ण कह रहे हैं योग शारीरिक अभ्यास नहीं है। आत्मा और परमात्मा के मिलन के समभाव में रहकर अपना कर्तव्य निर्वाह ही योग है। गीता अध्याय 2 में श्लोक 48 में उन्होंने ₹समत्वं योग उच्चते कहा है₹। कृष्ण कहते हैं कि सफलता या असफलता की चिंता किए बिना समभाव में रहकर अपना कर्तव्य निर्वाह ही योग है। फिर वह कर्म योग की बात करते हैं। निष्काम कर्म को श्रेष्ठ कह रहें हैं। गीता में योग के तीन प्रमुख मार्ग बताए गए हैं। पहला कर्म योग निष्काम भाव से अपने कर्तव्यों का पालन करना। दूसरा भक्ति योग पूर्ण श्रद्धा और प्रेम के साथ ईश्वर की शरण में जाना। तीसरा है ज्ञान योग। विवेक और ज्ञान योग के माध्यम से सत्य को जानना। योग व्यायाम नहीं है आत्मा का परमात्मा से मिलन और जीवन जीने की उत्कृष्ट कला है योग। गीता में योग कर्मसु कौशलम् अर्थात कर्म में कुशलता। श्रीकृष्ण कहते हैं कर्मों की पूरी कुशलता और संतुलन के साथ करना ही योग है। यहां कुशलता का अर्थ चतुराई नहीं है बल्कि अनासक्त फल की इच्छा के बिना कर्तव्य पालन है। वहीं, पतंजलि ने दुख के पांच कारण बताए हैं, जिन्हें योग द्वारा समाप्त किया जा सकता है। इनमें पहला है अविद्या या असत्य को सत्य मान लेना। दूसरा है 'अस्मिता' अहंकार या स्वयं को शरीर और मन समझ लेना। तीसरे को पतंजलि ने राग कहा है। सुख के प्रति अत्यधिक मोह राग है। और चौथा है अप्रिय के प्रति और अनुभवों के प्रति गुस्सा किया जाना। सफलता के दो स्तम्भ बताएं हैं। मन को स्थिर करने और योग में सफलता के दो उपाय हैं। इसके लिए अभ्यास प्राथमिक है। मन को शांत रखने के लिए लंबे समय तक नियंत्रण का प्रयास करना। दूसरा है वैराग्य अर्थात बाहरी दुनिया की क्षणिक और भौतिक वस्तुओं के प्रति इच्छा का त्याग करना। योग वह अवस्था है जो मनुष्य को संसार के दुखों के बंधनों से मुक्त कर देती है।

(लेखक के निजी विचार)

रजरप्पा : मां छिन्नमस्तिका मंदिर

रजरप्पा मंदिर (मुख्यतः मां छिन्नमस्तिका मंदिर) भारत के झारखंड राज्य के रामगढ़ जिले में स्थित एक बेहद प्रसिद्ध, प्राचीन और अलौकिक शक्तिपीठ है। यह मंदिर न केवल अपनी धार्मिक और आध्यात्मिक महत्ता के लिए जाना जाता है, बल्कि अपने अद्वितीय भूगोल, तांत्रिक इतिहास और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए भी विश्वभर में विख्यात है। यहाँ रजरप्पा मंदिर का एक अत्यंत विस्तृत और व्यापक विवरण दिया गया है, जो इसके इतिहास, पौराणिक कथाओं, स्थापत्य कला और सांस्कृतिक महत्व को गहराई से समझाता है।

1. भौगोलिक स्थिति और प्राकृतिक सौंदर्य

रजरप्पा मंदिर रामगढ़ से लगभग 28 किलोमीटर और राजधानी रांची से लगभग 70 किलोमीटर दूर दामोदर और भैरवी (भेड़ा) नदी के पावन संगम पर स्थित है।

संगम का दृश्य: यहाँ भैरवी नदी एक ऊंचे झरने (राजराप्पा जलप्रपात) के रूप में दामोदर नदी में मिलती है। भौगोलिक दृष्टि से यह दृश्य बेहद मनोरम है।

तांत्रिक महत्व: तंत्र शास्त्र में नदियों के संगम को ऊर्जा का केंद्र माना जाता है। दामोदर को 'पुरुष' और भैरवी को 'स्त्री' नदी माना गया है, इसलिए इनका मिलन शक्ति और शिव के मिलन का प्रतीक है।

2. मुख्य देवी: मां छिन्नमस्तिका

इस मंदिर की मुख्य आराध्य देवी मां छिन्नमस्तिका (छिन्नमस्ता) हैं, जिन्हें दस महाविद्याओं में से छठी महाविद्या माना जाता है।

विग्रह (मूर्ति) का स्वरूप:

मंदिर के गर्भगृह में स्थापित माता की मूर्ति अत्यंत विहंगम और विस्मयकारी है: मूर्तिकला में मां छिन्नमस्तिका का सिर कटा हुआ है और वे अपने बाएं हाथ में अपना ही कटा हुआ सिर पकड़े हुए हैं। उनके गले से रक्त की तीन धाराएं निकलती हैं। एक धारा स्वयं देवी के कटे सिर के मुख में जा रही है, और बाकी दो धाराएं उनकी दो सहचरियों–डाकिनी और शाकिनी–के मुख में जा रही हैं।

देवी मां कामदेव और रति के रति-क्रीड़ारत शरीर पर खड़ी हैं, जो इस बात का प्रतीक है कि देवी ने वासना और संसार की नश्वरता पर विजय प्राप्त कर ली है।

3. पौराणिक एवं ऐतिहासिक कथाएं

रजरप्पा मंदिर के उद्गम को लेकर कई पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं:

कथा १: सहचरियों की भूख मिटाना

एक बार मां भवानी अपनी दो सहचरियों (जया और विजया) के साथ मंदाकिनी नदी में स्नान करने गईं। स्नान के बाद सहचरियों को तीव्र भूख लगी और भूख के कारण उनका रंग काला पड़ने लगा। उन्होंने मां से भोजन मांगा। माता ने कुछ समय प्रतीक्षा करने को कहा, लेकिन भूख की व्याकुलता इतनी बढ़ गई कि सहचरियों ने मां से गुहार लगाई। तब ममतामयी मां ने अपने ही खड्ग से अपना सिर काट दिया। कटे सिर से रक्त की धाराएं निकलीं, जिससे उनकी सहचरियों और स्वयं की भूख शांत हुई। इसी कारण उन्हें 'छिन्नमस्तिका' (कटे सिर वाली) कहा गया।

कथा २: बौद्ध धर्म से संबंध

इतिहासकारों का मानना है कि यह स्थान प्राचीन काल में बौद्ध तांत्रिकों का भी एक बड़ा केंद्र था। बौद्ध वज्रयान संप्रदाय में इन्हें छिन्नमुंडा वज्रवाराही के रूप में पूजा जाता है। इससे यह स्पष्ट होता है कि यह मंदिर सनातन और बौद्ध दोनों परंपराओं के मिलन का गवाह रहा है।]

4. एक प्रमुख शक्तिपीठ और तंत्र साधना का केंद्र

हिंदू धर्म में रजरप्पा को एक अत्यंत जागृत सिद्धपीठ और शक्तिपीठ माना जाता है।

असम के कामाख्या मंदिर के बाद: पूरे भारत में तांत्रिक साधना के लिए असम के कामाख्या मंदिर के बाद रजरप्पा के छिन्नमस्तिका मंदिर को ही सबसे बड़ा केंद्र माना जाता है।

साधना का समय: विशेषकर नवरात्रि, महाशिवरात्रि, और विशेष रूप से अमावस्या की रात को यहाँ देश-विदेश से अघोरी, तांत्रिक और साधक गुप्त साधनाओं के लिए जुटते हैं।

5. मंदिर परिसर और अन्य मंदिर

यद्यपि मुख्य आकर्षण मां छिन्नमस्तिका का मंदिर है, लेकिन इस पूरे परिसर में कई अन्य महत्वपूर्ण मंदिर भी हैं, जो इसे एक वृहद धार्मिक स्थल बनाते हैं:

- महाकाली मंदिर
- सूर्य मंदिर
- दस महाविद्या मंदिर (जहाँ देवी के दसों रूपों की पूजा होती है)
- हनुमान मंदिर
- शिव मंदिर

यहाँ की शिलाओं पर प्राचीन नक्काशी और टूटे हुए अवशेष इस बात का संकेत देते हैं कि यह मंदिर कई शताब्दियों पुराना है और इसका कई बार जीर्णोद्धार किया गया है।

6. उत्सव और सांस्कृतिक महत्व

रजरप्पा में सालों भर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है, लेकिन कुछ विशेष अवसरों पर यहाँ का माहौल देखते ही बनता है:

शारदीय और चैत्र नवरात्रि: इन नौ दिनों में यहाँ लाखों की संख्या में भक्त आते हैं। माता का विशेष श्रृंगार किया जाता है।

मकर संक्रांति: जनवरी के महीने में यहाँ एक विशाल मेला लगता है, जहाँ श्रद्धालु दामोदर और भैरवी के संगम पर पवित्र स्नान करते हैं।

बलि प्रथा: इस मंदिर में प्राचीन काल से ही बकरे की बलि देने की परंपरा है। ऐसा माना जाता है कि सात्विक पूजा के साथ-साथ तांत्रिक पद्धति में दी जाने वाली यह बलि देवी को प्रसन्न करने का एक हिस्सा है (हालांकि, अब कई लोग यहाँ नारियल चढ़ाकर सात्विक बलि भी देते हैं)।

मनोरम और सुरम्य पर्वतीय स्थल: पतरातू घाटी

पतरातू घाटी: झारखंड राज्य के रामगढ़ जिले में स्थित एक अत्यंत लुभावना, मनोरम और सुरम्य पर्वतीय स्थल है। अपनी घुमावदार हरी-भरी सड़कों, गहरी खाइयों, ऊंचे पहाड़ों और अद्भुत प्राकृतिक दृश्यों के कारण इसे 'झारखंड का शिमला' या 'छोटा ऊटी' भी कहा जाता है।

हाल के वर्षों में यह घाटी न केवल झारखंड, बल्कि पूरे भारत के पर्यटकों, प्रकृति प्रेमियों, फोटोग्राफर्स और बाइकर्स के लिए एक प्रमुख आकर्षण केंद्र बनकर उभरी है। आइए, पतरातू घाटी के इतिहास, भूगोल, आकर्षण और इसकी विशेषता का एक विस्तृत सफरनामा देखते हैं।

1. भौगोलिक स्थिति और पहुंच

पतरातू घाटी रांची (झारखंड की राजधानी) से लगभग 35 से 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह रामगढ़ जिले के अंतर्गत आती है।

सड़क मार्ग: रांची से पतरातू की ओर जाने वाली चार लेन की चमचमाती सड़क (पिठोरिया-पतरातू हाईवे) इस घाटी से होकर गुजरती है।\

ऊंचाई: यह घाटी समुद्र तल से लगभग 1200 फीट से अधिक की ऊंचाई पर स्थित है, जिसके कारण यहाँ का मौसम साल के अधिकांश समय सुहावना बना रहता है।

2. वास्तुकला और मुख्य आकर्षण: 'जलेबी मोड'

पतरातू घाटी की सबसे बड़ी यूएसपी इसकी घुमावदार और सर्पिलाकार सड़कें हैं। पहाड़ों को काटकर बनाई गई ये सड़कें ऊपर से देखने पर हूबहू जलेबी के आकार जैसी दिखती हैं, इसलिए इन्हें स्थानीय तौर पर 'जलेबी मोड़' कहा जाता है।

इंजीनियरिंग का कमाल: हरी-भरी पहाड़ियों के बीच से गुजरती यह चिकनी, साफ-सुथरी काले रंग की सड़क और उसके किनारे बने सफेद-पीले डिवाइडर इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर के पहाड़ी रास्तों जैसा लुक देते हैं।

व्यू पॉइंट्स: घाटी के सबसे ऊंचे स्थानों पर कई व्यू पॉइंट्स बनाए गए हैं। यहाँ से नीचे देखने पर गहरी हरी खाइयां और सांप की तरह बलखाती सड़कें एक जादुई दृश्य पैदा करती हैं।

3. पतरातू डैम

जब आप घाटी के घुमावदार रास्तों को पार करते हुए नीचे उतरते हैं, तो पहाड़ों के अंत में एक विशाल जलाशय आपका स्वागत करता है, जिसे पतरातू डैम कहा जाता है।

निमार्ण: इस डैम का निर्माण नलकारी नदी पर किया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य पतरातू थर्मल पावर स्टेशन को पानी की आपूर्ति करना था।

सैलानियों का गढ़: आज यह डैम एक बहुत बड़ा टूरिस्ट स्पॉट बन चुका है। यहाँ पर्यटक बोटिंग, जेट स्की और मोटर बोटिंग का आनंद लेते हैं।

टापू : डैम के बीच में छोटे-छोटे टापू जैसे द्वीप हैं, जो इसके सौंदर्य को दोगुना कर देते हैं।

4. पतरातू लेक रिसॉर्ट

झारखंड सरकार के पर्यटन विभाग ने पतरातू डैम के किनारे एक अंतरराष्ट्रीय स्तर का लेक रिसॉर्ट विकसित किया है।

सुविधाएं: यहाँ बच्चों के लिए पार्क, एम्फीथिएटर, खूबसूरत सेल्फी पॉइंट्स, और खाने-पीने के लिए बेहतरीन रेस्टोरेंट्स हैं।

वाटर स्पोर्ट्स: एडवेंचर के शौकीनों के लिए यहाँ वाटर स्पोर्ट्स और बंजी जंपिंग जैसी गतिविधियां भी आयोजित की जाती हैं।

रात्रि सौंदर्य: शाम के समय जब रिसॉर्ट की रंग-बिरंगी लाइटें पानी में अपनी छवि बनाती हैं, तो वह दृश्य अत्यंत मनमोहक होता है।

5. फोटोग्राफी, फिल्म शूटिंग और वीकेंड गेटवे

फोटोग्राफर्स का स्वर्ग: सूर्योदय और सूर्यास्त के समय जब सूरज की किरणें घाटी के पहाड़ों और डैम के पानी पर पड़ती हैं, तो वह नजारा कैमरों में कैद करने लायक होता है। सुबह के समय यहाँ की धुंध और कोहरा किसी का भी दिल जीत सकता है।

फिल्म शूटिंग: अपनी बेजोड़ खूबसूरती के कारण यह घाटी क्षेत्रीय (नागपुरी, संथाली, भोजपुरी) और बॉलीवुड फिल्मों तथा वेब सीरीज की शूटिंग के लिए एक पसंदीदा हॉटस्पॉट बनती जा रही है।

बाइकर्स और ड्राइवर्स की पहली पसंद: रांची और आस-पास के बाइकर्स के लिए वीकेंड पर पतरातू घाटी में राइड करना एक थेरेपी जैसा है।

6. यात्रा का सबसे अच्छा समय

यद्यपि पतरातू घाटी साल भर खूबसूरत लगती है, लेकिन इसका असली रूप मानसून (जुलाई से सितंबर) और सर्दियों (अक्टूबर से फरवरी) के मौसम में निखरता है।

मानसून: बारिश के दिनों में यहाँ के पहाड़ घने बादलों और कोहरे से घिर जाते हैं। ऐसा लगता है मानो आप बादलों के ऊपर तैर रहे हों। चारों तरफ झरने फूट पड़ते हैं।

सर्दियां: सर्दियों की गुनगुनी धूप में घाटी में पिकनिक मनाने और बोटिंग करने का मजा ही कुछ और है।

रामगढ़ कैथा प्राचीन शिव मंदिर

कैथा शिव मंदिर झारखंड के रामगढ़ जिले में स्थित एक अत्यंत प्राचीन, ऐतिहासिक और स्थापत्य कला का बेजोड़ नमूना है। यह मंदिर न केवल अपनी धार्मिक महत्ता के लिए जाना जाता है, बल्कि इसकी अनूठी सैन्य वास्तुकला के कारण भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (अरक) द्वारा इसे राष्ट्रीय धरोहर घोषित किया गया है।

यहाँ रामगढ़ के इस ऐतिहासिक कैथा शिव मंदिर का एक विस्तृत और व्यापक विवरण दिया गया है:

1. ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और निर्माण

कैथा शिव मंदिर का इतिहास रामगढ़ राजघराने के गौरवशाली अतीत से गहराई से जुड़ा हुआ है।

निर्माण काल: इस मंदिर का निर्माण लगभग 17वीं शताब्दी (सन 1670 के आसपास) में हुआ था।

निमार्ता: ऐसा माना जाता है कि रामगढ़ राजघराने के राजा दलेल सिंह ने इस भव्य मंदिर का निर्माण करवाया था। राजा दलेल सिंह स्वयं एक महान योद्धा, शिव भक्त और साहित्यकार थे।

उद्देश्य: यह केवल एक पूजा स्थल नहीं था। रामगढ़ के राजाओं ने अपनी राजधानी को सुरक्षा देने और युद्ध के समय रणनीतिक लाभ उठाने के लिए इस मंदिर को एक किले या दुर्ग के रूप में तैयार करवाया था।

2. वास्तुकला और बनावट (सैन्य और धार्मिक मिलन)

कैथा शिव मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता इसकी बनावट है। पहली नजर में यह किसी मंदिर जैसा न लगकर एक मजबूत किले या ऊंचे बुर्ज जैसा दिखाई देता है। यह मुगल-राजपूत स्थापत्य शैली और स्थानीय कला का एक अद्भुत मिश्रण है।

दो मंजिला संरचना और दोहरी दीवारें:

यह मंदिर दो मंजिला है। इसकी दीवारें अत्यंत मोटी और मजबूत हैं, जिन्हें बनाने में ईंटों, पत्थरों, चूने और सुर्खी (मिट्टी का लेप) का प्रयोग किया गया है। दीवारों के बीच में गुप्त गलियारे और सीढ़ियाँ बनी हुई हैं, जो सीधे ऊपरी मंजिल पर जाती हैं।

सैन्य महत्व (सुरक्षा छिद्र):

मंदिर की दीवारों में छोटे-छोटे छिद्र बनाए गए हैं। इनका उपयोग युद्ध के समय सैनिक अपनी बंदूकें या तीर-कमान चलाकर दुश्मनों पर हमला करने के लिए करते थे, जबकि बाहर बैठा दुश्मन अंदर के सैनिकों को नहीं देख सकता था। ऊपरी मंजिल का उपयोग राजा और उनके सैनिक दुश्मनों पर नजर रखने के लिए करते थे।

3. गर्भगृह और मुख्य शिवलिंग

मंदिर के केंद्र में यानी धरातल पर मुख्य गर्भगृह स्थित है, जहाँ भगवान शिव विराजमान हैं।

शिवलिंग: गर्भगृह में एक प्राचीन और विशाल शिवलिंग स्थापित है। यह शिवलिंग सदियों से स्थानीय लोगों की अगाध श्रद्धा का केंद्र रहा है।

प्रवेश द्वार: मंदिर का मुख्य प्रवेश द्वार छोटा और संकरा है, जो सुरक्षा की दृष्टि से बनाया गया था ताकि कोई भी दुश्मन अचानक या सामूहिक रूप से अंदर प्रवेश न कर सके।

गुंबद की बनावट: मंदिर का ऊपरी हिस्सा गुंबदाकार है, जो उस काल की वास्तुकला की छाप छोड़ता है।

4. वर्तमान स्थिति और राष्ट्रीय धरोहर

समय के थपेड़ों और रख-रखाव के अभाव में यह मंदिर एक समय जर्जर स्थिति में पहुंच गया था, लेकिन इसके ऐतिहासिक महत्व को देखते हुए सरकार ने इस पर ध्यान दिया।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण: इस मंदिर के अद्वितीय ऐतिहासिक और सैन्य-धार्मिक महत्व को देखते हुए ए.एस.आई. ने इसे अपने संरक्षण में ले लिया है और इसे 'राष्ट्रीय महत्व का स्मारक' घोषित किया है।

संरक्षण कार्य: ए.एस.आई. द्वारा मंदिर परिसर की मरम्मत की गई है, और इसके चारों ओर खूबसूरत पार्क और घेराबंदी की गई है ताकि इसकी प्राचीन दीवारों को नुकसान न पहुंचे।

5. सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व

रामगढ़ और इसके आस-पास के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए कैथा शिव मंदिर आस्था का एक पवित्र केंद्र है।

महाशिवरात्रि उत्सव: महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर यहाँ एक भव्य मेले का आयोजन होता है। हजारों की संख्या में श्रद्धालु बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक करने और मन्नतें मांगने यहाँ आते हैं।

सावन का महीना: सावन के पावन महीने में यहाँ विशेष पूजा-अर्चना की जाती है और पूरा मंदिर परिसर 'हर हर महादेव' के जयकारों से गूंज उठता है।

पर्यटन: इतिहास प्रेमियों, वास्तुशिल्प के छात्रों और पर्यटकों के लिए यह जगह एक बेहतरीन गंतव्य है।

उत्साह के साथ मनाया गया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

उज्जवल दुनिया संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूमः 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पश्चिमी सिंहभूम जिले में जिला प्रशासन, आयुष विभाग, शैक्षणिक संस्थानों, पंचायत प्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों के सहयोग से विभिन्न स्थानों पर योग कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिले के शहरों से लेकर गांवों तक लोगों ने सामूहिक योगाभ्यास में भाग लेकर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया।

जिला प्रशासन एवं आयुष विभाग के संयुक्त तत्वावधान में बिरसा मुंडा इंडोर स्टेडियम, चाईबासा में जिला स्तरीय सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन उपायुक्त मनीष कुमार, जिला परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी सुरेन, उप विकास आयुक्त उत्कर्ष कुमार, सिविल सर्जन डॉ. जूझार माझी और अपर उपायुक्त किस्टो कुमार बेसरा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

योग प्रशिक्षक सुमित विश्वकर्मा और सोम कुमार नायक ने आयुष मंत्रालय के कॉमन योग प्रोटोकॉल के अनुसार उपस्थित लोगों को ताड़ासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन, भुजंगासन, वज्रासन, शवासन सहित विभिन्न योगासनों तथा अनुलोम-विलोम, कपालभाति और भ्रामरी प्राणायाम का अभ्यास कराया। उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि योग स्वस्थ, संतुलित और सकारात्मक जीवन का आधार है तथा इसे दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाना समय की आवश्यकता है। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में भी योग दिवस को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) के तत्वावधान में सदर प्रखंड के कमारहातु गांव में ग्रामीणों के लिए योग शिविर आयोजित किया गया, जिसमें लोगों ने सामूहिक रूप से योगाभ्यास किया और प्रतिदिन योग करने का संकल्प लिया। वहीं मतकमहातु पंचायत की मुखिया जुलियाना देवगम की अगुवाई में कमारहातु फुटबॉल मैदान में भी ग्रामीणों और युवाओं ने योग कर स्वस्थ जीवन का संदेश दिया।

खूंटपानी प्रखंड के पुरुनियाँ फुटबॉल मैदान में आयोजित कार्यक्रम में प्रखंड प्रमुख सिद्धार्थ होनहागा, बीडीओ धनंजय पाठक, सीओ फुलेश्वर साव, चिकित्सक, शिक्षक, कर्मचारी और छात्र-छात्राएं शामिल हुए। वक्ताओं ने योग को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक बताते हुए इसे नियमित रूप से अपनाने की अपील की।

इधर महिला कॉलेज चाईबासा में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और माई भारत के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में लगभग 75 छात्राओं ने भाग लिया। विशेषज्ञों ने छात्राओं को योग के शारीरिक एवं मानसिक लाभों की जानकारी दी तथा प्रशिक्षक मदन मोहन मिश्रा ने विभिन्न योगासन और प्राणायाम का अभ्यास कराया।

योग दिवस के अवसर पर जिलेभर में लोगों ने स्वास्थ्य, अनुशासन और सकारात्मक जीवनशैली के लिए योग को अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रमों के दौरान योग के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले योग मित्रों, प्रशिक्षकों और अन्य कर्मियों को सम्मानित भी किया गया।

संक्षिप्त खबरें

बकाया भुगतान दिलाने को लेकर 75 मजदूर पहुंचे पूर्व मंत्री के पास

पूर्वी सिंहभूम : पूर्वी सिंहभूम जिले के पटमदा प्रखंड अंतर्गत कुमीर पंचायत के लगभग 75 मजदूरों का बकाया भुगतान नहीं होने का मामला रविवार को जमशेदपुर स्थित पूर्व मंत्री सह भाजपा नेता दुलाल भुईयां के भुईयाडीह स्थित आवासीय कार्यालय पहुंचा। मजदूरों ने सामूहिक रूप से दुलाल भुईयां से मुलाकात कर अपनी समस्याओं से अवगत कराया और जल्द भुगतान कराने की मांग की। मजदूरों ने बताया कि कार्य करने के बावजूद उन्हें अब तक मेहनताना नहीं मिला है, जिससे उनके समक्ष आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है। भुगतान नहीं मिलने के कारण मजदूरों और उनके परिवारों को दैनिक जरूरतों की पूर्ति में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।५मामले की गंभीरता को देखते हुए दुलाल भुईयां ने तत्काल संबंधित ठेकेदार रविंद्र गुप्ता, जो डिमना के निवासी हैं, से दूरभाष पर बातचीत की। बातचीत के दौरान ठेकेदार रविंद्र गुप्ता ने दो दिनों के भीतर सभी मजदूरों का बकाया भुगतान करने का आश्वासन दिया। इस संबंध में पैटीदार बिनोद गोराई का भी नाम सामने आया है।मजदूरों के प्रतिनिधियों ने उम्मीद जताई कि निर्धारित समय सीमा के भीतर उनका भुगतान कर दिया जाएगा। दुलाल भुईयां ने भी मजदूरों को भरोसा दिलाया कि यदि तय समय में भुगतान नहीं किया गया तो मामले को आगे उठाकर मजदूरों को न्याय दिलाने का प्रयास किया जाएगा। इस दौरान मजदूरों में फूलचंद महतो, सूर्या सहिस, राजीव कुमार महतो, लालचंद महाली, जागरण कालिंदी, रतिलाल कालिंदी और विजय कालिंदी सहित अन्य मजदूर मौजूद थे। बैठक में झारखंड मजदूर यूनियन के मजदूर नेता कमल राम यादव, कुंज बिभार, मन्नू मंडल, जोलेश भुईयां, सदानंद टोपनो सहित अन्य लोग भी उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर जमशेदपुर में हुए विविध आयोजन, हजारों लोगों ने किया योगाभ्यास

पूर्वी सिंहभूमः अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को जमशेदपुर शहर में विभिन्न स्थानों पर योग शिविरों और सामूहिक योग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। पार्कों, मंदिर परिसरों, सामुदायिक भवनों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर योगाभ्यास किया तथा स्वस्थ और निरोग जीवन का संकल्प लिया। शहरभर में आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को योग के महत्व और उसके स्वास्थ्य लाभों के प्रति जागरूक किया गया। सिदगोड़ा स्थित सूर्य मंदिर परिसर में आयोजित एक प्रमुख योग कार्यक्रम में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने अपने समर्थकों और स्थानीय लोगों के साथ योगाभ्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आधुनिक जीवनशैली, अनियमित दिनचर्या और बढ़ते मानसिक तनाव के कारण लोग अनेक प्रकार की शारीरिक और मानसिक समस्याओं का सामना कर रहे हैं। ऐसे समय में योग स्वस्थ जीवन की दिशा में सबसे सरल, सुलभ और प्रभावी उपाय बनकर सामने आया है। रघुवर दास ने लोगों से नियमित रूप से योग करने की अपील करते हुए कहा कि योग शरीर, मन और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करता है। योग केवल शारीरिक स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानसिक शांति, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच विकसित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से योग को वैश्विक पहचान मिली है और आज दुनिया के अनेक देशों में लोग इसे अपनी जीवनशैली का हिस्सा बना रहे हैं। इस अवसर पर प्रदेश के पूर्व मंत्री एवं भुईयां समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष दुलाल भुईयां ने भी लोगों को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने मां कात्यायनी काली मंदिर परिसर में आयोजित योग कार्यक्रम में भाग लेकर योगाभ्यास किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि योग को केवल एक दिन के आयोजन तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि इसे दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए। दुलाल भुईयां ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ शरीर, शांत मन और सकारात्मक जीवन दृष्टिकोण का आधार है। नियमित योगाभ्यास से व्यक्ति रोगों से दूर रहता है, मानसिक रूप से मजबूत बनता है तथा जीवन की चुनौतियों का सामना अधिक आत्मविश्वास के साथ कर सकता है। वहीं भारतीय जनता पार्टी के सुंदर नगर मंडल द्वारा सुंदर नगर गुरुद्वारा रोड स्थित माली भवन में विशेष योग शिविर का आयोजन किया गया। मंडल अध्यक्ष अमित मिश्रा के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में पूर्व विधायक मेनका सरदार, मंडल प्रभारी सुबोध झा, पूर्व जिला परिषद सदस्य रानाडे सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, महिलाएं और स्थानीय नागरिक शामिल हुए। योग शिविर में प्रतिभागियों ने प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में विभिन्न योगासन और प्राणायाम का अभ्यास किया। कार्यक्रम के दौरान ₹योग करें, निरोग रहें₹ का संदेश देते हुए लोगों को नियमित योग करने के लिए प्रेरित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि योग स्वस्थ समाज के निर्माण का आधार है और इसे जन-जन तक पहुंचाने की आवश्यकता है।

महिला से सोने की चेन की छिनतई, जांच में जुटी पुलिस

पूर्वी सिंहभूम : शहर में चेन स्नैचरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। ताजा मामला सिदगोड़ा थाना क्षेत्र का है, जहां रविवार सुबह सूर्य मंदिर के समीप मॉर्निंग वॉक कर रही एक महिला से बदमाश ने सोने की चेन छीन ली। जानकारी के अनुसार, रीना मिश्रा सुबह टहलने के लिए निकली थीं। इसी दौरान एक स्कूटी सवार युवक पीछे से उनके पास पहुंचा। महिला के अनुसार, बदमाश ने पहले उन्हें थप्पड़ मारा और फिर उनके गले से सोने की चेन झपटकर तेजी से फरार हो गया। घटना इतनी अचानक हुई कि वह संभल भी नहीं सकीं। वारदात के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। पीड़िता और स्थानीय नागरिकों ने मंदिर परिसर एवं आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की, लेकिन फुटेज में आरोपित की स्पष्ट पहचान नहीं हो सकी। इसके बाद घटना की सूचना सिदगोड़ा थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

फायरिंग का खुलासा, एक आरोपित गिरफ्तार

उज्जवल दुनिया संवाददाता

पूर्वी सिंहभूमः गोलमुरी थाना क्षेत्र के रामदेव बगान में बीते दिनों हुई फायरिंग की घटना का पुलिस ने सफलतापूर्वक खुलासा कर दिया है। मामले में एक आरोपित को गिरफ्तार किया गया है, जिसकी निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल किया गया हथियार भी बरामद कर लिया गया है। रविवार को गोलमुरी थाना प्रभारी संजय सुमन और सिटी डीएसपी संजीव कुमार ने बताया कि 14 जून की रात करीब साढ़े 11 बजे रामदेव बगान इलाके में हुई गोलीबारी में 29 वर्षीय दीपक कुमार झा गंभीर रूप से घायल हो गए थे। दीपक सिदगोड़ा थाना क्षेत्र के टाटा लाइन निवासी हैं। घटना के बाद गोलमुरी थाना में कांड संख्या 71/2026 दर्ज करते हुए भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 109(1), 352 तथा आर्म्स एक्ट की धारा 27 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक, पूर्वी सिंहभूम के निर्देश पर पुलिस उपाधीक्षक (नगर) के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और गुप्त सूचनाओं के आधार पर कार्रवाई करते हुए 20 जून को मामले में शामिल आरोपित शुभम कुमार को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार शुभम कुमार गोलमुरी के टाटा लाइन स्थित देबुन बगान का रहने वाला है। उसका मूल निवास बिहार के सिवान जिले के सराय थाना क्षेत्र के माहपुर गांव में है। पूछताछ के दौरान आरोपित ने कई महत्वपूर्ण जानकारियां दीं, जिसके आधार पर पुलिस ने उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक लोडेड पिस्टल, एक जिंदा कारतूस और एक खोखा बरामद किया।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर टाटा जू में योग और स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम

उज्जवल दुनिया संवाददाता

जमशेदपुर : अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर रविवार को टाटा स्टील जूलॉजिकल पार्क (टाटा जू) परिसर में योग और स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ह्योगा फॉर हेल्दी एजिंगह्व थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम में जू के कर्मचारियों, सुरक्षा कर्मियों और ई-कार्ट चालकों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत सामूहिक योगाभ्यास से हुई, जिसमें प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासनों, प्राणायाम और ध्यान की प्रक्रियाओं का अभ्यास किया।

योग सत्र का संचालन प्रख्यात योग प्रशिक्षक एवं आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. अनिल रॉय ने किया। उन्होंने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नियमित योगाभ्यास न केवल शरीर को स्वस्थ और ऊजार्वान बनाए रखता है, बल्कि मानसिक तनाव को कम करने, एकाग्रता बढ़ाने और भावनात्मक संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। डॉ. रॉय ने विशेष रूप से बढ़ती उम्र में योग की उपयोगिता पर चर्चा करते हुए बताया कि योग व्यक्ति को शारीरिक रूप से सक्रिय बनाए रखने के साथ-साथ विभिन्न जीवनशैली संबंधी बीमारियों से बचाव में भी सहायक है। उन्होंने प्रतिभागियों को दिनचर्या में योग को शामिल करने की सलाह दी और इसके दीर्घकालिक लाभों की जानकारी दी। योग सत्र के दौरान प्रतिभागियों को स्वास्थ्य, फिटनेस और संतुलित जीवनशैली से जुड़े विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञ परामर्श प्राप्त करने का अवसर भी मिला।

चाकुलिया में दो ट्रेलरों की टक्कर के बाद लगी आग, दोनों चालक घायल

उज्जवल दुनिया संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : पूर्वी सिंहभूम जिले के चाकुलिया थाना क्षेत्र में रविवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। चाकुलिया-माटिहाना मुख्य मार्ग पर दीघी स्थित एसजी एग्रो फूड प्रोडक्ट्स राइस मिल के समीप दो ट्रेलरों की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों वाहनों में तुरंत आग लग गई और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। घटना के बाद आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक ट्रेलर ओडिशा के क्योंझर से लौह अयस्क लेकर पश्चिम बंगाल की ओर जा रहा था, जबकि दूसरा ट्रेलर पश्चिम बंगाल के आसनसोल से फायर ब्रिक्स लेकर ओडिशा के अंगुल जा रहा था।

इसी दौरान दीघी के पास दोनों वाहनों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर के बाद दोनों ट्रेलर आग की चपेट में आ गए। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय ग्रामीणों के साथ राइस मिल के संचालक अविनाश सुरेका और कर्मचारियों ने आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। सूचना मिलने पर चाकुलिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद बहरागोड़ा से दमकल वाहन बुलाया गया। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया और स्थिति को सामान्य किया। इस दुर्घटना में एक ट्रेलर के चालक करमचंद तथा दूसरे ट्रेलर के चालक लालू यादव घायल हो गए।

दोनों को उपचार के लिए चाकुलिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी है और दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

जिला बदर आदेश तोड़कर शहर में घूम रहा कुख्यात तिवारी गिरफ्तार

उज्जवल दुनिया संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : बागबेड़ा थाना पुलिस ने जिला बदर (तड़ीपार) आदेश का उल्लंघन कर क्षेत्र में सक्रिय एक कुख्यात अपराधी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान बागबेड़ा रामनगर निवासी दीपक तिवारी उर्फ काना के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर दबोचा। रविवार को जुगसलाई स्थित कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में विधि-व्यवस्था डीएसपी सुमित कुमार ने बताया कि अपराध नियंत्रण अधिनियम (सीसीए) के तहत दीपक तिवारी को 18 अप्रैल से 17 जुलाई तक के लिए जिला बदर किया गया था। इस अवधि के दौरान उसे पूर्वी सिंहभूम जिले की सीमा में प्रवेश करने की अनुमति नहीं थी, लेकिन इसके बावजूद वह चोरी-छिपे क्षेत्र में रहकर अपनी गतिविधियां संचालित कर रहा था। डीएसपी ने बताया कि शनिवार की रात में पुलिस को सूचना मिली कि दीपक तिवारी रामनगर इलाके में मौजूद है। सूचना मिलते ही बागबेड़ा थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक उमेश कुमार ठाकुर के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए रामनगर के समीप छापेमारी कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जांच में सामने आया है कि तड़ीपार अवधि के दौरान भी आरोपित लगातार आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहा। उसके खिलाफ ०6 मई को मारपीट और 13 जून को एनडीपीएस एक्ट के तहत बागबेड़ा थाना में अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि जिला बदर आदेश के बावजूद वह कानून की अवहेलना कर अपराध करने में सक्रिय था। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार दीपक तिवारी का आपराधिक इतिहास लंबा रहा है। वर्ष 2021 से अब तक उसके खिलाफ बागबेड़ा थाना में हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट, रंगदारी, मारपीट सहित सात गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इसी आपराधिक पृष्ठभूमि को देखते हुए प्रशासन ने उसे जिला बदर करने की कार्रवाई की थी।

गिरफ्तारी अभियान में थाना प्रभारी उमेश कुमार ठाकुर के अलावा एएसआई संतोष कुमार, एएसआई सुनील कुमार यादव और बागबेड़ा थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल रहे।

जनाक्रोश रैली को लेकर आजसू कार्यकर्ताओं की बैठक संपन्न

उज्जवल दुनिया संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : आजसू पार्टी के स्थापना दिवस और 22 जून को धनबाद में आयोजित होने वाली जनाक्रोश रैली की तैयारी को लेकर रविवार को शहर के निर्मल गेस्ट हाउस में जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई।

बैठक में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने रैली की सफलता के लिए व्यापक रणनीति बनाई और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो का जन्मदिन भी उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यकर्ताओं ने केक काटकर उनके दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना की। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पार्टी के प्रधान महासचिव सह पूर्व विधायक रामचंद्र सहिस ने कहा कि धनबाद में होने वाली स्थापना दिवस सह जनाक्रोश रैली झारखंड की राजनीति में एक महत्वपूर्ण संदेश देगी। उन्होंने कहा कि राज्य के युवाओं, किसानों, मजदूरों और बेरोजगारों से जुड़े मुद्दों को लेकर आजसू पार्टी लगातार संघर्षरत है और रैली के माध्यम से जनता की आवाज को मजबूती से उठाया जाएगा। उन्होंने पूर्वी सिंहभूम से बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

जिला अध्यक्ष कन्हैया सिंह ने संगठन विस्तार, बीएलए-2 अभियान को गति देने तथा पंचायत और बूथ स्तर पर पार्टी की सक्रियता बढ़ाने पर जोर दिया। वहीं चंद्रगुप्त सिंह ने कहा कि आजसू पार्टी नए जोश और संघर्षशील तेवर के साथ जनसरोकार के मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाएगी।

बैठक में सर्वसम्मति से चंद्रगुप्त सिंह को बीएलए-1 पूर्वी विधानसभा का प्रभारी बनाया गया। उनके सहयोग के लिए अप्पू तिवारी, आकाश सिन्हा और देवाशीष चौधरी को जिम्मेदारी सौंपी गई।

बैठक में उपस्थित नेताओं और कार्यकर्ताओं ने धनबाद जनाक्रोश रैली को ऐतिहासिक बनाने तथा झारखंडी अस्मिता, अधिकार और विकास के मुद्दों पर संघर्ष को और तेज करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में संजय सिंह, शैलेन्द्र सिन्हा, मृत्युंजय सिंह, कृतिवास मंडल, रामकृष्ण महतो, नीरज सिंह, दीपक पांडेय, मुन्ना खान सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद थे ।

स्कूलों और कॉलेजों में योग को पाठ्यक्रम से जोड़ने की दिशा में काम करेगी सरकार : सम्राट

एजेंसी

पटना: अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर राजधानी पटना के पाटलिपुत्र खेल परिसर में आयोजित मुख्य राज्यस्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार सरकार स्कूलों और कॉलेजों में योग को पाठ्यक्रम और शैक्षणिक गतिविधियों से जोड़ने की दिशा में गंभीरता से काम करेगी। उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ शरीर, स्वस्थ मन और संतुलित जीवन का आधार है, इसलिए इसे नई पीढ़ी की जीवनशैली का हिस्सा बनाया जाना आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार की धरती का योग से ऐतिहासिक और विशेष संबंध रहा है।

विशेष रूप से मुंगेर ने विश्व स्तर पर योग की पहचान स्थापित की है। उन्होंने कहा कि जिस जिले से वह आते हैं, उसी जिले ने योग की परंपरा को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आज भी देश-विदेश से बड़ी संख्या में लोग मुंगेर पहुंचकर योग की शिक्षा प्राप्त करते हैं और उसके माध्यम से भारतीय संस्कृति एवं ज्ञान परंपरा का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। सम्राट चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य केवल विकास कार्यों को आगे बढ़ाना नहीं, बल्कि लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना और उन्हें स्वस्थ जीवन के प्रति जागरूक बनाना भी है। इसी सोच के तहत स्वास्थ्य क्षेत्र में लगातार नई योजनाएं लागू की जा रही हैं और मौजूदा योजनाओं का विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ नागरिक ही किसी भी राज्य और राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति होते हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि योग स्वस्थ समाज के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। वर्तमान समय में बढ़ती भागदौड़, मानसिक तनाव और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के बीच योग एक प्रभावी समाधान के रूप में सामने आया है। नियमित योगाभ्यास न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मानसिक शांति और आत्मविश्वास भी प्रदान करता है।उन्होंने कहा कि राज्य के विद्यालयों में पहले से खेलकूद और शारीरिक शिक्षा से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। अब सरकार इस व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाते हुए योग को भी शैक्षणिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाने पर विचार कर रही है। आने वाले समय में संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाएंगे, ताकि विद्यार्थियों के बीच योग के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके और उन्हें नियमित योगाभ्यास के लिए प्रेरित किया जा सके।सम्राट चौधरी ने कहा कि स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन ही जीवन की सफलता का मूल आधार हैं। यदि व्यक्ति प्रतिदिन कुछ समय योग के लिए निकाले और उसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाए, तो उसके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन स्वतः दिखाई देने लगेंगे। उन्होंने सभी नागरिकों से योग को अपनाने और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री के साथ केंद्रीय मंत्री ललन सिंह, उप मुख्यमंत्री विजय चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे सहित कई जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और गणमान्य लोगों ने सामूहिक योगाभ्यास किया। इस अवसर पर योग प्रशिक्षकों ने विभिन्न योगासन और प्राणायाम का प्रदर्शन भी किया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर बिहार के विभिन्न जिलों में भी बड़े पैमाने पर योग कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में स्कूली छात्रों, शिक्षकों, सरकारी कर्मचारियों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। राज्यभर में आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को योग के महत्व, उसके स्वास्थ्य लाभों और नियमित योगाभ्यास की आवश्यकता के प्रति जागरूक किया गया।

सिपाही भर्ती की तैयारी कर रही छात्रा की संदिग्ध मौत, कमरे में फंदे से लटका मिला शव

एजेंसी

सीवान : नगर थाना क्षेत्र के पचमंदिरा मोहल्ले में किराए के मकान में रहकर सिपाही भर्ती परीक्षा की तैयारी कर रही एक छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। छात्रा का शव उसके कमरे में पंखे से लटका मिला। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। मृतका की पहचान जामो थाना क्षेत्र के बेलडीहा गांव निवासी बलिराम राम की पुत्री सोनी कुमारी के रूप में हुई है। बताया जाता है कि सोनी पिछले दो महीने से नगर थाना क्षेत्र के पश्चिमी मंदिर निवासी राधेश्याम सिंह के मकान में किराए पर रहकर सिपाही भर्ती की तैयारी कर रही थी। जानकारी के अनुसार मकान मालिक राधेश्याम सिंह अपने पुत्र की शादी में शामिल होने के लिए दिल्ली गए हुए थे। शनिवार की रात करीब एक बजे जब वे वापस अपने घर पहुंचे तो छात्रा के कमरे में उसका शव पंखे से लटका हुआ देखा। यह देख उनके होश उड़ गए। उन्होंने तत्काल नगर थाना पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को फंदे से नीचे उतारकर अपने कब्जे में लिया। इसके बाद मृतका के परिजनों को घटना की जानकारी दी गई। सूचना मिलने पर परिजन सीवान पहुंचे और शव की पहचान की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। फिलहाल मौत के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सारण जिला योग संघ ने 6 राष्ट्रीय खिलाड़ियों को किया सम्मानित

एजेंसी

सारण : जिला योग संघ द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन विकास नगर, चांदमारी रोड स्थित सेन्ट्रल पब्लिक स्कूल परिसर में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक वंदे मातरम् गायन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सरिता सिंह एवं विशिष्ट अतिथि सीपीएस कल्याणपुर की प्राचार्या अंजू सिंह उपस्थित रहीं, जिनका स्वागत पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र देकर किया गया।

प्रातः 6:30 बजे से शुरू हुए इस शिविर में जिले भर के 100 से अधिक योग साधकों, विद्यार्थियों और योग प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। प्रशिक्षित योगाचार्यों के निर्देशन में लोगों ने विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण योग के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रोशन करने वाले 6 खिलाड़ियों का सम्मान रहा। अतिथियों ने उनकी उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्हें सम्मान-पत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान किए। मुख्य अतिथि ने योग को भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर बताया, वहीं विशिष्ट अतिथि ने युवाओं से इसे जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। संघ के अध्यक्ष डॉ. विकाश कुमार सिंह ने सभी को प्रतिदिन योग करने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सचिव यशपाल सिंह और कोषाध्यक्ष प्रीत सिंह की मुख्य भूमिका रही। समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

कोसी नदी के जलस्तर में फिर बढ़ोतरी, बराज के 8 फाटक खोले गए

एजेंसी

सुपौल : कोसी नदी के जलस्तर में एक बार फिर वृद्धि दर्ज की गई है। कोसी बराज से पानी का डिस्चार्ज बढ़कर 71,330 क्यूसेक के पार पहुंच गया है, जिसके कारण नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। बढ़ते दबाव को देखते हुए कोसी बराज के 8 फाटक खोल दिए गए हैं। उधर, नेपाल के बराहक्षेत्र में भी जलस्तर बढ़ने की सूचना है। बराहक्षेत्र में जलप्रवाह 46,600 क्यूसेक दर्ज किया गया है और यह बढ़ते क्रम में है। जल संसाधन विभाग स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए तटवर्ती क्षेत्रों के लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। जिला प्रशासन और जल संसाधन विभाग द्वारा हालात की निगरानी की जा रही है। हालांकि फिलहाल किसी प्रकार के खतरे की आधिकारिक सूचना जारी नहीं की गई है, लेकिन जलस्तर में लगातार वृद्धि को देखते हुए प्रशासन अलर्ट मोड में है।

जेवरात चोरी की जांच के दौरान पुलिस टीम पर हमला, होमगार्ड जवान घायल

एजेंसी

सुपौल : जिले के त्रिवेणीगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत पतरघटी वार्ड-5 में शनिवार को जेवरात चोरी मामले की जांच के दौरान पुलिस टीम पर हमला किए जाने का मामला सामने आया है। घटना में सब-इंस्पेक्टर (एसआई) विजय कुमार के साथ मारपीट की गई, जबकि उन्हें बचाने के प्रयास में होमगार्ड जवान तरुण कुमार यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड-18 निवासी राकेश भगत के घर से लगभग एक सप्ताह पूर्व जेवरात की चोरी हुई थी। आरोप है कि परिवार के ही एक सदस्य ने घर से गहने चोरी कर अपने कुछ साथियों के साथ बेच दिए और प्राप्त राशि खर्च कर दी। शिकायत मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुटी थी। जांच के क्रम में पुलिस को पतरघटी निवासी अनिरुद्ध यादव के पुत्र आकाश कुमार की संलिप्तता की सूचना मिली। इसके बाद एसआई विजय कुमार पुलिस बल के साथ पूछताछ के लिए उसके घर पहुंचे। बताया जाता है कि जब पुलिस आकाश कुमार को पूछताछ के लिए थाने ले जाने लगी, तभी आकाश, उसके भाई आशीष कुमार तथा अन्य परिजनों ने पुलिस टीम का विरोध शुरू कर दिया। आरोप है कि विरोध के दौरान पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया गया। एसआई विजय कुमार के साथ मारपीट की गई और उन पर लोहे की रॉड से हमला करने का प्रयास किया गया। इस दौरान एसआई को बचाने पहुंचे होमगार्ड जवान तरुण कुमार यादव के सिर पर लोहे की रॉड लग गई, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल जवान को तत्काल अनुमंडलीय अस्पताल त्रिवेणीगंज में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार किया गया। घायल होमगार्ड जवान तरुण कुमार यादव ने बताया कि एसआई पर दो बार लोहे की रॉड से वार किया गया। पहला वार उन्हें लगा, जबकि दूसरी बार एसआई को बचाने के दौरान रॉड उनके सिर पर लग गई, जिससे उन्हें गंभीर चोट आई। घटना के बाद पुलिस एक महिला को भी पूछताछ के लिए थाने लाई थी, जिसे बाद में छोड़ दिया गया। मामले को लेकर पुलिस अधीक्षक शरथ आरएस ने कहा कि पूरे प्रकरण की जांच कराई जाएगी और जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। उधर अनुमंडलीय अस्पताल त्रिवेणीगंज के चिकित्सक डॉ. श्रवण कुमार ने बताया कि घायल पुलिसकर्मी का प्राथमिक उपचार किया गया है।

फिलहाल उनकी स्थिति सामान्य है और वे खतरे से बाहर हैं।

योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए कृषि मंत्री

एजेंसी

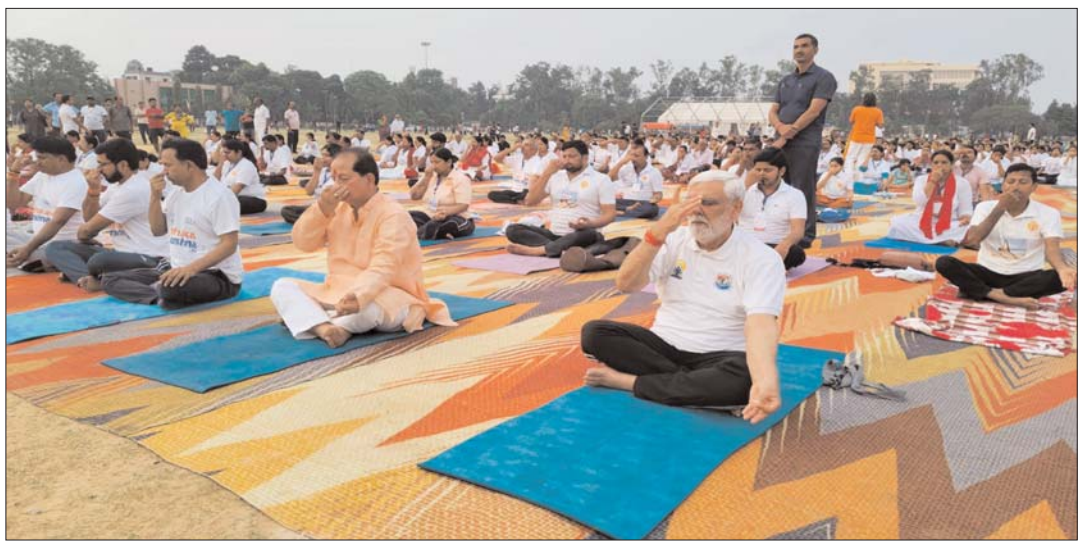

भागलपुर : अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को लेकर रविवार को जिले में विभिन्न जगहों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। मुख्य कार्यक्रम सैंडिस कंपाउंड में हुआ। जहां कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा, पूर्व मंत्री अश्विनी चौबे, एमएलसी डॉ एन के यादव ने योग किया। वहीं इंडोर स्टेडियम में कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर डीएम डॉक्टर नवल किशोर चौधरी द्वारा किया गया। इस अवसर पर नगर आयुक्त किसलय कुशवाहा, अपर समाहर्ता दिनेश राम, अपर समाहर्ता (विधि-व्यवस्था) राकेश रंजन, जिला योजना पदाधिकारी मोनू कुमार, कोषागार पदाधिकारी देवेंद्र कुमार सहित जिले के अन्य वरीय प्रशासनिक पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। डीएम डॉ. नवल किशोर चौधरी सहित जिले के विभिन्न प्रशासनिक पदाधिकारियों, पुलिस अधिकारियों, शिक्षाविदों, सामाजिक कार्यकताओं एवं बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने भाग लेकर योगाभ्यास किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए डीएम ने कहा कि योग का विकास, अनुसंधान एवं इसकी समृद्ध परंपरा भारत की देन है। आज पूरी दुनिया भारतीय योग पद्धति के महत्व को स्वीकार कर रही है और इसे अपने जीवन का हिस्सा बना रही है। उन्होंने कहा कि योग केवल शरीर को लचीला (फ्लैक्सिबल) बनाने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह मन को भी स्वस्थ एवं संतुलित बनाता है। जब मन और शरीर दोनों स्वस्थ रहते हैं, तभी व्यक्ति अपने कार्यक्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर सकता है। चाहे व्यवसाय हो, कार्यालय का कार्य हो अथवा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन, हर क्षेत्र में सफलता के लिए मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य आवश्यक है। उन्होंने अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए बताया कि उनकी ऊर्जा एवं कार्यक्षमता का एक प्रमुख कारण नियमित योगाभ्यास है। उन्होंने उपस्थित लोगों से प्रतिदिन योग करने का संकल्प लेने का आह्वान किया।उन्होंने कहा कि खेलकूद भी स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है, लेकिन कई खेलों में शरीर के कुछ विशेष अंगों या मांसपेशियों का ही अधिक उपयोग होता है। इसके विपरीत योग संपूर्ण शरीर को सक्रिय करता है तथा शरीर के आंतरिक अंगों के स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। योग व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक रूप से सशक्त बनाता है। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षित योग शिक्षकों के मार्गदर्शन में विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया गया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर उपस्थित लोगों में विशेष उत्साह देखा गया तथा सभी ने नियमित रूप से योग को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

संक्षिप्त खबरें

लापता युवक का संदिग्ध हालात में शव बरामद, स्मैक के नशे में विवाद के बाद हत्या की आशंका

सीवान : मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के खुरमाबाद मुहल्ले में शुक्रवार से लापता एक युवक का संदिग्ध परिस्थितियों में शव शनिवार की देर रात बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक के परिजनों ने स्मैक के नशे में हुए आपसी विवाद के बाद उसके साथियों द्वारा हत्या किए जाने की आशंका जताई है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच में जुटी है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। मृतक की पहचान खुरमाबाद तकिया निवासी अहमद अली के 23 वर्षीय पुत्र बाबू हसन के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार बाबू हसन शुक्रवार की दोपहर घर से निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। उसका मोबाइल फोन भी बंद मिलने लगा, जिसके बाद परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। शनिवार की देर रात स्थानीय लोगों ने सूचना दी कि खुरमाबाद स्थित एक एकांत मकान के कमरे से तेज दुर्गंध आ रही है।सूचना मिलने पर परिजन और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे तो कमरे के अंदर बाबू हसन का शव पड़ा मिला। परिजनों का आरोप है कि शव की स्थिति बेहद संदिग्ध थी। मृतक का चेहरा बुरी तरह क्षतिग्रस्त था तथा शरीर के अन्य हिस्सों पर भी चोट के कई निशान मौजूद थे। इसके बाद डायल 112 और मुफ्फसिल थाना पुलिस को तत्काल सूचना दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाने की कार्रवाई शुरू कर दी है।स्थानीय लोगों का कहना है कि खुरमाबाद क्षेत्र में लंबे समय से खुलेआम स्मैक का कारोबार चल रहा है। लोगों का दावा है कि जिस कमरे से शव बरामद हुआ, वहां अक्सर नशा करने वालों का जमावड़ा लगता था। हालांकि भय और दबाव के कारण आसपास के लोग इसकी शिकायत करने से कतराते रहे हैं। मुफ्फसिल थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम, गश्ती पदाधिकारी और डायल 112 के जवानों के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू की गई। प्रथम दृष्टया स्थानीय लोगों द्वारा स्मैक के नशे में हुए विवाद की बात सामने आई है। उन्होंने कहा कि युवक की हत्या हुई है या किसी अन्य कारण से मौत हुई है, इसका स्पष्ट खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। फिलहाल परिजनों के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर जांच की जा रही है तथा आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। वहीं युवक की मौत से परिजनों में आक्रोश व्याप्त है। परिजनों ने दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी तथा क्षेत्र में चल रहे नशे के कारोबार पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर जिले में योग की रही धूम, निरोग रहने के लिए लोगों ने लिया योग का सहारा

अररिया : अररिया जिले में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की धूम रही। शरीर को स्वस्थ और निरोग रखने के लिए लोगों ने योग का सहारा लिया।शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों ने शरीर को फिट रखने के लिए योग किया। अररिया कॉलेज स्टेडियम, नेताजी सुभाष स्टेडियम, महिला कॉलेज के मैदान, हाई स्कूल के मैदान, आजाद एकेडमी के मैदान,आरएस स्थित केंद्रीय विद्यालय, पीएमश्री नवोदय विद्यालय, एसएसबी 52 वीं मुख्यालय के ग्राउंड सहित विभिन्न हॉलों में लोगों ने योग सहित आसन किया। खड़े होकर किए जाने वाले आसन ताड़ासन, वृक्षासन, बैठकर किए जाने वाले आसन पद्मासन, भद्रासन, पेट के बल लेटकर किया जाने वाला आसन भुजंगासन, धनुरासन, पीठ के बल लेटकर किया जाने वाला आसन सेतुबंधासन,पवनमुक्तासन सहित अनुलोम विलोम, कपालभाति आदि क्रियाओं में योग की रहे लोग शामिल हुए। योग क्रिया में आम से खास लोग शामिल रहे। फारबिसगंज में भी योग की धूम रही।पतंजलि योग समिति की ओर से शगुन बैंक्वेट हॉल परिसर में आयोजन समिति के सुबोध गुप्ता, राजू साह, काशी साह, सुरेंद्र मंडल, नमिता वर्मा, अंबिका मेहता, लक्ष्मी रंजन, अजातशत्रु अग्रवाल की ओर से आयोजित योग शिविर में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ शहर के गणमान्य लोगों ने भाग लिया।वहीं फारबिसगंज लायंस क्लब की ओर से योग के बाद जरूरतमंदों के लिए रक्तदान शिविर आयोजित की गई है। डॉ अजय कुमार सिंह, डॉ शंभू कुमार, अभिषेक नीरज, सुमित अग्रवाल, सच्चिदानंद मेहता के देखरेख में रक्तदान हो रहा है। सभी खेल मैदान, विभिन्न हॉलों सहित सभी स्कूल में योग कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें बड़ी संख्या में महिला पुरुष और बच्चे शामिल होकर योग क्रिया किया।

स्वस्थ रहने के लिए योग आवश्यक : मंत्री

सुपौल : जिला मुख्यालय स्थित राधेश्याम टीचर ट्रेनिंग कॉलेज में चल रहे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद उत्तर बिहार प्रांत के प्रांत अभ्यास वर्ग के रविवार को चौथे दिन आंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रातः काल योग अभ्यास किया गया । योगाभ्यास में बिहार सरकार के शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। योगाभ्यास के बाद शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी वर्ग में शामिल कार्यकताओं से मुलाकात किये। योगाभ्यास में अभाविप के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री गोविंद नायक, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आशुतोष मांडवी, क्षेत्रीय संगठन मंत्री प्रदीप शेखावत, क्षेत्रीय छात्रा कार्य प्रमुख डॉ ममता कुमारी, प्रांत अध्यक्ष विवेकानंद तिवारी, प्रांत मंत्री पुरुषोत्तम कुमार एवं प्रांत संगठन मंत्री राकेश मौर्य उपस्थित रहे। मंत्री तिवारी ने कहा स्वस्थ रहने के लिए योग आवश्यक है। बता दें कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का 18 जून से 21 जून तक सुपौल में प्रांत अभ्यास वर्ग आयोजित किया गया है। रविवार को वर्ग के आखरी दिन अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योगाभ्यास किया गया।

स्वस्थ नागरिक ही मजबूत लोकतंत्र की सबसे बड़ी पूंजी : ओम बिरला

एजेंसी

कहा, योग को एक दिन का उत्सव नहीं, 365 दिनों का संकल्प बनाना होगा

नई दिल्ली। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रविवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर संसद भवन परिसर में सांसदों के साथ योगाभ्यास किया। इस अवसर पर सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि स्वस्थ नागरिक ही मजबूत लोकतंत्र की सबसे बड़ी पूंजी हैं। संसद में मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन योग हमें संवाद और संयम का मार्ग दिखाता है। उन्होंने सभी को योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह दिवस भारत की उस शाश्वत सभ्यतागत विरासत का उत्सव है, जिसने मानवता को स्वास्थ्य, संतुलन और आंतरिक शांति का मार्ग प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि योग केवल शरीर को नहीं, विचारों को भी संतुलित करता है।

लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि योग मानसिक शांति, धैर्य और भावनात्मक संतुलन बनाए रखने का सशक्त माध्यम है। लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि योग भारत की सॉफ्ट पावर नहीं, मानवता के लिए भारत की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को संवाद चाहिए, संवाद के लिए मन का संतुलन जरूरी, योग यही सिखाता है। योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बिरला ने कहा कि भारत के ऋषियों-मनीषियों ने सदियों तक योग परंपरा के संरक्षण के लिए प्रयास किए और इसे जीवन जीने की पद्धति के रूप में स्थापित किया। इसका उद्देश्य शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक शांति और मानव चेतना का जागरण था। उन्होंने कहा कि आज योग एक वैश्विक जनआंदोलन बन चुका है और दुनिया इसे अपना रही है, पर यह भारत की हजारों वर्षों पुरानी ज्ञान-परंपरा का उपहार है। अपने संबोधन में समकालीन जीवन में योग की प्रासंगिकता पर बल देते हुए लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि आधुनिक जीवन तनाव, असंतुलन और अनिश्चितताओं से घिरा है। ऐसे समय में योग मानसिक शांति, धैर्य, भावनात्मक संतुलन और अनुशासित जीवनशैली बनाए रखने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक मानसिक तनाव है; योग इसका सुलभ, वैज्ञानिक और समावेशी समाधान प्रस्तुत करता है। आज की डिजिटल पीढ़ी को स्क्रीन टाइम और स्ट्रेस के बीच संतुलन बनाने के लिए योग को जीवनशैली बनाना होगा। बिरला ने कहा कि योग केवल फिटनेस का कार्यक्रम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व, चरित्र और चेतना के विकास का माध्यम है। दैनिक जीवन में योग अपनाने से व्यक्ति अधिक संतुलित और बेहतर निर्णय लेने में सक्षम होता है तथा उसके समग्र स्वास्थ्य में वृद्धि होती है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ नागरिक ही मजबूत लोकतंत्र की सबसे बड़ी पूंजी हैं और यदि देश के 140 करोड़ नागरिक प्रतिदिन कुछ मिनट योग के लिए निकालें, तो यह भारत की सबसे बड़ी जन-स्वास्थ्य क्रांति बन सकती है। लोक सभा अध्यक्ष ने जोर देकर कहा कि योग का संदेश देश के प्रत्येक कोने तक पहुंचना चाहिए। जनप्रतिनिधि समाज के साथ संवाद में रहते हैं और वे लोगों को योग अपनाने तथा इसकी परिवर्तनकारी शक्ति को समझने के लिए प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। जिस प्रकार हम लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयास करते हैं, उसी प्रकार योग को भी जन-जन के जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। बिरला ने कहा कि योग भारत की सॉफ्ट पावर नहीं, मानवता के लिए भारत की जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी नागरिकों से आग्रह किया कि योग को एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि 365 दिनों का संकल्प बनाएं और नियमित योगाभ्यास के माध्यम से स्वास्थ्य, सामंजस्य और आत्म-अनुशासन की संस्कृति को सुदृढ़ करें।

योग केवल सामान्य व्यायाम नहीं, बल्कि सुखी जीवन जीने की उत्कृष्ट शैली है : सीआर पाटिल

सूरत। केंद्रीय मंत्री सी आर पाटिल ने कहा कि योग भारत की प्राचीन संस्कृति की विश्व को दी गई अमूल्य देन है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से आज योग विश्वव्यापी जन आंदोलन बन चुका है। केंद्रीय मंत्री पाटिल रविवार 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर गुजरात के सूरत स्थित सरसाना कन्वेंशन सेंटर में राज्य के खेल, युवा एवं सांस्कृतिक गतिविधि विभाग के जिला स्तरीय योग दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। योग विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों तथा बड़ी संख्या में नागरिकों ने योग, प्राणायाम और ध्यान का सामूहिक अभ्यास कर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए केंद्रीय मंत्री सी आर पाटिल ने कहा कि योग भारत की प्राचीन संस्कृति की विश्व को दी गई अमूल्य देन है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से आज योग विश्वव्यापी जन आंदोलन बन चुका है। योग स्वास्थ्य, शांति और एकता का प्रतीक है तथा भाषा और सीमाओं के भेद को समाप्त कर मानवता को जोड़ने का कार्य करता है। उन्होंने कहा कि योग शरीर, मन और चेतना को एक सूत्र में बांधने का माध्यम है। यह केवल व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला और विज्ञान है। आज की अनियमित दिनचर्या, असंतुलित खानपान और बढ़ते मानसिक तनाव के दौर में योग एक प्रभावी औषधि का कार्य करता है। बिना किसी दवा के शरीर और मन को स्वस्थ रखने वाला योग प्रत्येक व्यक्ति की जीवनशैली का हिस्सा बनना चाहिए। पाटिल ने कहा कि योग दिवस मनाने का उद्देश्य योग को घर-घर, विद्यालयों और कार्यस्थलों तक पहुंचाना तथा लोगों को मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से योग अपनाकर स्वास्थ्य के प्रति सजग बनने का आह्वान किया। इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम **'Yoga for Healthy Ageiafg**-स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग रही। इसी थीम के अनुरूप पूरे सूरत जिले में शहर, तालुका, महानगरपालिका तथा नगरपालिकाओं के स्तर पर उत्साहपूर्वक योग दिवस मनाया गया, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों और विद्यार्थियों ने भाग लिया।

गोवा अवैध खनन मामले में ईडी की बड़ी कार्रवाई, 1,023.85 करोड़ की संपत्तियां कुर्क

एजेंसी

नई दिल्ली। गोवा के अवैध लौह अयस्क खनन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सलगांवकर समूह और उसके सहयोगियों (एवीएस समूह) से जुड़ी 1,023.85 करोड़ की चल एवं अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क किया है। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत की गई है। ईडी के पणजी आंचलिक कार्यालय ने 19 जून को जारी एक अंतरिम कुर्की आदेश के तहत यह कुर्की की। कुर्क की गई संपत्तियों में भारत में स्थित 459.10 करोड़ रुपये मूल्य की 99 अचल संपत्तियां, सिंगापुर में स्थित 471.32 करोड़ रुपये मूल्य की 31 अचल संपत्तियां और भारतीय कंपनियों में 93.42 करोड़ रुपये मूल्य के इक्विटी शेयर शामिल हैं। ये संपत्तियां स्वर्गीय अनिल वासुदेव सलगांवकर की संपत्ति (उनकी प्रशासनिक श्रीमती लक्ष्मी अनिल सलगांवकर के माध्यम से), मैसर्स सलगांवकर माइनिंग इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, मैसर्स शांतिलाल खुशालदास एंड ब्रदर्स प्राइवेट लिमिटेड, मैसर्स एस कांतिलाल एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, मैसर्स सलीथो ओर्स प्राइवेट लिमिटेड, मैसर्स वर्टेक्स न्यूटन प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड और मैसर्स सुवर्णरेखा पोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर पंजीकृत हैं। ईडी ने बताया कि एजेंसी ने गोवा पुलिस की सीआईडी अपराध शाखा द्वारा भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम (एमएमडीआर) के तहत दर्ज प्राथमिकी (एफआईआर) के आधार पर अपनी जांच शुरू की थी। इस मामले में माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने भी 21 अप्रैल, 2014 और 7 फरवरी, 2018 के अपने फैसलों में स्पष्ट किया था कि गोवा में 22 नवंबर 2007 के बाद (नए खनन पट्टे जारी होने तक) किया गया सारा खनन अवैध और बिना कानूनी अधिकार के था। ईडी ने बताया कि एजेंसी की जांच में खुलासा हुआ कि एवीएस समूह ने वर्ष 2007 से 2012 के दौरान कुल दस खनन पट्टों का संचालन किया और लौह अयस्क के अवैध निष्कर्षण, बिक्री व निर्यात से लगभग 2,492.95 करोड़ की अपराध की कमाई अर्जित की। अवैध रूप से निकाले गए इस अयस्क को बेहद कम कीमतों पर ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स (बीवीआई) में पंजीकृत शेल कंपनियों को निर्यात किया गया था। इन कागजी मध्यस्थ कंपनियों ने इस अयस्क को आगे चीन को बेच दिया, जिससे लगभग 2,744.89 करोड़ का अतिरिक्त विदेशी व्यापार लाभ कमाया गया। मामले में कुल अपराध की कमाई लगभग 5,237.84 करोड़ रुपये है। इस धनराशि को बीवीआई और सिंगापुर स्थित शेल कंपनियों के माध्यम से विदेशों में चल-अचल संपत्तियां खरीदने में लगाया गया और इसका एक हिस्सा शेयर पूंजी के रूप में वापस भारत में भी भेजा गया। मामले में आगे की जांच अभी जारी है।

कोलकाता में तीन स्वदेशी युद्धपोत नौसेना को समर्पित, पीएम मोदी बोले- भारत अब रक्षा क्षेत्र में निमार्ता बन रहा है

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को पश्चिम बंगाल के कोलकाता स्थित श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट पर आयोजित एक भव्य समारोह में भारतीय नौसेना के लिए तीन अत्याधुनिक स्वदेशी सैन्य जहाजों आईएनएस अग्रय, आईएनएस दूनागिरी और आईएनएस संशोधक को राष्ट्र को समर्पित किया। इस अवसर पर नौसेना प्रमुख तथा वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों की उपस्थिति में प्रधानमंत्री ने रिबन काटकर तीनों जहाजों का औपचारिक रूप से नौसेना में शामिल किया। आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने नौसेना और इन अभियानों से जुड़े वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और श्रमिकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि दुनिया इस बात की गवाह है कि समुद्री क्षमताओं के बिना कोई भी देश बड़ी ताकत नहीं बन सकता क्योंकि विकास, सुरक्षा और समृद्धि समुद्र से जुड़े हैं। आज दुनिया का ज्यादातर व्यापार समुद्र के रास्ते होता है और दुनिया को जोड़ने वाले डेटा के विशाल नेटवर्क भी समुद्र के नीचे से गुजरते हैं। भविष्य में जरूरी खनिज, गहरे समुद्र के संसाधन और ऊर्जा के नए स्रोत भी समुद्र से ही जुड़े होंगे। इस बीच कार्यक्रम में तीनों सैन्य जहाजों के नौसेना में आधिकारिक प्रवेश के समय पारंपरिक बिगुल ध्वनि के साथ राष्ट्रीय ध्वज और नौसेना के ध्वज को फहराया गया। 21 जून को 'विश्व हाइड्रोग्राफी दिवस' के अवसर पर देश के सबसे उन्नत सर्वेक्षण पोत आईएनएस संशोधक को जलसेना का हिस्सा बनाया गया। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर जहाजों का निरीक्षण किया और उन पर तैनात होने वाले चालक दल के सदस्यों से मुलाकात कर उनका हौसला बढ़ाया। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत केवल रक्षा उपकरणों का खरीदार बनकर नहीं रहना चाहता, बल्कि एक प्रमुख निमार्ता के रूप में उभर रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में भारतीय नौसेना ने 40 से अधिक मेड इन इंडिया युद्धपोत और पनडुब्बियां अपने बेड़े में शामिल की हैं। उन्होंने कहा कि आईएनएस विक्रांत से लेकर आज तक की यात्रा भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता का प्रतीक है।

छत्तीसगढ़ पहुंचे राहुल गांधी, संगठनात्मक गतिविधियों की करेंगे समीक्षा

रायपुर/अभनपुर। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी आज रविवार को एक दिवसीय प्रवास पर छत्तीसगढ़ पहुंचे। रायपुर एयरपोर्ट पर कांग्रेस कार्यकताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। राहुल गांधी 10 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर में शामिल होंगे और संगठनात्मक समीक्षा करेंगे। राहुल गांधी माना एयरपोर्ट से सीधे अभनपुर पहुंचे, जहां वे कांग्रेस के 10 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर में शामिल होकर संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा करेंगे और पार्टी पदाधिकारियों से संवाद करेंगे। कार्यक्रम में वरिष्ठ नेता एवं कांग्रेस महासचिव भूपेश बघेल, प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत राहुल गांधी के साथ सभा स्थल पर पंहुचे। अभनपुर के चांदी मोड़ स्थित आशुतोष-अलका अग्रवाल मंगल भवन में चल रहे इस विशेष प्रशिक्षण शिविर में प्रदेशभर से नवनियुक्त जिला एवं शहर कांग्रेस अध्यक्ष भाग ले रहे हैं। राहुल गांधी करीब चार से पांच घंटे तक शिविर में मौजूद रहेंगे और संगठन को मजबूत बनाने के लिए कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों को मार्गदर्शन देंगे। हालांकि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को गोपनीय रखा गया है, लेकिन राहुल गांधी की एक झलक पाने दूर-दराज के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता अभनपुर पहुंचे हैं। शिविर के दौरान राहुल गांधी जिला एवं शहर अध्यक्षों के साथ सीधा संवाद कर संगठन की जमीनी स्थिति और भविष्य की रणनीति पर चर्चा करेंगे। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस का 10 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर शुक्रवार से अभनपुर के चांदी मोड़ स्थित आशुतोष-अलका अग्रवाल मंगल भवन में शुरू हो चुका है। संगठन सृजन अभियान के तहत आयोजित इस शिविर में प्रदेशभर के नवनियुक्त जिला और शहर कांग्रेस अध्यक्ष शामिल हो रहे हैं।

जालंधर पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, रोड शो में उमड़ी भारी भीड़

एजेंसी

जालंधर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन शनिवार देर रात करीब 10 बजे जालंधर पहुंचे। उनके आगमन पर भाजपा कार्यकताओं और नेताओं ने जोरदार स्वागत किया। श्रीराम चौक (कंपनी बाग) से भगवान वाल्मीकि चौक तक एक भव्य रोड शो निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकताओं और समर्थकों ने भाग लिया। रोड शो के दौरान जगह-जगह फूलों की वर्षा कर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत किया गया। कार्यक्रम में दोआबा क्षेत्र की भाजपा लीडरशिप, वरिष्ठ नेता, जिला एवं मंडल स्तर के पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस अवसर पर नितिन नवीन ने कहा कि पंजाब की धरती हमेशा से शूरवीरों की धरती रही है और इस प्रदेश ने कभी किसी के सामने झुकना नहीं सीखा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में पंजाब में भारतीय जनता पार्टी का कमल खिलेगा।उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में पंजाब के लोगों ने विभिन्न राजनीतिक दलों पर किए गए विश्वास को टूटते हुए देखा है, जिसके कारण जनता अब एक नया विकल्प तलाश रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में पंजाब की जनता भारतीय जनता पार्टी को मजबूत समर्थन देगी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में भाजपा को जनता का व्यापक समर्थन मिल रहा है और इसका प्रभाव पंजाब में भी देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार पार्टी ने अन्य राज्यों में अपनी स्थिति मजबूत की है, उसी प्रकार पंजाब में भी भाजपा संगठन लगातार मजबूत हो रहा है। रोड शो के बाद नितिन नवीन ने स्थानीय नेताओं और पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक कर वर्ष 2027 के पंजाब विधानसभा चुनावों को लेकर चर्चा की। बैठक में संगठन विस्तार, बूथ स्तर पर मजबूती और आगामी राजनीतिक रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। पंजाब भाजपा अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने कहा, भाजपा 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए राज्य की सभी 117 सीटों पर पूरी तरह तैयार है और 2027 में पंजाब में भाजपा की सरकार बनेगी। भाजपा नेताओं ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के दौरे से पंजाब में पार्टी कार्यकताओं में नया उत्साह और ऊर्जा का संचार हुआ है। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि आगामी समय में संगठन को और मजबूत करने के लिए इस तरह के कार्यक्रम महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

एक नजर

अधिकारों की रक्षा के लिए बातचीत : ईरान

तेहरान। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के नौसेना अधिकारी मोहम्मद अकबरजादेह ने कहा है कि ईरान अपने अधिकारों की रक्षा के लिए बातचीत करता है, न कि रियायतें देने के लिए। ईरान के दुश्मन देश की ताकत देखकर पीछे हटते हैं। ईरान की सरकारी मीडिया संगठन प्रेसटीवी के अनुसार दक्षिणी ईरान के बंदरगाह शहर बंदरअब्बास में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए आईआरजीसी नौसेना में राजनीतिक मामलों के उप प्रमुख अकबरजादेह ने कहा कि हाल की घटनाओं ने सैन्य, राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर राष्ट्रीय शक्ति बनाए रखने के महत्व को एक बार फिर साबित कर दिया है। तेहरान और वाशिंगटन के बीच जारी कूटनीतिक वाताओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि ईरान अपने अधिकारों की रक्षा के लिए बातचीत करता है, न कि रियायतें देने के लिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि दूसरा पक्ष अपने वादों को पूरा करने में विफल रहता है तो ईरान अपने हितों से पीछे नहीं हटेगा। उन्होंने अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान के खिलाफ की गई कथित आक्रामक कार्रवाइयों का उल्लेख करते हुए कहा कि इस्लामिक गणराज्य ने उनका निर्णायक और प्रभावी जवाब दिया है। उनके अनुसार, दुश्मनों की नीतियां केवल शक्ति के प्रदर्शन से प्रभावित होती हैं। अकबरजादेह ने कहा, दुश्मन तब पीछे हटता है जब वह आपकी ताकत देखता है, न कि इसलिए कि उसे आपके प्रति सहानुभूति होती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी भी समझौते या कूटनीतिक प्रक्रिया में वास्तविक सुरक्षा की गारंटी केवल राष्ट्रीय शक्ति ही होती है। उन्होंने कहा कि इतिहास इस बात का गवाह है कि ईरान ने हमेशा बाहरी दबावों और चुनौतियों का डटकर सामना किया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राष्ट्रीय एकता और शक्ति के बल पर ईरान भविष्य की चुनौतियों का भी सफलतापूर्वक सामना करेगा।

स्वामी अवधेशानन्द गिरी ने नेपाल में किए जीवित देवी कुमारी के दर्शन-पूजन

काठमांडू। विश्व के सबसे प्राचीन जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानन्द गिरी ने नेपाल प्रवास के दौरान नेपाल की जीवित देवी कुमारी के दर्शन एवं विधिवत पूजन किया है। जीवित देवी कुमारी का दर्शन और पूजन करने वाले वे पहले प्रमुख धमाचार्य बन गए हैं। कुमारी के दर्शन करने के बाद अत्यंत भाव विभोर हुए स्वामी अवधेशानन्द गिरी जी ने पत्रकारों से संक्षिप्त वार्ता करते हुए कहा कि जगत जननी माँ जगदम्बा की साक्षात प्रतिमूर्ति रही नेपाल की जीवित देवी कुमारी के दर्शन और पूजन करने का सौभाग्य मिला। उन्होंने विश्व के समस्त हिन्दू समाज से अपील की है कि वे जब भी आराध्य देव पशुपतिनाथ की इस देवभूमि पर आए तो कुमारी देवी का दर्शन का सौभाग्य अवश्य प्राप्त करें। स्वामी अवधेशानन्द जी ने यह भी कहा कि इस तरह की धार्मिक, आध्यात्मिक, पौराणिक मान्यता वाली जीवित देवी के दर्शन से न सिर्फ नेपाल और भारत के बीच के हमारे संबंधों को प्रगाढ़ बनाएगी अपितु समस्त विश्व का कल्याण इससे हो सकता है। इस विशेष अवसर को धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। नेपाल की प्राचीन परंपरा में कुमारी को जीवित देवी के रूप में पूजा जाता है, जिनका विशेष महत्व खासकर नेवार समुदाय में है। नेवार समुदाय की मान्यता के अनुसार कुमारी देवी शक्ति, संरक्षण और शुभता का प्रतीक हैं। सदियों पुरानी यह परंपरा नेपाल की सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। स्वामी अवधेशानन्द गिरी के इस कदम को नेपाल की आध्यात्मिक विरासत को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाने वाला माना जा रहा है। जानकारों का कहना है कि इससे तीर्थयात्रियों के लिए एक नया आध्यात्मिक द्वार खुलेगा। विशेषज्ञों के अनुसार, अब पशुपति मंदिर के दर्शन के लिए नेपाल आने वाले दुनियां भर के श्रद्धालु जीवित देवी कुमारी के दर्शन को भी अपनी तीर्थयात्रा का हिस्सा बना सकते हैं। इससे न केवल धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि नेपाल की अद्वितीय सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपराओं के प्रति अंतरराष्ट्रीय श्रद्धालुओं की रुचि भी बढ़ेगी। स्वामी अवधेशानन्द गिरी का वसंतपुर में स्वागत करने वाले हली नेवा गुठी का मानना है कि यह पहल नेपाल के आध्यात्मिक पर्यटन को नया आयाम दे सकती है, जहां श्रद्धालु एक ही यात्रा में पशुपतिनाथ और जीवित देवी कुमारी–दोनों के दर्शन कर सकेंगे। इससे नेपाल की धार्मिक पहचान और अधिक सशक्त होने की उम्मीद है।

विश्व योग दिवस पर काठमांडू के सामूहिक योग कार्यक्रम में दिया गया स्वास्थ्य लाभों का संदेश

काठमांडू। नेपाल की राजधानी काठमांडू के दशरथ रंगशाला स्टेडियम में रविवार को 12वें विश्व योग दिवस पर भव्य सामूहिक योग कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम नेपाल के शिक्षा तथा खेलकूद मंत्रालय ने आयोजित किया, जिसमें बड़ी संख्या में सरकारी अधिकारी, कर्मचारी और योग विशेषज्ञ शामिल हुए। कार्यक्रम में नेपाल सरकार के मुख्य सचिव सुमनराज अर्याल, विभिन्न मंत्रालयों के सचिव, सरकारी कर्मचारी तथा योग गुरु उपस्थित रहे। सभी प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से योगाभ्यास कर योग के महत्व और इसके स्वास्थ्य लाभों का संदेश दिया। इस वर्ष के योग दिवस कार्यक्रम के माध्यम से भी यही संदेश दिया गया कि आधुनिक जीवनशैली की चुनौतियों के बीच योग एक प्रभावी और प्राकृतिक समाधान बनकर उभरा है। हर वर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य योग के माध्यम से शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना है। नेपाल सरकार भी हर वर्ष इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करती है, ताकि आम नागरिकों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जा सके। विशेषज्ञों का मानना है कि नियमित योग करने से तनाव कम होता है, मानसिक एकाग्रता बढ़ती है और शरीर को ऊर्जा मिलती है।

यूक्रेन ने बेलारूस को दी चेतावनी- एयर डिफेंस सिस्टम हटाओ या कार्रवाई झेलो

कीव/मिन्स्क। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने बेलारूस को चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि वह अपनी दक्षिणी सीमा पर तैनात एयर डिफेंस रडार और संबंधित सैन्य उपकरणों को एक सप्ताह के भीतर नहीं हटाता है, तो यूक्रेन सैन्य कार्रवाई करने पर विचार कर सकता है। रूस की सरकारी नियंत्रण वाली अंतरराष्ट्रीय समाचार टेलीविजन नेटवर्क रुस टूडे (आरटी) के अनुसार कीव में आयोजित एक प्रेसवार्ता में जेलेंस्की ने कहा कि बेलारूस को अपने शांतिपूर्ण इरादों को साबित करने के लिए सीमा क्षेत्र से एयर डिफेंस सिस्टम और रिले ट्रांसमीटर हटाने चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसा करने के लिए एक सप्ताह का समय पर्याप्त है और यदि मिन्स्क ऐसा नहीं करता, तो यूक्रेन स्वयं कार्रवाई करेगा। यह बयान ऐसे समय आया है जब हाल ही में रूस के ब्रियांस्क क्षेत्र में बच्चों की एक फुटबॉल टीम को ले जा रही बस पर ड्रोन हमला हुआ था। इस घटना में कई बच्चे घायल हुए थे, जबकि एक महिला की मौत हो गई थी। बेलारूस ने इस हमले को उकसावे वाली कार्रवाई बताते हुए इसकी निंदा की है। हालांकि, यूक्रेन ने हमले में किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार किया है। बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने हाल ही में कहा था कि उनका देश किसी भी सैन्य संघर्ष में शामिल होने का इच्छुक नहीं है और वह किसी भी पड़ोसी देश के लिए खतरा नहीं है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी थी कि बेलारूस को संघर्ष में घसीटने की कोशिश करने वालों को गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। प्रेसवार्ता के दौरान जेलेंस्की ने बेलारूस के तेल शोधन उद्योग का भी उल्लेख किया और संकेत दिया कि रूस के साथ उसके ऊर्जा सहयोग पर दबाव डाला जा सकता है।